RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 April, 2024

अंक – 10 (मासिक) वर्ष – 19 अप्रैल, 2024 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अब अयोध्या धाम में भी सेवा सदन

स्वागतम् विक्रम सम्वत् 2081

ऋषि-मुनि वैद्यकीय पंचांग का हुआ विमोचन

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

RR

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-10 अप्रैल 2024 वर्ष-19

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
रमेश छापरवाल, मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

हनुमानजी का उपदेश

महाभारत कथा में हनुमानजी ने पाण्डुपुत्र भीमसेन पर पाँच कृपाएँ की। वनवास के अवसर पर भीम को दर्शन दिए, उसका गर्वभंग किया, मात्र 30 श्लोक में सम्पूर्ण रामकथा सुनाई, अपने विराट रूप का दर्शन कराया और कौरवों के साथ भावी महायुद्ध में विजय का आशीर्वाद दिया।

महाकाव्य के वनपर्व के तीर्थयात्रा पर्व में यह कथा कुल 6 अध्यायों में प्राप्त है। इसमें भीम के प्रति इस अनुग्रह के अतिरिक्त सबसे बड़ी विशेषता है हनुमानजी द्वारा दिया गया उपदेश। रामकथा में हनुमानजी उपदेशक के रूप में दृष्टिगोचर नहीं होते। अधिक से अधिक रावण को सन्मार्ग की सलाह या सीता को सांत्वना के अवसरों पर उनके मुख से सर्वकालोपयोगी सूक्तियाँ प्रकट होती हैं किंतु महाभारत के इस प्रसङ्ग में उनका यह अद्भुत उपदेशक रूप प्रकट हुआ है।

भीम की प्रार्थना पर हनुमानजी ने भीम के बहाने प्राणीमात्र को युगधर्म, राजधर्म और चारों वर्णों के लिए धर्म का जो उपदेश दिया है, वह कालजयी है। हनुमानजी के श्रीमुख से अभिव्यक्त ये जीवनसूत्र सिखाते हैं कि यदि व्यक्ति जीवन में सत्य, शील, धर्म, प्रेम, अहिंसा व सद्भाव का पालन करे तो कलयुग में भी सतयुग अवतरित हो सकता है। अन्यथा इसके उलट रहने पर सतयुग भी कलयुग बन जाता है।

हनुमानजी सर्वाधिक आग्रह स्वधर्म के पालन पर देते हैं। वे कहते हैं, 'मा तात साहसं कार्षीः स्वधर्मे परिपालय। स्वधर्मस्थः परं बुध्यस्व गमयस्व च।।' अर्थात् कभी दुःसाहस न करो, अपने धर्म का पालन करो और स्वधर्म में स्थित रहते हुए जो श्रेष्ठ है उस धर्म का पालन करो।

साधो! यह हनुमानजी के विस्तृत उपदेश का सार सूत्र है। आशय है युग और वर्ण के अनुरूप व्यक्ति के धर्म की परिभाषा भी परिवर्तित होती है। इसे ध्यान में रखकर सर्वप्रथम अपने स्वधर्म अर्थात् अपने हृदय की लय को पहचान कर उसके अनुरूप कार्य करना चाहिए। पारिवारिक और सामाजिक कर्तव्यों का पालन भी आवश्यक है किंतु उससे अधिक महत्वपूर्ण है अपने मूल स्वभाव की पहचान कर उसके अनुसार वेदोक्त श्रेष्ठ आचरण करना। जो ऐसा करता है वह अपने जीवन की प्रत्येक भूमिका का सार्थक निर्वहन तो करता ही है, निजी जीवन में भी सुख और शांति का अनुभव कर पाता है। वह उसी प्रकार आनन्दमग्न रहता है जैसे हनुमानजी रहते हैं।

हनुमानजी की इस शिक्षा का व्रत की भांति पालन ही हनुमान जयंती पर हनुमानजी के प्रति सच्ची भक्ति है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

फिर एक कदम गौरव की ओर....

माहेश्वरी समाज एक ऐसा समाज है जिसके योगदान देश की सामंतशाही हो या पराधीनता से मुक्ति का आंदोलन अथवा स्वतंत्र भारत हमेशा ही इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर अंकित है। सामंतशाही के दौर में कई महत्वपूर्ण मौकों पर हमारे पूर्वजों ने अपनी ऐसी भूमिका निभाई जिसे कोई भूल नहीं सकता। यदि हमने शस्त्र उठाऐं तो भी इतिहास बना और तराजू उठाए तो भी। राजस्थान के कई राज्यों में उत्तराधिकारियों के चयन तक में अपनी कर्त्तव्य परायणता का परिचय देने में समाज कभी पीछे नहीं रहा। इसी तरह व्यवसाय कौशल के सामने नत-मस्तक हो कई राजा महाराजाओं तथा नवाबों ने उनके राज्य की समृद्धि के लिये माहेश्वरियों को आमंत्रित किया।

जब देश में अंग्रेजों की दासता से मुक्ति का आंदोलन प्रारम्भ हुआ तो उसमें भी माहेश्वरी समाज तन-मन-धन से अपनी आहूति देने में पीछे नहीं रहा। माहेश्वरी समाज छोटा सा समाज है, लेकिन स्वाधीनता आंदोलन में योगदान देने वालों की लंबी फहरिश्त हमें गौरवान्वित कर देती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात न सिर्फ देश के आर्थिक विकास में ही माहेश्वरी समाज ने अपनी अहम भूमिका निभाई अपितु नीति-निर्धारण सहित समस्त क्षेत्रों में हमेशा ही अहम योगदान दिया।

एक ऐसा ही अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर आया रामजन्मभूमि की मुक्ति का। देश की स्वतंत्रता के बाद भी यह मुक्त नहीं हो पाया। रामलला पूजा तक से वंचित थे। ऐसे में इसकी मुक्ति का आंदोलन प्रारम्भ हुआ तो इसमें भी माहेश्वरी समाज ने अहम भूमिका निभाई। इतना ही नहीं इसकी मुक्ति के लिये चले भीषण आंदोलन में अमर शहीद कोठारी बंधुओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर फिर माहेश्वरी समाज का नाम रामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के इतिहास में भी स्वर्णाक्षरों में अंकित कर दिया। आज यदि रामलला अपने जन्म स्थल पर विराजित हो चुके हैं और अयोध्या अपने प्राचीन वैभव की ओर लौट रही है, तो इसमें माहेश्वरी समाज का योगदान भी नींव के पत्थर की तरह मौजूद है।

अब जब अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर निर्मित हो गया और यहाँ तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ने लगी, तो समाज में अयोध्या में भी ऐसे माहेश्वरी भवन की आवश्यकता महसूस होने लगी, जहाँ तीर्थ यात्री सम्मानजनक रूप से ठहर सकें। इसी कल्पना को साकार करने का बीड़ा अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन ने अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा के नेतृत्व में उठाया और इसकी परिणति गत 11 मार्च को भव्य भवन निर्माण के शिलान्यास के रूप में हुई। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री सहित वहाँ की पूरी केबिनेट, लोकसभा अध्यक्ष तथा उ.प्र. के कई मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने न सिर्फ इस आयोजन अपितु समाज को भी गौरवान्वित किया है। अब अप्रेक्षा है इस भवन के लिये समाजजन भी अपना योगदान देने में पीछे नहीं रहे। निश्चय ही यह भवन निर्मित होने के पश्चात अयोध्या में भी माहेश्वरी गौरव पताका फहराऐगा।

यह अंक अन्य समस्त स्तंभों के साथ विशेष रूप से अयोध्या में निर्मित हो रहे इस गौरवशाली भवन पर भी केंद्रीत है। इसे जान कर निश्चय ही आप भी गौरवान्वित महसूस करेंगे। श्री माहेश्वरी टाईम्स ने एक अनूठी पहल करते हुए अपने प्रकाशन समूह ऋषिमुनि द्वारा प्रकाशित पंचांग ''श्री वैद्यकीय पंचांग'' में इसी पावन अवसर को स्मृति में रखने के लिए रामलला की स्थापना से एक नवीन संवत प्रारम्भ किया है। निश्चय ही इस प्रयास को आप सराहेंगे। यह अंक कैसा लगा यह बताना भी न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

एक समर्पित समाजसेवी एवं सामाजिक विचारक के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले मकराना एवं मदनगंज-किशनगढ़ (राज.) निवासी श्री रमेश छापरवाल का जन्म 5 दिसम्बर 1952 को भदूण जिला - अजमेर (राज.) में श्री गोपी किशन छापरवाल के यहां हुआ था। बचपन से प्रतिभावान छात्र के रूप में शिक्षा ग्रहण करते हुए श्री छापरवाल ने कक्षा 10वीं राज्य बोर्ड परीक्षा राज्य में 4थी मेरिट, पी.यू.सी. 6टी मैरिट तथा स्नातक की परीक्षा राजस्थान वि.वि. में 4थी मैरिट के साथ उत्तीर्ण की। इन सबके बावजूद श्री छापरवाल ने स्व-व्यवसाय को ही माहेश्वरी संस्कारों के अनुरूप आजीविका का आधार बनाया। वर्तमान में आप सप्तगिरी मार्बल्स प्रा.लि. तथा रमेश छापरवाल एण्ड संस नाम से किशनगढ़ में प्रतिष्ठापूर्ण ढंग से अपना व्यवसाय कर रहे हैं। समाज संगठनों के अंतर्गत मकराना में माहेश्वरी नवयुवक मंडल अध्यक्ष तथा माहेश्वरी पंचायत बोर्ड सह सचिव, नागौर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य तथा संयुक्त मंत्री रहे हैं। श्री आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र एवं सदस्य फंड राईजिंग कमेटी तथा बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी को सदस्य तथा लोहार्गलधाम व श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट को ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। वर्तमान में श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को वर्ष 2016 से सतत रूप से महामंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं। लायंस क्लब तथा भारत विकास परिषद आदि कई सेवा संस्थाओं से सम्बद्ध होकर भी अपनी सेवा दे रहे हैं। धर्मपत्नी पुष्पलता छापरवाल सहित उनका सम्पूर्ण परिवार समाजसेवा में भी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देने में पीछे नहीं है।

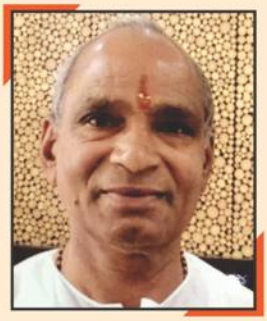

बदलाव बनाम संस्कारों को तिलांजलि

कहाँ से बात प्रारम्भ करें। प्रातः उठते ही दादी का दही घमोड़ने का कार्य - उसी से प्रारम्भ होती दिनचर्या - मक्खन मिश्रित मठा पीने से आत्मा तक तृप्त हो जाती। माँ द्वारा घर की घट्टी (चक्की) पर अनाज पीसते वक्त गाई गई स्तुति (भजन) आज भी जेहन में है। छाछ लेने के लिये आने वालो का क्रम दो घण्टे तक चलता। गर्मी की छुट्टियों में खाने के मजे ही और थे। प्याज का चम्मच बनाकर उसमें छाछ भर पीना व साथ में खाना आज के पकवानों से कहीं ज्यादा स्वादिष्ट था। दोपहर में गाँव से बाहर बने गट्टे (पीपल या वटवृक्ष के पेड़ के चारो ओर गोलाकार चबूतरा) पर जाकर खेलना तथा साथ ही नीम की पकी हुई निमोली व पीपल की पकी के फास्टफूड हुई डोडी (एल) खाना लू के थपेड़े तथा तेज हवायें भी उस गट्टे पर शकून ला देती थी। दोपहर में घाणी (जौ का सीका हुआ) तथा मूंगडा (सिका हुआ चना) साथ में गुड बहुत ही स्वादिष्ट लगता था। रात्रि में खाने के बाद नमक के पानी में गले हुये केर खाना तथा तथा सुपारी की जगह आम की गुठली को अधजली राख में सेककर उसका अंदर का फल खाना बहुत ही स्वादिष्ट था। सिकी हुई गुठली खाने के बाद उस पर पानी पीना बहुत ही मीठा लगता था। रात्रि में सोने से पूर्व मकान की छत पर अपने-अपने बिस्तर पहले से ही डाल देते थे यानि जगह का रिजर्वेशन कर देते थे। एक माँ के 5 से 10 तक बच्चे संयुक्त परिवार में पारम्परिक व्यवस्था में पल जाते थे।

समय बदला - खान पान बदला, पहनावा बदला, रहने का ढंग बदला, उठने सोने का समय बदला। पहले टी.वी. तथा अब मोबाईल फोन ने सबको एकाकी कर दिया। परिवार सिमट कर 1 या दो बच्चो तक हो गया। पुरातन संस्कृति, वार-त्यौहार बहुत पीछे छूट गये। संस्कारो का अभाव हर कहीं देखने को मिलता है। गाँवो से आधुनिक शिक्षा तथा वर्तमान की सुविधाओं के अभाव के चलते शहरों की तरफ पलायन होने लगा। शहरों के खान पान में आमूलचूल परिवर्तन आया। हफ्ते में कम से कम दो शाम को खाना खाने के लिये बाहर जाना आवश्यक हो गया। वैसे भी जन्मदिन, विवाह की वर्षगाँठ (नया ट्रेंड) पर बाहर खाना रिवाज बन गया। आइये इसमें सामंजस्य का प्रयास करें। चिर पुरातन-नव नूतन को समाहित करके हमारी संस्कृति तथा संस्कारों को बचाये। अविलम्ब गहन चिंतन करके आगे बढ़े।

अब बात करते हैं, अपनी सेवाओं से विशिष्ट कीर्तिमान स्थापित कर रही संस्था अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की, क्योंकि इसका उल्लेख करना समसामयिक है। वर्तमान में यह संस्था तीर्थ स्थलों पर उत्कृष्ट व अपनी संस्कृति के अनुरूप आवास व भोजन व्यवस्था उपलब्ध करवाने के साथ सम्पूर्ण समाज के लिये गर्व का विषय है। एक समय था जब पुष्कर आने वाले तीर्थयात्रियों को पहले आवास की परेशानी से जूझना पड़ता था। इसी पर चिंतन के पश्चात् वर्ष 1969 में अत्यंत लघु स्तर पर माहेश्वरी सेवा सदन भवन की शुरुआत की गई। इसे समाज का अच्छा प्रतिसाद मिला जिसे देखते हुए सेवा सदन समाज के सहयोग से अन्य तीर्थ स्थलों पर भी भवन निर्मित करता ही चला गया। वर्तमान में देश भर में सेवा सदन के विभिन्न स्थानों पर 9 भवन सेवारत हैं तथा अयोध्या सहित 3 भवन निर्माणाधीन हैं। अयोध्या में भवन निर्माण हेतु 80 हजार वर्गफीट भूमि क्रय की जा चुकी है और इस पर भवन निर्माण हेतु शासकीय अनुमति की कार्यवाही भी प्रारम्भ कर दी गई है। जैसे ही इसकी अनुमति मिलेगी, इसके पश्चात् मात्र 1 वर्ष की अवधि में यह भवन निर्मित कर समाज को समर्पित कर दिया जाऐगा, ऐसा हमारा प्रयास है। आशा ही नहीं विश्वास है कि रामलला की जन्मभूमि में निर्मित हो रहा यह भवन श्रद्धालुओं के लिये सेवा का श्रेष्ठ माध्यम बनेगा।

रमेश छापरवाल, मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
अतिथि सम्पादक

टीम SMT

श्री खाण्डल माताजी

श्री खांडल माता माहेश्वरी समाज की बंग खाँप की कुलदेवी हैं। क्षेत्रीय लोगों की भी माताजी में अपार श्रद्धा है।

राजस्थान के नागौर जिले में मारवाड़ मूण्डवा ग्राम में श्री खाण्डल माता का मंदिर है। आमजन की मान्यताओं के अनुसार माताजी की प्रतिमा 500 वर्ष प्राचीन है। विगत 13 अप्रैल 2002 को जन तालाब के प्रांगण में माताजी का प्राकट्य हुआ। प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा 11 अप्रैल 2003 को श्री नृसिंह मंदिर में की गई। माताजी की आरती प्रतिदिन होती है। नवरात्रि के दौरान यहाँ विशिष्ट आयोजन होते हैं।

कहाँ ठहरें- मूण्डवा में तो ठहरने के लिये धर्मशाला आदि की व्यवस्थित व्यवस्था नहीं है। यहां एक मकान है जहाँ ठहरने के लिए पूर्व सूचना पर व्यवस्था हो जाती है। ट्रस्ट पदाधिकारियों से सम्पर्क किया जा सकता है। समीपस्थ नगर नागौर में धर्मशाला तथा होटल आदि की व्यवस्था है। धार्मिक आयोजन के लिए नृसिंह मंदिर पुजारी से परिसर के उपयोग हेतु सम्पर्क किया जा सकता है।

कैसे पहुँचें- मुम्बई से बीकाने रेल मार्ग पर मूण्डवा रेल्वे स्टेशन है अतः यह रेलमार्ग से भी जुड़ा है। सड़क मार्ग से मूण्डवा नागौर से 20 कि.मी. दूर अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। नागौर से बस अथवा टेक्सी द्वारा मूण्डला पहुंचा जा सकता है।

अयोध्या में सेवा सदन ने किया 'भव्य भवन' का 'भव्य भूमि पूजन'

रामलला की जन्मभूमि श्री अयोध्याधाम में श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन 80 हजार वर्गफीट में 100 करोड़ की लागत से अत्यंत भव्य भवन का निर्माण करने जा रहा है। इस भव्य भवन के निर्माण के लिये सेवा सदन ने गत 11 मार्च को अत्यंत गरिमामयी भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अपने आप में ऐतिहासिक इसलिये कहा जा सकता है कि यह समाज का शायद प्रथम ऐसा आयोजन था जिसमें न सिर्फ राजस्थान के मुख्यमंत्री अपनी पूरी केबिनेट से साथ उपस्थित हुए अपितु लोकसभा अध्यक्ष एवं उ.प्र. के कई मंत्री आदि कई जनप्रतिनिधियों ने भी उपस्थित होकर इसकी गरिमा बढ़ाई।

श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन माहेश्वरी समाज की ऐसी गरिमामय संस्था है, जो देश के लगभग अधिकांश तीर्थस्थलों पर अपने भव्य भवनों के माध्यम से यहाँ आने वाले तीर्थ यात्रियों को उत्कृष्ट आवास की सुविधा उपलब्ध करवाती है। सेवा सदन की इसी सेवा श्रृंखला में अब श्री अयोध्याधाम का नाम भी जुड़ने जा रहा है। सेवा सदन यहाँ पर भी भव्य सेवा भवन का निर्माण करने जा रहा है। इसके अंतर्गत अयोध्याधाम में दशरथकुण्ड के निकट 80 हजार वर्गफीट में सौ करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाले 300 कमरों एवं विशाल सभागारोंयुक्त सेवा सदन के निर्माण हेतु भूमि-पूजन एवं शिलान्यास समारोह ऐतिहासिक रूप से गत 11 मार्च को सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र की कई हस्तियों ने उपस्थित रहकर इसकी गरिमा बढ़ाई।

कई हस्तियाँ रहीं मौजूद

सेवा-सदन के इतिहास में ऐसा प्रथम अवसर था जब किसी आयोजन में पूरी सरकार समाज के मंच पर उपस्थित रही। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्यरूप से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय संत स्वामी श्री गोविन्ददेवगिरीजी महाराज, जगद्गुरु रामानुज सम्प्रदाय अयोध्या के श्री श्रीधराचार्यजी महाराज, वेदांती आश्रम अयोध्या के अधिकारी श्री राजकुमारदासजी महाराज, तखतगढ़ मठ (राजस्थान) के युवाचार्य श्री अभयदासजी महाराज, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उत्तरप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, उत्तरप्रदेश के कृषिमंत्री सूर्यप्रताप शाही, भूमि दानदाता डी-मार्ट के संस्थापक राधाकिशन दम्मानी,

कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष आनन्द राठी, राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री एवं राज्य मंत्रीगण, बड़ी संख्या में विधायकगण, भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारीगण, मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण, पूज्य संतगण एवं देशभर के कौने-कौने से पधारे भामाशाहों की प्रमुख उपस्थिति रही। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, राष्ट्रीय सचिव विजया राहटकर, उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा, केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू सहित सेवा सदन के अध्यक्ष- रामकुमार भूतड़ा, महामंत्री- रमेशचन्द्र छापरवाल, पदाधिकारीगण-मनोहरलाल पुंगलिया, कैलाश सोनी, प्रहलाद राठी, अनिल कुमार बांगड़, विजयशंकर मून्दड़ा, सोहनलाल मून्दड़ा, मुरलीधर झंवर, भगवान बंग, किशनगोपाल बंग, संजयकुमार जैथलिया, भागीरथ भूतड़ा, मधुसुदन मालू एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित देशभर से आये सैकड़ों समाजबन्धु उपस्थित रहे।

पूरे विधि विधान से हुआ भूमि पूजन

कार्यक्रम के आरम्भ में आचार्य श्री महेशगुरुजी नन्दे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ देवी-देवताओं का मंडल बनाकर आह्वान किया। प्रकाण्ड पण्डितों द्वारा भूमि पूजन करवाया गया तथा स्वामी श्री गोविन्ददेवगिरीजी महाराज, ओम बिरला, मुख्यमंत्री राजस्थान शासन भजनलाल शर्मा, राधाकिशन दम्मानी, आनन्द राठी, संस्था के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा शिलान्यास किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम के यजमान रामरतन भूतड़ा (सूरत) थे। कार्यक्रम का संचालन विजय शंकर मूंदड़ा ने किया। अशोक सोमानी, डॉ.एस.एन. चांडक, सुनील मूंदड़ा, कमलकिशोर चांडक, रामावतार जाजू, राजकुमार काल्या, शरद मूंदड़ा, नेमिचंद्र सोनी, कमल भूतड़ा, डॉ. रविन्द्र राठी (इंदौर) आदि गणमान्यजनों ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सक्रिय सहयोग दिया। तत्पश्चात् शिलालेख के अनावरण के बाद मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ। सभी उपस्थित अतिथियों का शॉल-साफा-माला-उपरणा से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष बोम्बे स्टॉक एक्सचेंज के पूर्व अध्यक्ष आनन्द राठी ने सभी पधारे हुए मेहमानों का शब्दों की माला से स्वागत करते हुए उद्बोधन दिया। उन्होंने अयोध्याधाम में सेवा सदन के शीघ्र निर्माण का विश्वास प्रकट किया। सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने सभी अतिथियों की उपस्थिति से भाव विभोर होते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। सेवा सदन के पूर्व महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने अतिथियों व दानदाताओं का औपचारिक आभार व्यक्त किया। समारोह के समापन से पूर्व सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया गया।

किन्होंने क्या कहा

इस शुभ अवसर पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला है। अयोध्या ऊर्जा देने वाली, प्रेरणा देने वाली नगरी है। आज पूरे विश्व में भारत की सांस्कृतिक चेतना का जागरण हुआ है। यह कालखंड हमारे लिये सौभाग्यशाली है। सदियों तक जिसका इंतजार करते रहे वह मंदिर आज बनकर तैयार है एवं आमजन की सेवाओं के मूल उद्देश्य से कार्यशील श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा अयोध्याधाम में भवन जिसकी आज आधारशिला रखी जा रही है, शीघ्र ही यह भव्य भवन यात्रियों की सुविधार्थ तैयार होगा, ऐसा पूर्ण विश्वास है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केन्द्र बनने जा रही है। 500 वर्षों तक रामलला टेंट में विराजमान रहे। 22 जनवरी को भव्य मंदिर में उनकी प्राण प्रतिष्ठा हुई। आने वाले समय में यहाँ देश-दुनिया के श्रद्धालुओं की कतार लगेगी। उन्होंने यह भी कहा कि माहेश्वरी समाज लोगों के उत्थान का कार्य करता है। अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा के साथ टीम में हमने कार्य किया है, उनका कार्य हमने देखा है, उनके विशेष आग्रह पर हम उपस्थित हुए हैं, ऐसे अध्यक्ष के नेतृत्व में अयोध्याधाम जैसी पावन भूमि पर सेवा सदन द्वारा जन भावना के अनुकूल विशाल भवन का निर्माण होगा जो श्रद्धालुओं के लिये बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय संत गोविन्ददेवगिरी जी महाराज ने कहा कि भारत केवल आध्यात्मिक देश नहीं है, इस भूमि के कण-कण में दिव्य तत्व भरा है। शताब्दियों तक भारत ने आक्रमण झेला लेकिन पुनः उठ खड़ा हुआ। राममंदिर बना पाए हैं तो इसके पीछे संतों की तपस्या है, रामभक्तों का बलिदान है। आज पूरा राजस्थान श्रीराम की पूजा करने आया है। अयोध्या जल्द ही संपूर्ण देश की सांस्कृतिक राजधानी बनने जा रही है। माहेश्वरी समाज सदैव मानव-सेवार्थ कार्य करता आया है एवं इसी समाज की संस्था माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर द्वारा वर्षों से मानव सेवार्थ तीर्थ स्थलों पर भवन बनवाकर सेवाएं प्रदान की जा रही है। यह संस्था निरन्तर प्रगति-पथ पर अग्रसर हो, ऐसी मंगलकामनाएं प्रेषित करता हूँ। सेवा-सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने कहा कि शीघ्र ही अयोध्या में सेवा सदन के निर्माण हेतु कार्य प्रारम्भ किया

जाना है। इस हेतु समाज के सहयोगदाताओं द्वारा भरपूर सहयोग-आश्वासन प्राप्त हो चुके हैं एवं निर्माण हेतु अर्थ-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने वाली। श्रीरामलला की जन्मस्थली में बनने वाले सेवा सदन के निर्माण हेतु समाज के भामाशाहों द्वारा बढ़-चढ़कर सहयोग लिखवाया जा रहा है एवं शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करवाकर भवन समाज को समर्पित किये जाने की भावनाएं प्रकट की जा रही है ताकि अयोध्याधाम में पधारने वाले श्रद्धालुगण लाभान्वित हो सकें।

सभी ने की प्रशंसा .....

अद्भूत एवं गरिमामय था कार्यक्रम

अयोध्या में सेवा सदन के भवन का भूमिपूजन कार्यक्रम एतिहासिक था। इतना भव्य कार्यक्रम अध्यक्ष रामकुमार जी भूतड़ा के नेतृत्व में ही संभव था उनके प्रभाव से ही देश की हस्तियां उपस्थित थीं। विगत 2 सत्रों से रूके हुए कार्यों को श्री भूतड़ा के नेतृत्व में गति मिली है।

नेमीचंद सोनी (नासिक)

राजस्थान की पूरी केबिनेट आ गई

कार्यक्रम अत्यंत भव्य रहा। राजस्थान के मुख्यमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष तथा डी-मार्ट के प्रमुख श्री दम्मानी आदि जैसी हस्तियों ने उपस्थित होकर गरिमा बढ़ाई। माहेश्वरी समाज में यह सर्वप्रथम ऐसा भव्य आयोजन है, जिसमें राजस्थान सरकार की पूरी केबिनेट आ गई। वास्तव में यह सेवा सदन अध्यक्ष श्री रामकुमार भूतड़ा के प्रयासों का ही नतीजा है।

रामरतन भूतड़ा, सूरत

अविस्मरणीय है यह आयोजन

बहुत ही अविस्मरणीय कार्यक्रम रहा। माहेश्वरी समाज मानव समाज के लिये कार्य करता है, यह इसी का प्रमाण है। यह समाज ही नहीं सभी के लिये उपयोगी सिद्ध होगा। सभी समाजजनों से मैं यही विनती करूँगा कि इस पावन कार्य में अपनी आहूति देने में पीछे न रहें।

सुनील मूंदड़ा, अजमेर

अत्यंत उच्च कोटी का था कार्यक्रम

कार्यक्रम अत्यंत उत्कृष्ट व अत्यंत उच्च कोटि का था। यह श्री रामकुमार भूतड़ा जैसी शख्सियत के बस की बात ही थी, जिन्होंने इस कार्यक्रम में पूरी राजस्थान सरकार की केबिनेट को ही आमंत्रित कर लिया। उत्तरप्रदेश के भी कई मंत्री थे। हमारे छोटे से समाज द्वारा अपना बहुत बड़ा योगदान दान के रूप में किस तरह मानवता की सेवा में दिया जाता है, यह इस भवन के निर्माण में नजर आ रहा है।

डॉ. रविन्द्र राठी, इंदौर

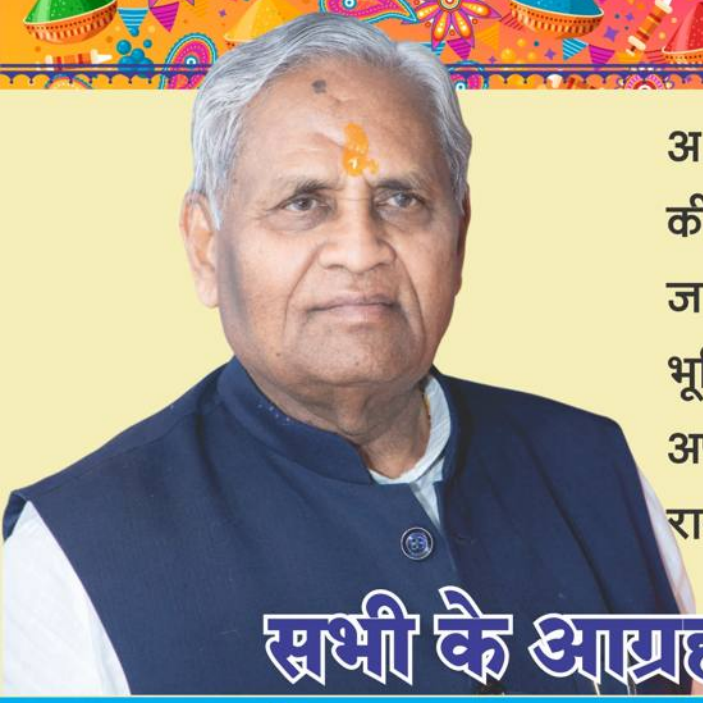

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन भगवान श्री रामलला की जन्मभूमि अयोध्या धाम में भव्य निर्माण करने जा रहा है। इसके लिये गत 11 मार्च को भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम भी सम्पन्न हो चुका है। आईये अपनी जिज्ञासाओं के उत्तर सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा से जानें उनकी जुबानी।

सभी के आग्रह का प्रतिफल रहेगा

अयोध्या का भवन-श्री भूतड़ा

आपका सेवा सदन से जुड़ाव कब से है?

अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन माहेश्वरी समाज में ऐसी संस्था है जिसका कोई पर्याय नहीं है और मैं 1977 से इस संस्था में जुड़ा हुआ हूँ। वर्ष 1977 में इसके संस्थापक अध्यक्ष गोवर्धनदास सोनी थे। वे मुझे स्वयं बुलाते थे, लेकर जाते थे और साथ बैठाते थे। जब मेरी उम्र भी बहुत कम थी तभी से मेरा लगाव रहा है, इस संस्था से। तभी से कार्यकारिणी में आकर विभिन्न पदों पर रहकर लगातार मैं निरंतर काम करता रहा हूँ। हमने अच्छे-अच्छे परिणाम भी अर्जित किए हैं। मैं पहले दो सत्र में 2003 से 2012 तक अध्यक्ष रहा। उसमें संस्था ने काफी प्रोग्रेस की, दो सत्र में 9 भवन खड़े कर दिए, तीन बन चुके थे। उसके बाद में उस कार्यकाल में पाँच भवन हमने खड़े कर दिए।

क्या भवन निर्माण में कभी कोई चुनौती भी आईं?

चारभुजा-नाथद्वारा में तो मुश्किल स्थिति थी। नाथद्वारा में तो एक भवन को खड़ा करने के लिए अनेक विपदाओं को झेलना पड़ा, अनेक मुकदमे झेलना पड़े, बहुत विरोध झेलना पड़ा, उसके बाद इतनी बड़ी जमीन मिली कि इतना बड़ा भवन खड़ा हो गया और उसके बाद भी दूसरा भवन इसी जमीन पर खड़ा हो गया। यह हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रही। चारभुजा में तो 40 साल से लोग प्रयास कर रहे थे और भवन नहीं बना पाए थे, हमारे पिछले कार्यकाल में हमारे प्रयासों से हमने वहाँ जमीन लेकर भवन खड़ा कर दिया। कहने का मतलब यह है कि हमने पिछले सत्रों में भी बहुत काम किया।

फिर आप बीच में लगातार इस संस्था से दूर कैसे रहें?

उसके बाद में जब समाज ने अन्य हमारे बंधू को अवसर दिया तो मैं आराम से उससे मुक्त हो गया। मैंने कहा ठीक है, 9 साल सेवा कर ली, जरूरी नहीं कि मैं ही करूं सबको अवसर देना चाहिए। मैं राजनीतिक क्षेत्र का व्यक्ति हूं, राजनीति क्षेत्र में काम करने लगा। भारतीय जनता पार्टी में राजस्थान प्रदेश का कोषाध्यक्ष बन गया और 6 साल तक प्रदेश का कोषाध्यक्ष रहते हुए मैंने जो काम किया उसकी साख राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी में है। उसी साख की बदौलत भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की पूरी सरकार अयोध्या के भूमि पूजन कार्यक्रम में देखी गई, इसका कारण रहा कि मेरा 6 साल का कार्यकाल का संपर्क। इस कार्यक्रम में सभी विधायक, सभी मंत्री आएं, सब मेरे मित्र हैं। स्वयं मुख्यमंत्री जी भी मेरे परम मित्र हैं। उनको मालूम था कि रामकुमार भूतड़ा कोई काम ले रहे हैं, सही काम होगा इसलिए सारे के सारे लोग मेरे मन एवं इच्छा को रखने के लिए वहां आए। मेरी पहचान सामाजिक एवं राजनीतिक दोनों क्षेत्र में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम किया करने वाले की है।

सेवा सदन में आपकी वापसी क्यों और कैसे हुई?

मैं दो सत्र में सेवा सदन में नहीं रहा, जो रहे उन्होंने सदन का काम किया, काम भी हुआ, सभी लोग अपने-अपने तरीके से काम करते हैं, उन्होंने भी किया। नाथद्वारा का भवन खड़ा हुआ, इसके बावजूद भी अधिकांश लोगों ने मुझे आग्रह कर परेशान कर दिया कि आपको तो वापस संभालना चाहिए, सेवा सदन में बहुत गुंजाइश है बहुत कार्य बाकी है और जिस गति से काम हो रहा है, उस गति को बढ़ाने के लिए आपको स्वयं को आना चाहिए। मेरी बिल्कुल भी इच्छा नहीं थी। मेरे अनेक बार मना करने के बावजूद भी मुझे लोगों ने बहुत ज्यादा प्रेशर किया तो मैंने जाकर सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार किया। संभालने के बाद स्थिति यह हो गई कि अभी जगन्नाथपुरी का काम पेंडिंग पड़ा है, नासिक का कार्य पेंडिंग पड़ा है। इस बीच में अयोध्या भवन का काम आ गया, अयोध्या में भवन बनाने का हमारी पूर्व कार्यकारिणी एवं पूर्व अध्यक्ष द्वारा अयोध्या का पहले प्रस्ताव लिया हुआ था। जिसमें माननीय पूर्व सभापति, वर्तमान सभापति आदि सभी मौजूद थे। सब लोगों ने उस समय सेवा सदन को अयोध्या में भवन बनाने के लिए प्रस्ताव रखे थे और उस प्रस्ताव को स्वीकृत किया था।

वर्तमान कार्यकाल में क्या चुनौतियाँ थीं और आप इस सत्र में क्या कर रहे हैं?

मैं आया तो मैंने पुरानी कार्रवाई को भी देखा। मैंने सेवा सदन में सुधार के काम को शुरू किया। मेरी सबसे प्राथमिकता यह रही कि सेवा

सदन के भवन जो पुराने हो गए हैं और अब वहाँ लोग आ नहीं रहे हैं, ठहर नहीं रहे हैं, हमें उनको रिपेयरिंग करके मेंटेनेंस करना चाहिए। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो भवन काम में नहीं आएंगे और जर्जर हो जाएंगे। मैंने सबसे पहले प्राथमिकता से सेवा सदन को नियंत्रित करके उसी की आय से भवनों में सुधार शुरू किया। पुष्कर का भवन एक उदाहरण है कोई देखेगा तो कहेगा कि क्या परिवर्तन हमने किया है। सारे भवनों में परिवर्तन का कार्य चल रहा है। बहुत बड़ी राशि हम भवनों के सुधार में लगा रहे हैं। मेरा विचार यह है कि यह जो सत्र हमारा 2 साल का और रहा है इन 2 सालों में नवीनीकरण भी हम पूर्ण कर दें, ताकि आने वाला व्यक्ति यह नहीं सोचे यह तो धर्मशाला है, मैं कैसे ठहरूंगा? इस स्थिति को परिवर्तित करने के लिए मैं पूरी ताकत से लगा हूं। मेरी पूरी टीम मुझे साथ दे रही है, पूरी टीम एवं प्रभारी अपना-अपना काम कर रहे हैं।

सेवा सदन अयोध्या में भवन निर्माण कर रहा है। इसके बारे में क्या कहेंगे?

अब जब अयोध्या का विषय आया तो इसके लिए सभी जिज्ञासा रखते हैं। सेवा सदन सेवा के क्षेत्र में लगभग 2000 लोगों को भोजन और आवास की व्यवस्था लगातार दे रहा है। अन्य समाज के लोग भी माहेश्वरी सेवा सदन को बहुत अच्छी तरह से जानने लगे हैं। लोगों में एक उम्मीद भी है कि सेवा सदन यदि कोई काम लेता है, तो वह निश्चित रूप से पूर्ण होगा। सेवा के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं उनके आधार पर वो मानकर चलते हैं कि ये जो भी काम करेंगे अच्छा काम होगा क्योंकि सेवा सदन के पास बड़ा अनुभव है। 50 साल का अनुभव है हमारी टीम के पास एवं हमारे कर्मचारियों के पास। उसी के आधार पर हमने सोचा कि इस समय जब पूरा विश्व अयोध्या को देख रहा है और अयोध्या को प्रधानमंत्री जी और गृहमंत्री जी एवं योगीजी ने इतना ऊंचा लाकर खड़ा कर दिया है कि पूरे संसार की नजर अयोध्या पर है। अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ बनने जा रहा है। अयोध्या एक स्मार्ट सिटी तो बन ही रहा है लेकिन संसार की नजरों में एक बहुत बड़ी जगह अयोध्या बनने जा रहा है। तो यहाँ भी सेवा सदन का एक भवन बने।

इस भवन का प्रस्ताव आखिर आया कैसे?

सेवा सदन तो सभी जगह भवन बना रहा है। सेवा सदन के विधान में तीर्थों पर भवन बनाकर तीर्थ यात्रियों को सुविधा देना यह हमारा मुख्य उद्देश्य है। उद्देश्य में अन्य कई भी हैं, जैसे हम वृद्धाश्रम चलाते हैं, हम अन्न-क्षेत्र चलाते हैं, हम कबूतर-दाने की योजना चलाते हैं, हम अस्पताल चलाते हैं, विधवा सहायता देते हैं और 50,000 रुपये की राशि तीसरी संतान पर भी देने लगे हैं। हरिद्वार में जब कुंभ था तो एक लाख लोगों की व्यवस्था सेवा सदन ने की। सेवा सदन की टीम ने जब बद्रीनाथ एवं केदारनाथ पर संकट आया तो वहां पर भी दस हजार भोजन के पैकेट पहुँचाए। उसी के आधार पर लोगों की इच्छा रही है कि अयोध्या में भवन क्यों नहीं बना रहे है, जब प्रस्ताव पहले से लिया हुआ है? ठीक है आप रिपेयरिंग एवं मेंटेनेंस का काम करवा रहे हैं। सारे भवनों को आप नया तो करवा देंगे लेकिन क्या एक नया भवन हमारे अयोध्या में नहीं बनेगा? इस पर हमारी बहस हुई हमारी बैठक में लगातार प्रस्ताव आए, पहले के प्रस्ताव भी थे और हमने भी प्रस्ताव दिये। अंत में सारे पदाधिकारियों ने मिलकर यह निर्णय लिया कि हमें हर हालत में अयोध्या में भवन बनाना चाहिए और उसके लिए व्यवस्था करनी चाहिए।

अयोध्या में समाज की एक संस्था भवन बना रही है, फिर इस भवन की आवश्यकता क्या थी?

अयोध्या में भवन बनाने का पहले से प्रस्ताव था। मेरा भी विचार था और हमारी टीम भी चाहती थी, हमारे पदाधिकारी भी चाहते थे और सबने बैठक करके तय किया। सभी का कहना था हम भी दो बैठकों में इस प्रस्ताव को ले चुके हैं, तो आपको दिक्कत क्या है? अयोध्या में भवन बनाने में मैंने उनको बताया था कि हमारे समाज की महासभा के प्रमुख लोगों ने भवन बनाने की योजना बना ली है और वो हमसे दो

कदम आगे निकल गए हैं। ऐसी स्थिति में हमें क्या यह काम करना चाहिए, तो सभी का कहना था कि बिल्कुल करना चाहिये। वह लोग शौर्य भवन के नाम से कोठारी बंधुओं की स्मृति के लिए कुछ भी करें, उनका यह विषय अलग है वो हमारे बड़े भाई हैं। हमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन सेवा सदन को तो भवन बनाना ही चाहिए। आम यात्री, अकेली महिला जाकर बच्चों के साथ रुक जाए ऐसी स्थिति हम बना सकते हैं और हमको बनानी चाहिए। जब सब तीर्थों में हमारे भवन होंगे और अयोध्या में नहीं होगा तो क्या हम ठगे हुए महसूस नहीं होंगे? लोगों ने कहा कि आप जैसे साहसी अध्यक्ष जो विशेष परिस्थिति में नाथद्वारा एवं चारभुजा में भवन खड़ा करने वाले तथा 500 लोगों को ले जाकर बद्रीनाथ में मुहूर्त कर देने का अनुभव रखते हैं। राजनीतिक क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले और सभी क्षेत्रों में सम्मान और निष्ठा रखने वाले ऐसे व्यक्ति के कार्यकाल में भी यह भवन नहीं बनेगा तो यह कब बनेगा और बाद में अयोध्या में किसी भी हाल में जमीन नहीं मिल सकती।

अयोध्या में भवन हेतु भूमि की व्यवस्था आखिर कैसे हुई?

जमीन लेने में अयोध्या में बहुत ज्यादा परेशानियां महसूस हुई। 12 महीने हमने लगा दिए जमीन लेने में। जमीन वहां पर दोबारा बिक जाती है, तीसरी बार भी बिक जाती है। वहां जमीन लेकर और बाउंड्रीवाल बनवाकर कर अपने नाम से पंजीयन करवा कर और उसके बाद इतना विशाल भूमि पूजन करके नक्शा हमने प्रस्तुत कर दिया है। आशा है कि कुछ ही दिन बाद हमको निर्माण की स्वीकृति मिल जाएगी और जल्दी से जल्दी हम एक ऐसा भवन खड़ा करेंगे जो पूरे देश और समाज के लिए काम आएगा। भूमि की व्यवस्था में दम्मानी परिवार का पूरा सहयोग मिला। आप आश्चर्य करेंगे कि श्री राधाकृष्ण दम्मानी ने हमें इस चुनौती से उबार दिया। हमें लगा हमारे पास जमीन नहीं होगी तो भवन कहां खड़ा करेंगे। हमारे पास जमीन के लिए फंड नहीं था तो हमने दम्मानी साहब से निवेदन किया कि जमीन का रुपया दे दीजिए तो हम भवन खड़ा कर सकते हैं। तो उन्होंने हमने जो मांगा वह पूरी राशि जमीन के लिए दे दी और अब उसी तरह हम भवन खड़ा करना चाह रहे हैं।

अयोध्या में भूमिपूजन कार्य की हर कोई प्रशंसा कर रहा है, आखिर यह सब कैसे हुआ?

धार्मिक नगरी अयोध्या में भूमि पूजन मुहूर्त के समय माहेश्वरी समाज का बहुत बड़ा प्रभाव दिखाई दे रहा था। अयोध्या के लोगों को ''माहेश्वरी'' बहुत बड़ा नाम दिखाई दे रहा था। जहां पर लोकसभा के अध्यक्ष व राजस्थान के मुख्यमंत्री पूरी टीम के साथ विराजमान हों, जहां पर गोविंददेव गिरि जैसे संत विराजमान हों और भी बड़े-बड़े सभी नेता विराजमान हो, वह कार्यक्रम तो सभी के आकर्षण का केन्द्र रहना ही था। लगभग 700 लोग बाहर से आए थे, एक हजार लोगों की उपस्थिति थी। ऐसी स्थिति में जैसा भवन का भूमि पूजन हुआ मुझे नहीं लगता इसके पहले ऐसा भव्य कार्यक्रम कभी हुआ होगा और आगे भी कभी ऐसा होगा, क्योंकि इतनी बड़ी उपस्थिति संभव नहीं है। यह तो भगवान श्रीराम की मेरे ऊपर बड़ी कृपा है, भाव अच्छे थे मेरे मन में, बढ़िया से बढ़िया करने की इच्छा थी इसलिए इतना बड़ा कार्यक्रम हो गया और मैं आशा करता हूं इसी कार्यक्रम के प्रभाव से हमारा भवन भी जल्दी से जल्दी खड़ा होगा। दानदाताओं की कोई कमी नहीं है, 300 से ज्यादा कमरे हमारे पास लिखे हुए हैं और भी लोगों के रोज सुबह फोन आते हैं कमरे लिखो। हम लिखने की स्थिति में नहीं है, इतने लोग दान देने के लिए तैयार हैं। अयोध्या के लिए हमारा पूरा बजट हमारे पास तैयार है।

इस भवन को कितने समय में निर्मित कर लोकार्पित करने की आपकी योजना है?

इच्छा तो आदमी की रहती है कि जल्दी से जल्दी काम पूरा हो। चाहता हूं कि 12 महीने में यह पूर्ण हो जाए लेकिन व्यवहारिक रूप में कई समस्या आती हैं। निर्माण में कभी-कभी कोई चीज मिली नहीं, कभी मेटल की सप्लाई बराबर नहीं मिली, कभी कोई समस्या आ गई, बारिश हो गई तो इस तरह से समय लग जाता है। मुझे लगता है कि चालू करने के बाद हम 18 महीने में इस काम को पूरा करने का प्रयास करेंगे। करीब 2 लाख स्क्वायर फीट का काम होगा। करीब 50,000 स्क्वायर फीट का बेसमेंट बना रहे हैं, पार्किंग के लिए। आशा है कि अच्छा संदेश जाएगा सेवा के क्षेत्र में, एक बहुत बड़ा इतिहास माहेश्वरी समाज कायम करेगा। सेवा सदन का नाम तो गौरवशाली है यह उसको भी आगे बढ़ाएगा इसमें कोई संदेह नहीं। परमात्मा राम एवं भगवान महेश की हम पर पूरी कृपा है और पूरा समाज पूरे मन से साथ है इसलिए हमने यह काम लिया है। जब तक समर्पित भाव से काम नहीं किया जाए और जब तक उस काम के पीछे नहीं लग जाए, हर समय उसी काम का चिंतन नहीं किया जाए तो काम नहीं हो सकता। हर समय मेरे जहन में यही रहता है कि जो काम हाथ में लिया है उसे पूरा कैसे करूँ? हर समय उसकी चिंता करता हूं, हर समय उसके लिए काम करता हूं।

अ.भा. माहेश्वरी सदन पर एक नजर...

ऐसे हुई थी लघु स्तर पर शुरूआत

माहेश्वरी समाज के कर्मठ समाजबन्धुओं द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तीर्थराज पुष्कर में कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को भरने वाले मेले, तीर्थगुरु स्थल पर वहाँ आने वाले सभी बन्धुओं द्वारा दर्शन एवं परिवार के किसी सदस्य के निधन के बाद पिण्डदान हेतु निरन्तर आने के कारण अपने भवन की आवश्यकता महसूस की गई। इसी उद्देश्य को लेकर समाज के मनीषियों द्वारा एक साथ बैठकर संवत् 2025 सन् 1969 में अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की स्थापना की गई, जिसमें प्रथम चरण में 17 कमरों का निर्माण किया गया और एक छोटी सी धर्मशाला के रूप में विधान बनाकर उसके अनुरूप कार्य करने लगे। लोगों में इतना उत्साह, आस्था एवं सम्मान रहा कि कमरा नहीं मिलने पर खुले आसमान के नीचे रात्रि विश्राम करके भी अपने आपको गौरवान्वित महसूस करने लगे। उसी का परिणाम रहा कि सेवा-भाव, त्याग, समाज के प्रति समर्पण से भामाशाहों एवं सम्पूर्ण समाज के सहयोग से दिन प्रतिदिन सेवा-सदन का विस्तार होने लगा।

वर्तमान में सेवा भवन की सबसे बड़ी संस्था

समाज के भामाशाहों के सहयोग से निर्मित सेवा सदन की आज 9 शाखाएं पुष्कर, वृन्दावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, चारभुजा, रामदेवरा, जतीपुरा, जोधपुर में है जिसमें 900 से अधिक कमरें, 26 हॉल, 13 भोजनशाला, मन्दिर, औषधालय एवं खुला क्षेत्र आदि से सेवा सदन के भवन राष्ट्रीय स्तर पर समाज को गौरवान्वित कर रहे हैं। इनके अतिरिक्त नाशिक (महाराष्ट्र) तथा जगन्नाथपुरी में भी सेवा भवन निर्माणाधीन हैं। इसी श्रृंखला में अब अयोध्या भी शामिल हो गया है। भामाशाहों के साथ-साथ लाखों समाजबन्धुओं के समर्पित सहयोग से सेवा-सदन को वटवृक्ष बनाने में अब तक के सभी मार्गदर्शक, ट्रस्टीगण, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, विशेष आमंत्रित सदस्यों एवं आजीवन सदस्यों का समय-समय पर भरपूर योगदान रहा। इसके परिणाम स्वरूप सेवा-सदन में यात्रियों के आवागमन तथा प्रतिवर्ष सैंकड़ों मांगलिक एवं धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे है।

उत्कृष्ट आवास व्यवस्था

आज सेवा-सदन की शाखाओं में प्रतिवर्ष लाखों यात्रियों का आवागमन होता है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये सेवा-सदन की सभी शाखाओं में सुपर डीलक्स, डीलक्स, ए.सी., कूलरयुक्त, साधारण कमरे, ए.सी. एवं साधारण हॉल, ए.सी. व कूलरयुक्त भोजनशालाएं उपलब्ध हैं। जरूरतमन्दों हेतु आवश्यकतानुसार न्यूनतम सहयोग में भी कमरा उपलब्ध है तथा शुद्ध सात्विक भोजन की व्यवस्था भी है। सेवा-सदन में हर वर्ग के बन्धुओं हेतु आवास एवं मांगलिक कार्यक्रमों हेतु यथोचित व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान में इन सभी भवनों में ऑनलाईन कमरों का आरक्षण भी करवाया जा सकता है।

सेवा के वृहद आयाम

इतना ही नहीं सेवा सदन द्वारा समाजोत्थान में विधवाओं एवं असहायों को प्रतिमाह सहायता के रूप में 1000 रुपया मासिक सहायता भी दी जा रही है और तृतीय कन्या जन्म प्रोत्साहन, आयुर्वेदिक औषधालय, शिक्षा सहयोग, अन्नक्षेत्र एवं वृद्धाश्रम आदि योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। जोधपुर में रोगी सहयोगी सेवा केन्द्र - ''आरोग्य भवन'' का निर्माण किया गया है। यहाँ अस्पतालों में आने वाले जरूरतमन्द रोगियों एवं उनके सहयोगियों को प्राथमिकता से भवन में न्यूनतम सहयोग-राशि पर आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था रहती है।

फिर कुशल नेतृत्व के हाथ डोर

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को वर्तमान में अध्यक्ष के रूप में रामकुमार भूतड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश सोनी, महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल तथा कोषाध्यक्ष के रूप में मनोहरलाल पुंगलिया का कुशल नेतृत्व मिला हुआ है। कार्यकारिणी में इनके साथ उपाध्यक्ष के रूप में प्रहलाद शाह राठी, अनिल कुमार बांगड़, जयकिशन बल्दुवा, शंकरलाल बाहेती, विजयशंकर मूंदड़ा, मंत्री सोहनलाल मूंदड़ा, मुरलीधर झंवर, श्रीभगवान बंग, संजय कुमार जैथलिया व किशनगोपाल बंग, प्रचार मंत्री के रूप में भागीरथ भूतड़ा तथा कार्यालय मंत्री के रूप में मधुसुदन मालू सेवा दे रहे हैं। श्री भूतड़ा सेवा सदन के गत सत्र को छोड़कर इसके पूर्व दो सत्रों में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। यह सर्वमान्य रूप से कहा जाता है कि श्री भूतड़ा के कार्यकाल में सेवा सदन ने सदैव उन्नति के नये आयामों को छुआ है। पूर्व के सत्रों में भी जो सेवा भवनों का विकास हुआ वह ऐतिहासिक था और इसमें अब पुनः अयोध्या के भवन के रूप में नया स्वर्णिम पृष्ठ जुड़ने जा रहा है।

स्नेह के रंगों से रंग कर अपनत्व को प्रसारित करने के पर्व होली के पूर्व ही फागोत्सव की बेला में होली स्नेह मिलन समारोहों का आयोजन प्रारम्भ हो गया। इनमें होली धमाल, मनोरंजक आयोजनों आदि के साथ ही प्रतिभाओं को प्रदर्शित होने का अवसर भी प्रदान किया गया।

स्नेह के रंगों से सराबोर माहेश्वरी मन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर, माहेश्वरी महिला परिषद् एवं नवयुवक मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन माहेश्वरी स्कूल तिलक नगर प्रांगण में गत 16 मार्च को किया गया। समाज अध्यक्ष केदारमल भाला द्वारा समाज बंधुओं का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सुरेन्द्र काबरा (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), विशिष्ट अतिथि डॉ. श्याम पचीसिया (शल्य चिकित्सक एवं समाजसेवी), स्वागताध्यक्ष डॉ. अशोक काबरा (प्रमुख चिकित्सक एवं समाजसेवी) एवं विशेष अतिथि रामकिशन जाजू (संरक्षक, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर) थे। समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में ठंडाई के लिए बजरंगलाल बाहेती की ओर से योगदान प्राप्त हुआ। वहीं पुरस्कार सुरेश कालानी द्वारा प्रायोजित किये गये। संयुक्त मंत्री बृजमोहन बाहेती ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग 2,000 लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम संयोजक रमेश पचीसिया थे।

बूंदी। शहर के नैनवां रोड़ स्थित सुदामा सेवा संस्थान 'आसरा' में निवासरत प्रवासियों के मध्य सामर्थ्य सोसायटी ने संकीर्तन के साथ 'फागोत्सव' आयोजित कर बुजुर्गो का आशीर्वाद लिया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि फाल्गुन मास से हिंदू संस्कृति से जुड़े विभिन्न त्यौहार, पर्व एवं उत्सव प्रारंभ हो जाते हैं। इसी क्रम में प्रतिवर्ष की भांति वृद्धजनों के साथ भजनों की गूंज के मध्य प्रतीकात्मक रूप से अबीर-गुलाल लगाकर फूलो की होली खेलकर असीम खुशियां बांटी गई। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, अनीशा जैन, शालिनी सोनी, वर्तिका हाड़ा आदि उपस्थित रहे।

इंदौर। श्री माहेश्वरी महिला संगठन, मेघदूत क्षेत्र द्वारा फाग उत्सव एवम् राधा कृष्ण रास का आयोजन दिव्य शक्ति पीठ मंदिर में किया गया। अध्यक्ष उर्मिला शारडा एवं सचिव नेहा माहेश्वरी ने बताया कि फाग उत्सव में श्याम जी की मंडली ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ राधा-कृष्ण ने मन मोहक प्रस्तुतियां दी। साथ में सभी ने मिलकर नृत्य किए और फूलो से होली खेलकर फाग उत्सव को रंगीन बनाया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की युगल सिद्धा समिति की शांता मंत्री एवम् मालवी भाभी प्रतीक्षा जैन नय्यर सहित समस्त सदस्याऐं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का समापन आरती प्रसाद एवम् ठंडाई वितरण के साथ हुआ।

नागपुर। नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा का होली मिलन समारोह गत 17 मार्च को माहेश्वरी पंचायत भवन सीताबर्डी में संपन्न हुआ। जानकारी देते हुए प्रकाश चांडक ने बताया कि इस कार्यक्रम में मनीषा सारडा, अंजू पचीसिया, शैलजा राठी ने भक्ति रस से भरे होली के भजन गाकर सभी को भावविभोर किया। उनके भजनों पर नृत्य करते हुए राधाकृष्ण की प्रतिमा के साथ फूलो की होली खेलने का सभी ने बहुत आनंद लिया। पुरुषों और महिलाओं ने भी होली के गीत, भजन, हास्य व्यंग्य, कविताएं, चुटकुले आदि की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष कन्हैयालाल मानधना एवं सचिव मधुसूदन सारडा ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मंच संचालन कमल तापड़िया ने किया। संयोजक लक्ष्मीकांत चांडक एवं संयोजिका प्रभा भैया ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया। कार्यक्रम का समापन ठंडाई एवं प्रसादी भोज के साथ हुआ। कार्यक्रम में गोविंदलाल सारडा, विनोद लखोटिया, दामोदरलाल तोषनीवाल, बद्रीनारायण छापरवाल, ललित गांधी, हरिदास भट्टड, शिवरतन राठी, रतनलाल लाहोटी सहित अनेक गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

राजनांदगांव। स्थानीय माहेश्वरी भवन में महिला मंडल द्वारा इस वर्ष होली उत्सव कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस और डांस का प्रोग्राम आयोजित किया गया। फैंसी ड्रेस की थीम 'देश की महान नारियों' के रूप में प्रस्तुति देनी थी जिसमें महिला मंडल के सभी आयु वर्ग से महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सीनियर ग्रुप में अमिता मूंदड़ा- द्रौपदी, राधा लड्ढा- अहिल्याबाई होलकर, अनुपम सादानी- सरोजिनी नायडू, सरला राठी- झांसी की रानी वहीं जूनियर ग्रुप में बिंदु बागनी- तीजन बाई, गीतिक चितलांगिया- स्मृति ईरानी, सोनल लड्ढा- सावित्रीबाई फुले, प्रियंका भट्टर- झांसी की रानी, वसुधा लड्ढा- वंदनी माता भगवती देवी और कुसुम गांधी ने किरण बेदी की वेशभूषा में प्रस्तुति दी। अध्यक्ष दीपा बागड़ी, सचिव अनीता चितलांगिया, कोषाध्यक्ष सीमा डागा द्वारा फूलों की वर्षा सहित गुलाल से रंग लगाकर महिला मंडल को होली पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक मंत्री रुपाली गांधी द्वारा किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी, संरक्षक सरस्वती लोहिया, सांस्कृतिक मंत्री सुषमा राठी, जिला अध्यक्ष विनीता डागा, जिला सचिव प्रीति चितलांगिया सहित कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कोलकाता। दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा एवम दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन के तत्वावधान से होली प्रीति सम्मेलन का कार्यक्रम हल्दीराम बालीगंज, कोलकाता में 15 मार्च को संपन्न हुआ। अनिता तोषनीवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। बावलिया सांस्कृतिक संस्था ने ढप पर धमाल और होली के गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में जगदीशचंद्र मुंधड़ा, बुलाकी दास मिमानी, किशन मल्ल, विनोद जाजू, नंद कुमार लड्ढा, मुकुंद सोमानी, राजीव लखोटिया, कमल गट्टानी, देव मूंधड़ा, दिनेश करनानी सहित वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं विभिन्न अंचलों से कई गणमान्यजन उपस्थित हुए।

भीलवाड़ा। मरुधरा माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा फागोत्सव कार्यक्रम अध्यक्ष शीतल चांडक के नेतृत्व में रामेश्वरम में आयोजित किया गया। शांति देवी तापड़िया, विमला सोमाणी, स्नेहलता मोहता व सीमा जेठा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव संगीता बाहेती ने बताया कि गायक कालरा दीदी के भजनों व धमाल पर महिलाओं ने खुब जमकर नृत्य किया। फूलों व गुलाल से होली खेलीं। चंग पर गायक कैलाश तापड़िया, नंद किशोर झंवर, राधेश्याम सोमानी, जगदीश सोनी, मधुसूधन डागा ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आयोजन विजय लक्ष्मी चांडक व श्याम चांडक के सहयोग से किया गया। संचालन कल्पना माहेश्वरी ने किया। अंत में अध्यक्ष शान्ति प्रकाश मोहता व महासचिव दिनेश राठी ने आभार व्यक्त किया। कल्पना माहेश्वरी, सीमा जेठा, रेनू राठी, विमला सोमानी, मनीषा चांडक, जमुना बाहेती, सुचिता झंवर, विनीता झंवर, विनती तापड़िया सहित कई सदस्याएं मौजूद रहीं।

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल द्वारा फाग उत्सव का आयोजन चारभुजा नाथ मंदिर गोलामंडी में मंडल अध्यक्ष संगीता भूतड़ा व सचिव संध्या हेड़ा की उपस्थिति में मनाया गया। पूरे समाज की बहने इस फाग उत्सव में उपस्थित थीं। सभी ने बहुत उत्साह से भजन गाए एवं राधा कृष्ण के साथ नृत्य किया। राधा कृष्ण के रूप में एकता अगाल एवं पायल लड्ढा ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शांता देवी, तेजू देवी तोषनीवाल, शोभा मूंदड़ा, प्रदेश अध्यक्ष उषा सोडाणी, उज्जैन जिला सचिव मनीषा राठी, हेमलता गांधी, पुष्पा मंत्री, रुक्मणी भूतड़ा, प्रगति महिला मंडल अध्यक्ष पायल भूतड़ा, सचिव सीमा कासट, शीतल मूंदड़ा, गीता तोतला, रमा लड्ढा, निर्मला देवपुरा आदि उपस्थित थीं।

जो पानी से नहायेगा वह सिर्फ लिबास बदल सकता है, लेकिन जो पसीने से नहायेगा वह इतिहास बदल सकता है।

बागोर। श्री नाथ माहेश्वरी महिला मंडल ने गत 9 मार्च को फागोत्सव मनाया। मंडल अध्यक्ष लोक कल्याणी लावटी, सचिव रंजना कचोलिया, कोषाध्यक्ष गीता भदादा, अन्य सदस्य प्रेम बिरला, मीनाक्षी बिरला, कुमुद देवपुरा, सीमा काबरा, मीनाक्षी अजमेरा तथा सभी समाज की महिलाओं एवं रसिया वाली टोली ने मिलकर फूलों की होली खेली। रसिया गाकर सभी कृष्णमय हो गई।

उदयपुर। महेश माहेश्वरी महिला सोसाइटी की अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल के सान्निध्य में माछला मगरा स्थित शिव मंदिर में फाग उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जगदीश मंदिर के प्रसिद्ध गायक अनिल वैष्णव व उनकी टीम ने चंग की थाप पर बहुत ही रसीले भजन रसिया सुनाएं जिस पर सभी महिलाओं ने झूमकर नृत्य किया एवं फूलों की होली खेली। प्रचार प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष मंजू गांधी, सचिव रेखा असावा, प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की संयोजिका कविता बल्दवा, जमनेश धूपड, कमलेश धूपड, शरद हेडा, रमेश पोरवाल, दामोदर खटोड आदि शामिल हुए। अतिथियों का अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल, सचिव सुनीता राठी, कोषाध्यक्ष रेखा लावटी व दीक्षा मंत्री द्वारा तिलक लगाकर माला व उपरना पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गैर व गरबा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें गरबा नृत्य में ममता अजमेरा व किरण पोरवाल, गैर नृत्य में भूपेंद्र कचोलिया को पुरस्कृत किया गया। मिस्टर व मिसेज फाल्गुन का पुरस्कार निर्मल राठी व सुनीता राठी को दिया गया। पुरस्कार डॉ. राधा देवपुरा की ओर से दिए गए तथा निर्णायक की भूमिका शोभा कालानी व इंदू तोषनीवाल ने निभाई, तत्पश्चात प्रसादी कार्यक्रम हुआ। अंत में सचिव सुनीता राठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वक्त बड़ा अजीब होता है इसके साथ चलो तो किस्मत बदल देता है और न चलो तो किस्मत को ही बदल देता है।

कोयंबटूर। हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में कार्यरत संस्था 'सृजन' द्वारा गत 16 मार्च को आयोजित होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज की नीतू मण्डोवरा ने श्रीकृष्ण का रुप धर के कृष्ण के ऊपर होली से सम्बंधित नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति दी। 'सृजन' संस्था के अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष माहेश्वरी समाज के गोपाल माहेश्वरी एवं संतोष मूंदड़ा क्रमशः है। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य सीताराम कांकाणी, दामोदर सोमाणी, ओमप्रकाश चांडक, गिरीराज चांडक, रुपनारायण सोमाणी, गोविंद मण्डोवरा आदि अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं देकर हिंदी के प्रचार-प्रसार के भागीरथी कार्य में अपना यथासंभव सहयोग कर रहे हैं। उक्त जानकारी मनोज गग्गड़ (कार्यकारी सदस्य) ने दी।

बठिंडा। माहेश्वरी सभा बठिंडा ने माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा संगठन के साथ मिलकर होली वाले दिन होली मिलन समारोह का आयोजन वीर कॉलोनी स्थित वीर भवन में किया। इसमें बठिंडा, जैतो, भुच्चो, तलवंडी, साबो से माहेश्वरी परिवारों ने हिस्सा लिया। दीप प्रज्जवलित करने के बाद कार्यक्रम की शुरुआत रमेश लखोटिया द्वारा महेश वंदना गाकर की गई। आज के कार्यक्रम में दो नए सदस्यों डाक्टर शुभम काबरा (ऐम्स) व वंदना माहेश्वरी (गुरु काशी यूनिवर्सिटी) का स्वागत किया गया। प्रीती डागा एवं टीम द्वारा प्रस्तुत की गई श्री कृष्ण बाल लीला की प्रस्तुति को सभी ने सराहा और भुच्चो व बठिंडा से बच्चो द्वारा डांस पेश किये गए। युवा संगठन अध्यक्ष पुष्पक मंत्री, अंकुर मिमानी एवं हिमेश डागा द्वारा फन गेम्स करवाई गयी। अंताक्षरी व तम्बोला भी आकर्षण का केंद्र रहे। मंच संचालन बहुत ही सुंदर तरीके से गोविन्द डागा माहेश्वरी ने किया और समय-समय पर माहेश्वरी महासभा द्वारा संचालित ट्रस्टों की जानकारियां भी उपस्थित सदस्यों को दी एवं माहेश्वरी पत्रिका के सदस्य बनने का आह्वान किया। खान पान व्यवस्था सुरेश चांडक, परवीन मिमानी, सुशील मुंधड़ा व राजिंदर लखोटिया द्वारा की गई। प्रादेशिक सचिव जगदीश मंत्री, अध्यक्ष के. के. मालपानी व सचिव सुप्रीम कोठारी ने सभी का का आभार व्यक्त किया।

कोलकाता। गत 17 मार्च को सत्संग भवन में करनानी - मीमानी परिवार का 46वाँ प्रीति सम्मेलन धूमधाम से संपन्न हुआ। घनश्याम करनानी ने बताया कि पुरषोत्तम मीमानी, दाऊलाल करनानी, बुलाकीदास मीमानी, सुशील मीमानी, नारायण करनानी, हनुमान करनानी, संजय मीमानी, बजरंग करनानी, नरेंद्र करनानी, राजकुमार मीमानी, राजेश करनानी, शिवशंकर करनानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। बीकानेरी गीतों का बहुत अच्छा आयोजन हुआ। हर साल की भाँति नापासर के करनानी परिवार की महिलाओं ने अद्भुत कार्यक्रम करके कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। वर्षा मीमानी ने मंच का संचालन किया।

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत की ओर से इस वर्ष भी होली उत्सव मनाया गया। इससे पूर्व 24 मार्च को रात्रि 11 बजे होलिका दहन श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत प्रांगण में धूमधाम से हुआ। पूर्व नागपुर में होलिका दहन के साथ भव्य चंग का कार्यक्रम माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। 25 मार्च को आयोजित होली उत्सव में मुख्य अतिथि मदनमोहन खेमाणी व अतिथि विशेष डॉ. सुशील मानधनिया थे। भवन प्रांगण में शाम 7 बजे से 10 बजे तक होली के रसिया, होली के मधुर गीत की गायिका मनीषा सारडा, प्रीति मालू व महिला मंडल द्वारा प्रस्तुती हुई। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत भवन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू, उपाध्यक्ष कमल तापड़िया, सचिव रामअवतार तोतला, श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष घासीराम मालू, सचिव राजेश बजाज, श्री माहेश्वरी युवक संघ के अध्यक्ष गोविंद झंवर, सचिव कृष्णा मानधना, श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी महिला समिति अध्यक्ष जयश्री बियानी, सचिव राधिका मूंदड़ा स्टेज पर उपस्थिती रही।

जैसे उबलते पानी में कभी परछाई नहीं दिखती ठीक उसी तरह परेशान मन से भी समाधान नहीं दिखते। शांत होकर देखिए, आपको आपकी सारी समस्याओं का हल मिलेगा।

भीलवाड़ा। भोपालगंज माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वाधान में फाग उत्सव का आयोजन किया गया। अध्यक्ष कल्पना सोमानी ने बताया कि भजनों के साथ फूलों की होली का आनंद लिया गया। सचिव सुमन सोमानी ने बताया कि इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री ममता मोदानी, प्रदेशाध्यक्ष सीमा कोगटा, जिलाध्यक्ष प्रीति लोहिया, जिला सचिव भारती बाहेती व नगर सचिव सोनल माहेश्वरी तथा पुराना शहर से अध्यक्ष सुमित्रा भदादा, आरकेआरसी से अध्यक्ष चेतना जागेटिया, संजय कॉलोनी से अध्यक्ष रेणु कोगटा, सचिव अनुपमा मंत्री व महेश बचत व साख समिति से अध्यक्ष रीना डाड, सचिव अनीता सोमानी का माला पहनाकर व गुलाल का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राधा कृष्ण प्रतियोगिता और लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का निर्णय भी उपस्थित अतिथियों की वोटिंग के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान राधा कृष्ण प्रतियोगिता, लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता आदि आयोजन हुए। पदेन सदस्य वीणा राठी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राज राठी, मधु बाहेती, अनीता सोमानी, अंजली सोमानी, ज्योति सेठिया, मुक्ता सोनी, ललिता सोमानी, अंजना मालू सहित कार्यकारिणी की सभी सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा।

सूरत। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 16 मार्च को संस्कृति एवं परंपरा सिद्धा समिति के अंतर्गत फाग एवं गणगौर उत्सव मस्ती, धमाल, पारंपरिक रूप से मनाया गया। संस्कृति हमारी धरोहर है, इसे हमें नई पीढ़ी तक पहुचाना है। इस परंपरा की लॉजिक के साथ बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुति कीर्ति भैया एवं दिशा बसेर द्वारा दी गई। नीना हेडा एवं नीतू राठी द्वारा होली के गानों पर हाउजी एवं गेम खिलाए गए। सभी महिलाओं ने गानों पर नृत्य कर कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कान्हा जी से फूल एवं गुलाल से होली खेली गई। सुनीता सोमानी एवं चंदा भूतड़ा द्वारा चंग के साथ कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उक्त जानकारी अध्यक्ष- वीणा तोषनीवाल व सचिव - प्रतिभा मोलासरिया ने दी।

पुण्य स्मृति मे चिकित्सा शिविर

इंदौर। माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा 17 मार्च 2024 को माहेश्वरी भवन नवलखा पर समाज के कर्मठ व सक्रिय कार्यकर्ता स्व. श्री दिनेश मंडोवरा की स्मृति में चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन शिविर में 250 से अधिक समाजजनों ने अपनी जांच करवाई। संपूर्ण सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से जांच शिविर आयोजित किया गया था। शिविर का शुभारंभ स्व. श्री दिनेश मंडोवरा की धर्मपत्नी साधना मंडोवरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज इंदौर जिला के मंत्री मुकेश असावा ने स्व. श्री मंडोवरा के योगदानों का स्मरण किया। सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर के निदेशक डा. अनुराग सोडानी व वर्षा सोडानी ने बताया कि समाजजन द्वारा इस शिविर में कराई गई इन सभी जांचों का विश्लेषण कर यह देखा जाया जाएगा कि समाजजनों की सामूहिक रूप में कौन सी जांचों में रिपोर्ट नॉर्मल नही है, फिर संगठन के माध्यम से समाजजनों में इनके निदान के लिए सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अखिल भारतीय महासभा के कार्यकर्ता प्रशिक्षण संयोजक सीए राजेश चांडक, प्रादेशिक सभा अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी, मंत्री अजय झंवर, संयुक्त मंत्री सुरेश हेड़ा, इंदौर जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रामस्वरूप धूत, सह मंत्री केदार हेड़ा, नीलेश सारडा, संगठन मंत्री प्रह्लाद सेठ, प्रचार मंत्री अजय सारडा, महेश सार्वजनिक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष राठी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक सौरभ राठी ने किया। शिविर के संयोजक सुभाष असावा, श्याम माहेश्वरी, प्रेम माहेश्वरी थे।

राठी परिवार का स्नेह मिलन

ओसियां (जोधपुर)। अखिल भारतीय राठी परिवार का स्नेह मिलन कार्यक्रम 16 और 17 मार्च को आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अलग-अलग कमेटियों का गठन कर जिम्मेदारी सौंपी गई। लगभग 4500 सदस्य राठी परिवार इस महाकुंभ में उपस्थित हुए। कुलदेवी ओसियां जी के चुनरी मनोरथ के साथ ही 56 भोग, मेडिकल कैम्प, शार्क टैंक, हाऊजी का आयोजन किया गया और 16 मार्च को रात्रि में जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। राधे कृष्णा के संग फूलों की होली का सभी ने उत्साह के साथ आनन्द लिया। अध्यक्ष रेखा राठी औरंगाबाद और संयोजक वासु राठी जोधपुर द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

कोलकाता। माहेश्वरी सेवा समिति (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) एवं भारतीय संस्कृति संवर्धन समिति ने संयुक्त रूप से अपना द्वितीय ब्लड डोनेशन कैंप गत 25 फरवरी को माहेश्वरी भवन सभागार में आयोजित किया। संवर्धन समिति के अध्यक्ष आचार्य राकेश कुमार पांडे ने अपना स्वागत भाषण दिया एवं प्रधान वक्ता रमेश सरावगी ने रक्तदान की महत्ता को बताया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं माहेश्वरी सभा के सभापति बुलाकीदास मिमानी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। प्रधान अतिथि राजेश सारडा, विशिष्ट अतिथि जगमोहन बागला, पार्षद मीना देवी पुरोहित, विजय ओझा एवं विजय उपाध्याय ने भी अपने विचार रखें। 104 रक्तदाताओं ने रक्तदान दिया, 50 व्यक्तियों ने थायराइड टेस्ट एवं 55 व्यक्तियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवा समिति के उप मंत्री पंचानन भट्टड़, कोष मंत्री आदित्य बिनानी, संयोजक किशोर दम्मानी, देवेंद्र बागड़ी, सेवा सदन मंत्री महेश बिनानी, जयंत डागा, राजकुमार भाला, बृजेश बागड़ी, महेश केडिया, आनंद भूतड़ा आदि सक्रिय थे।

युवा संगठन ने मनाया 25वाँ वार्षिकोत्तर

अहमदाबाद। अहमदाबाद माहेश्वरीयुवा संगठन ने बोडकदेव ऑडा गार्डन में धमालधार फन फेयर के आयोजन के साथ अपने 25वें वर्षोत्सव का जश्न मनाया। इस मौके पर गार्डन में लगभग 500 से अधिक सदस्य उपस्थित थे। संगठन के इस महत्वपूर्ण समारोह में संगठन के अध्यक्ष दीपक मनियार, सचिव अभिषेक मालपानी और कोषाध्यक्ष प्रवीण माहेश्वरी ने संगठन के सभी पूर्व अध्यक्ष और सभी सचिव को सम्मानित किया। समारोह की शुरुआत संगठन के सचिव अभिषेक मालपानी और कोषाध्यक्ष प्रवीण माहेश्वरी ने वार्षिक साधारण सभा के साथ की। इस अवसर पर संगठन ने फन फेयर के साथ होली हाउसी का आयोजन किया, जिसमें कई विशेष उपहार भी शामिल थे। इस दिन को महत्वपूर्ण बनाने के लिए एवं आगामी सत्र के लिये नई टीम का चयन किया गया। इसमें अध्यक्ष मयूर पसारी, सचिव अर्पित बाहेती, सह कोषाध्यक्ष बसंत माहेश्वरी और संगठन मंत्री लक्ष्य बांगड़ चुने गये हैं।

हालात सिखा देते हैं, बातें सुनना और सहना,
वर्ना हर शख्स अपने आप में बादशाह है।

जीनियस नेक्स्ट जनरेशन सेमिनार सम्पन्न

सूरत। जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सेवा सदन के संयुक्त तत्वावधान में गत 17 मार्च को सांय 3 बजे माहेश्वरी महासभा की फ्लेगशिप योजना जीनियस नेक्स्ट जेनरेशन पर सेमिनार का आयोजन माहेश्वरी सेवा सदन पर्वत पाटिया में किया गया। जिला सभा के मिडिया प्रभारी सुनील माहेश्वरी ने बताया कि इस सेमिनार के प्रमुख वक्ता रमेश परतानी थे। इस सेमिनार में 0 से 15 वर्ष के बच्चों के करीब 300 अभिभावकों एवं समाज के करीब 250 गणमान्यजनों ने भाग लिया। इस अवसर पर वक्ता रमेश परतानी ने बताया कि बच्चों का 80 प्रतिशत मस्तिष्क विकास 6 वर्ष की उम्र तक हो जाता है, उसके बाद तो उसका शारीरिक विकास होता है। उन्होंने बहुत ही सरल एवं उदाहरण देकर अपने बच्चों को कैसे जीनियस बनाए उसके बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष पवन बजाज, सचिव अतिन बाहेती, कोषाध्यक्ष राम सहाय सोनी व संगठन मंत्री मुरली लाहोटी के साथ जिला सभा कोर टीम, महासभा कार्यसमिति सदस्य मुरली सोमानी, गिरधर गोपाल मूंदड़ा, गुजरात प्रांतीय सभा कोषाध्यक्ष श्याम भंडारी, संयुक्त मंत्री राधाकिशन मूंदड़ा, सेवा सदन अध्यक्ष श्याम राठी, सचिव शैलेश चांडक, कोषाध्यक्ष श्याम झंवर, माहेश्वरी भवन अध्यक्ष घनश्याम चांडक, सचिव सुरेश तोषनीवाल, माहेश्वरी नवयुवक मंडल अध्यक्ष पवन चांडक, सचिव भगवती गग्गड़, वार्ड 22 से महानगर पालिका कारपोरेटर रश्मि गिरधारी साबू एवं सभी क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यसमिति सदस्य सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने अपनी उपस्थिति दी।

निर्वाचन आयोग के लिए बनाया पोर्टल

पुणे। समस्त माहेश्वरी समाज के लिये गर्व की बात है कि पूना निवासी प्रोफेसर मुरलीधर शिवरतन भूतड़ा एवं उनके पुत्र अभिनव मुरलीधर भूतड़ा की अभिनव आयटी सोल्यूशन प्रायव्हेट लिमिटेड कंपनी ने भारत वर्ष के सभी राज्यों के राज्य निर्वाचन आयोग के लिये एक कॉमन पोर्टल http://secsforum.in बनाने में कामयाबी हासिल की है। इस तरह का कॉमन डिस्कशन फोरम तथा इन्फॉर्मेशन एक्सचेंज प्लॅटफॉर्म किसी भी शासकीय अथवा प्रायव्हेट क्षेत्र में आज तक नहीं तैयार किया गया। इसका अनावरण / उद्घाटन अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयोग के 30 वें नेशनल कांफ्रेंस बोधगया बिहार में राज्यपाल के कर कमलो द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि मुरलीधर भूतड़ा की कव्हर स्टोरी 10 साल पहले श्री माहेश्वरी टाइम्स में ही छपी थी।

महिला चेरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव सम्पन्न

इंदौर। श्री अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी महिला चेरिटेबल ट्रस्ट सत्र 2024-26 के लिये मधु सारड़ा के निवास स्थान पर चुनाव सम्पन्न हुये। इसमें अध्यक्ष डॉ. दीपा महेश सोमानी, मंत्री रमा उमेश साबू व कोषाध्यक्ष सुधा गोपाल मालपानी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी लव कुमार शारदा थे।

निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह

दिल्ली। श्री गणेश सेवा मंडल दिल्ली लक्ष्मीनगर द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गत 12 मार्च को 15 जोड़े निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। इसके अंतर्गत अभी तक 241 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हो चुका है। उक्त जानकारी महेंद्र लड्ढा संस्थापक अध्यक्ष श्री गणेश सेवा मंडल दिल्ली ने दी।

गणगौर उत्सव का हुआ आयोजन

सूरत। सूरत जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा होली व गणगौर उत्सव भटार स्थित वैष्णोदेवी मंदिर में मनाया गया। इस कार्यक्रम की खासियत यह रही कि इसकी शुरुआत एक स्किट से की गयी। कार्यक्रम में कीर्ति भैया और दिशा बसेर ने बड़े अनोखे अंदाज में बताया कि होली मनाने की शुरुआत कैसे हुई? उन्होंने नाटक के जरिये बताया गया कि हमारी सनातन संस्कृति में हर त्यौहार मनाने का अपना महत्व और कारण होता है। नीना हेड़ा व नीतू राठी द्वारा संगीतमय होऊजी खेलाया गया। राजस्थान की खुशबू लिए ठेट देसी अंदाज में चंग को सुनीता सोमानी और चंदा भूतड़ा द्वारा पेश किया गया। मीडिया प्रभारी अनीता राठी ने बताया कि कार्यक्रम में विमला साबू व कॉपरेटर रश्मि साबू उपस्थित रही। अध्यक्षीय भाषण बीना तोषनीवाल ने दिया व सचिव प्रतिभा मौलासारिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी ने कान्हा के साथ फूलों की होली व गणगौर पूजन कर होली व गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया।

पश्चिमी मध्यप्रदेश महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

मंदसौर। पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय बैठक दलोदा, (मंदसौर जिला) में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनीता जावंदिया, विशेष अतिथि साक्षी काबरा पूर्व रा. अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा रा. प्रभारी डॉ. नम्रता बियानी, रा. ट्रस्ट अध्यक्ष ललिता मालपानी, प्रदेश सभा अध्यक्ष पुष्प सचिव, मंत्री अजय झंवर, प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी, सचिव शोभा माहेश्वरी व जिला अध्यक्ष निशा पलोड़ ने किया। सभी पदाधिकारियों का स्वागत मोती माला से किया गया। महेश वंदना, स्वागत गीत व नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दलौदा महिला संगठन द्वारा दी गई। प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी के स्वागत उद्बोधन पश्चात सचिव प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया। मुख्य अतिथि अनिता जावंधिया ने अपने उद्बोधन से प्रदेश की गतिविधियों व कार्यों को बहुत सराहा। कामकाजी महिलाओं की दोहरी भूमिका, कैसे करें सामंजस्य पर नाटिका व प्रेरणा गीत पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति हुई। ललिता मालपानी ने राष्ट्रीय महिला सेवा ट्रस्ट की जानकारी सदन को दी। स्नेह सेतु प्रदेश डायरेक्टरी का विमोचन मंचासीन अतिथि व पदाधिकारी, समन्वयक व संयोजिका द्वारा किया गया। द्वितीय सत्र में चिन्तन-मनन कार्यक्रम राष्ट्रीय अष्टसिद्धा समिति प्रभारी नम्रता बियानी के नेतृत्व व रघुकुल रीत सिद्धा-पारिवारिक समरसता समिति की सह प्रभारी रंजना परवाल, प्रदेश संयोजिका, सरला मानधना के सहयोग से समसामयिक सामाजिक विषयों पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की समीक्षा गीता मूंदड़ा ने की। अंत में प्रदेश व राष्ट्र द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता महिलाओं को मंच से पुरस्कृत किया गया। आभार प्रदेश सचिव शोभा माहेश्वरी ने माना।

यूकेजी बच्चों का दीक्षांत समारोह आयोजित

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल गर्ल्स, आजाद नगर में यूकेजी बच्चों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनेक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों ने भाग लिया एवं उनका सहयोग कक्षा 6 तक के विद्यार्थियों ने किया। मुख्य अतिथि समिति अध्यक्ष ओम नराणीवाल, विशिष्ट अतिथि पार्षद ओम गगरानी व समिति के अन्य सदस्यों व विद्यालय की प्रधानाचार्य अल्पा सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। समिति के सचिव राजेंद्र कचोलिया ने भी सम्बोधित किया।

दीप्ति हुईं सम्मानित

उदयपुर। दीप्ति असावा समदानी को RJ14 फाउंडेशन ने बिमेंस एक्सीलेंस अवार्ड्स 2024 से सम्मानित किया। दीप्ति को ये सम्मान इंटरनेशनल बिमेंस डे के अवसर पर उनके द्वारा दिव्यांग बच्चो के लिए कार्य करने वाली सामाजिक संस्थाओं को सेवाएं देने के लिए दिया गया है। दीप्ति समदानी पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है एवं कई सामाजिक संस्थाओं के साथ भी जुड़ी हुई हैं।

गुमशुदा

मेरा छोटा भाई अभिषेक काबरा पिता रामकिशनजी काबरा निवासी मकान नंबर 345, विकास नगर 14/4, नीमच दिनांक 23 जनवरी 2024 की रात्रि 9.00 बजे के लगभग बिना बताए अपनी मोटरसाइकिल महिंद्रा सेंचुरो क्रमांक MP44 ML7067 लेकर कहीं चला गया है जिसकी काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला है, यदि किसी सज्जन को उनके बारे में कोई जानकारी हो या जानकारी मिले तो निम्न लिखे नंबरों पर संपर्क करें। तलाश कर बताने वाले को परिवार द्वारा उचित इनाम दिया जाएगा।

परिवार की अपील

प्रिय अभिषेक तुम जहां कहीं भी हो तुरंत घर आ जाओ, दादाजी की तबियत ज्यादा खराब है, किसी भी समस्या में हम सभी परिवार वाले तुम्हारे साथ हैं, तुम्हें कोई भी कुछ नहीं कहेगा। तुम जहां भी हो, वहां से टेलीफोन से या कैसे भी हमसे संपर्क करो, हम लेने आ जाएंगे।

पीयूष रामकिशनजी काबरा
नीमच (म.प्र.)
Mob.: 9893260633, 9406865868

सच एक सर्जरी की तरह होता है, थोड़ा दर्द देता है लेकिन राहत मिलती है। झूठ एक पेनकिलर की तरह है जो आपको थोड़ी देर के लिए राहत जरूर देता है लेकिन उसके साइड इफेक्ट आपको सारी जिंदगी झेलने पड़ते हैं।

बेटी ने पुण्य स्मृति में करवाया हॉल वातानुकूलित

सीकर। गत 21 मार्च को सीकर जिले की प्रमुख तहसील लक्ष्मणगढ के श्री माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा संचालित माहेश्वरी भवन के नवनिर्मित हॉल को वातानुकूलित काबरा परिवार की बेटी श्रीमती संतरादेवी (स्वर्गीय श्री हरदत्तराय बियानी की धर्मपत्नी), मुम्बई ने आगे आकर अपने स्वर्गीय माता-पिता रतनीदेवी-मदनलाल काबरा की पुण्य स्मृति में करवाकर एक कीर्तिमान स्थापित किया। इनके साथ विनोदकुमार, भरतकुमार बियानी, दीपासोनी भी मुम्बई से आये। श्री निर्मल पंचायती अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर एवं वरिष्ठ सांसद डॉ. स्वामी सच्चिदानंद हरि (साक्षी जी महाराज) ने भगवान महेश का पूजन कर कहा कि मैं तो माहेश्वरीत्व को गहराई से समझता हूँ और इस समाज की कार्यशैली और दानवीरता को नमन करता हूँ। तत्पश्चात महाराज जी ने काबरा दंपति की तस्वीर का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष जुगल किशोर सोमाणी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण काबरा (जे. डी.), प्रदेशमंत्री राजकुमार धूत, सीकर-झूंझनू जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष मनीष बियानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। लक्ष्मणगढ़ के निवासी और मुम्बई, कोलकाता, जयपुर, बैंगलोर, अहमदाबाद, रायपुर, दुर्ग आदि अनेक स्थानों से प्रवासी बंधुओं ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंच संचालन सोनू सोमानी एवं मधु शर्मा द्वारा किया गया।

अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी युवा परिषद, कोयंबटूर के तत्वाधान में सेवाश्रम ट्रस्ट बाल गृह के विद्यार्थियों के लिए अन्नदान का आयोजन किया गया। बाल गृह के 30 से ज्यादा विद्यार्थियों को सुबह का गरम नाश्ता करवाया गया। कार्यक्रम में युवा परिषद के सदस्य राजेंद्र भट्टड़, गोविंद मंडोवरा, गिरीराज चांडक, शिव मंत्री एवं मनोज गग्गड़ आदि ने भाग लिया। उक्त जानकारी मनोज गग्गड़ (कोयंबटूर) ने दी।

मालू ने किया मोदी का स्वागत

गुलबर्गा। मालू ग्रुप, गुलबर्गा (कर्नाटक) के श्री जगदीश जुगलकिशोर मालू को गत 16 मार्च को गुलबर्गा, कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने और उनका स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

सोश्यल क्लब के चुनाव सम्पन्न

चंद्रशेखर माहेश्वरी

नरेंद्र चितलांगिया

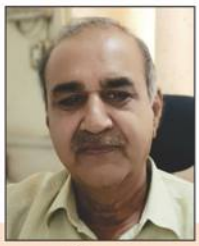

नरेंद्र लड्ढा

उज्जैन। विगत दिनों उज्जैन में स्थित लगभग 32 वर्षों से सतत् सेवारत श्री माहेश्वरी सोश्यल क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें सर्वसम्मति से चंद्रशेखर-सीमा माहेश्वरी अध्यक्ष, नरेंद्र-मंगला चितलांगिया सचिव, नरेंद्र-रेखा लड्ढा कोषाध्यक्ष चुने गये। इस नवीन कार्यकारिणी का सभी सदस्यों ने अभिनंदन किया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रमोद-वन्दना जैथलिया का अभिनंदन कर उनके द्वारा विगत सत्र में दी गई सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रमोद जैथलिया ने नव निर्वाचित अध्यक्ष चंद्रशेखर माहेश्वरी एवं उनकी टीम का अभिनंदन किया।

युवा संगठन कार्यकारिणी गठित

बागोर। फागोत्सव के दौरान माहेश्वरी युवा संगठन बागोर की नवीन कार्यकारिणी का चयन सर्व सम्मति से किया गया। अध्यक्ष नरेंद्र सेठिया, उपाध्यक्ष दीपेश देवपुरा, सचिव ओम सेठिया, कोषाध्यक्ष ओम सोनी चुने गये।

आपका भूतकाल आपके दिमाग में है और आपका भविष्य आपके हाथ में है।

माहेश्वरी बिजनेस कॉन्क्लेव का हुआ आयोजन

दिए सफल व्यापार के मंत्र व विभिन्न व्यापार के प्रस्ताव
ABMM Innovate के तहत बिज़स्टार्ट में कराए गए पंजीयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा द्वारा प्रादेशिक महिला संगठन एवं प्रदेश युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी बिजनेस कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रायपुर के कोर्टयार्ड मैरियट होटल में आयोजित था। प्रसिद्ध उद्योगपति कमल सारडा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने समय प्रबंधन, आध्यात्म, व्यापार व परिवार में संतुलन के सूत्र दिए तथा टीम पर विश्वास करने व उसे पर्याप्त अधिकार देने को भी अपनी सफलता का मंत्र बताया।

बेंगलुरु से आए प्रबन्धन विशेषज्ञ विक्रम लिमसे ने कहा कि व्यापारिक कांफ्रेस आज की आवश्यकता है। व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं तो उसका उद्देश्य ढूंढिए कि क्यों आप व्यापार बढ़ाना चाहते है? बिज़स्टार्ट मुम्बई के संस्थापक व प्रबंधन विशेषज्ञ हितेश पोरवाल ने कहा कि व्यापार किसी न किसी समस्या का समाधान होता है अतः हमें समस्या से प्यार करना चाहिए। यह हमें एक नए व्यापार की प्रेरणा देता है व अवसरों का रास्ता खोलता है। व्यापार की समस्या का कारण जानने के लिए उन्होंने 5 Why प्रश्न का तरीका बताया। ABMM Innovate कार्यक्रम के तहत बिज़स्टार्ट में निःशुल्क पंजीयन कर 800 से अधिक नए व्यापार आइडिया से परिचित होने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया। उपलब्ध अधिकांश प्रतिभागियों ने शेयर की गई लिंक के माध्यम से बिज़स्टार्ट में पंजीयन कराया।

व्यवसाय के मिले प्रस्ताव

व्यापार प्रबंधन के सूत्र को समझाने के साथ-साथ इस कॉन्क्लेव में वचन डेयरी प्रोडक्ट, सारडा एनर्जी एण्ड मिनरल्स लि., स्पोर्टी बीन्स पुणे, रामा टी. एम. टी. स्टील, सूर्यांश सोलर, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया, सर्वोत्तम एडिबल आयल, ज़ोन ऑफ फ्रेश फूड - ज़ोफ के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा अपने उत्पाद व सेवाओं को विस्तार से समझाया गया व प्रतिभागियों को व्यापार करने हेतु विभिन्न श्रेणियों के प्रस्ताव दिए गए। युवा प्रतिभागियों ने व्यापार हेतु आये इन प्रस्तावों को हाथों हाथ लिया। स्व. सेठ मीठालाल राठी चेरिटेबल ट्रस्ट के गोपाल राठी एवं श्री राम फायनेंस कॉ. प्रा. लि. के गणेश भट्टड़ भी इस कार्यक्रम के सहयोगी थे। माहेश्वरी बिजनेस कॉन्क्लेव कार्यक्रम की विशेषता यह थी कि यह वन वे कार्यक्रम नहीं था, इसे टॉक शो की तर्ज पर तैयार किया गया था जिसमें विशेषज्ञों ने अपनी बात बताई जिसके बाद प्रतिभागियों को उनसे प्रश्न पूछने व अपनी जिज्ञासा शांत करने का अवसर भी प्रदान किया गया। समापन सत्र में पूर्व अध्यक्ष छ. ग. प्रदेश माहेश्वरी सभा राजकिशोर गाँधी व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा सुरेश मूंधड़ा ने स्वागत भाषण दिया व कहा कि भविष्य में भी ऐसे उपयोगी व समय अनुकूल आवश्यक कार्यक्रम लिए जाते रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक सी. ए. अजय सोमानी थे जिन्होंने बताया कि लगभग 200 लोगों ने कार्यक्रम में पंजीयन कराया जो कि हमारे लक्ष्य से काफी ज्यादा था। कार्यक्रम में अ. भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री ज्योति राठी, अ. भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति कार्यालय मंत्री नारायण राठी, निवृतमान अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा रामरतन मूंधड़ा, पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा विट्ठल भूतड़ा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा संगठन नरेश चाण्डक सहित छत्तीसगढ़ के विशिष्टजनों की कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही।

मंगलकामना दिवस का आयोजन

नावा सिटी (मनोज गंगवाल)। उपखंड मुख्यालय स्थित आदर्श विद्या मंदिर नावां शहर में मंगलकामना दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य राम प्रसाद कुमावत ने बताया कि आदर्श विद्या मंदिर नावा में मंगलकामना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रांगण में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष दिनेश जान्दू (अध्यक्ष साल्ट डवलपमेंट एंड वेलफेयर सोसायटी नावां) रहे व वहीं मुख्य अतिथि रामसिंह राठौड़ (जिला सचिव आदर्श शिक्षण संस्थान नागौर) थे। इन दोनों अतिथियों के साथ मंच पर सत्यनारायण लड्ढा (विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष) व तुलसीराम राजस्थानी (विद्यालय प्रबंध समिति कोषाध्यक्ष) मौजूद रहे।

महिला दिवस पर आयोजन

सूरत। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गत 2 मार्च को ग्रीन वेली में टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ाये कदम प्रगति कार्यक्रम आयोजित किया गया। मीडिया प्रभारी अनिता राठी ने बताया कि इसमें भाजपा गुजरात महिला मोर्चा उपाध्यक्ष ऋतु राठी, कॉर्पोरेटर और वार्ड चेयरमैन रश्मि साबू, वंदना तोषनीवाल (राम कलाकृति पेंटिंग), यशस्वी लाखोटिया (कूडो में स्वर्ण पदक विजेता) इत्यादि महिलाओं का सम्मान किया गया। प्रिया सोमानी व नेहा साबू द्वारा मोबाइल के तकनीकी ज्ञान पर सेमिनार भी आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष बीना तोषनीवाल द्वारा कार्यक्रम की जानकारी दी गई। विमला साबू की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सेक्रेटरी प्रतिभा मौलासरिया ने किया।

फ्रेन्डस ग्रुप ने मनाई मकर संक्राति

इंदौर। माहेश्वरी फ्रेन्डस ग्रुप की साधारण सभा मकर संक्राति पर बालकृष्णबाग, इंदौर पर आयोजित की गई। परम्परागत खेल गिल्ली-डंडा, बेडमिंटन, पतंगबाजी आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी सदस्य दम्पत्ति ने राम दरबार प्रतिमा सजाकर शोभायात्रा निकाली। ग्रुप के संस्थापक सुरेश जमना राठी ने सन् 2024 के लिए पदाधिकारियों की निर्विरोध घोषणा की। इसमें अध्यक्ष भरत सवित्री भट्टड, सचिव-बद्रीप्रसाद कृष्णकांता झंवर, प्रचार मंत्री सम्पत कुमार राधा साबू, उपाध्यक्ष-गोपाल सूर्यकांता झंवर एवं मोहन सुधा मंत्री, सहसचिव महेश रमा तोतला, कोषाध्यक्ष गोपाल वीणा बियाणी, संगठन मंत्री संतीश ब्रजलता मंत्री मनोनित किये गये। उपरोक्त जानकारी ग्रुप के प्रचार मंत्री सम्पत कुमार राधा साबू ने दी।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा द्वारा 27वां मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम गत 03 मार्च को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में राघव कोठारी अध्यक्ष प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, मयंक मूंदड़ा माहेश्वरी युवा संगठन उदयपुर, रतनलाल मंडोवरा हमीरगढ़, भरत बाहेती उदयपुर, रामराय सेठिया बागोर, आदि ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्रवण समदानी ने बताया कि अभी तक 42000 लोग गूगल ड्राइव और 125000 लोग वेबसाइट पर अवलोकन कर चुके हैं। श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा, ओम कृष्ण समदानी अन्य कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के साथ चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में भी शाखाएं सेवारत हैं।

जब इंसान को जरूरत से ज्यादा अहमियत मिल जाती है तब वो दूसरों की अहमियत और वैल्यू कभी नहीं समझ पाता है।

सेवल्या माताजी को शेर चढ़ाये

बागोर। सोनी कोठारी परिवार की कुलदेवी श्री सेवल्यामाताजी को विजय कुमार श्री राधा रणजी सोनी पधारो सा ग्रुप भोपाल द्वारा पीतल के दो शेर वैदिक मंत्र से प्राण प्रतिष्ठा कर चढ़ाये गये। इस अवसर पर सेवल्या-कुन्ज के अध्यक्ष कैलाश कोठारी, बालमुकुन्द रामजस मुरलीधर, संजय सोनी, प्रीती विजय सोनी के साथ पारिवारिक परिवेश भी उपस्थित था। उक्त जानकारी बागौर माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष रितु बाला सोनी ने दी।

सुंदरकांड का किया आयोजन

रतनगढ़। स्थानीय रतनगढ़ माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सामूहिक मासिक सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन उत्तरी राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीकांत सोनी एडवोकेट के निवास पर किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ के समापन के बाद फागोत्सव का भी आयोजन रखा गया। इस मौके पर तहसील मंत्री जयश्री जाजू, जिला संयुक्त मंत्री सरिता चाण्डक, मंजू पेड़ीवाल, रुपाली लड्ढा, चन्दा सोनी सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं।

जागेटिया अध्यक्ष, ईनाणी सचिव बने

भीलवाड़ा। आज़ाद नगर माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव श्री आज़ाद नगर माहेश्वरी भवन में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें प्रदीप जागेटिया अध्यक्ष और शंकर ईनाणी सचिव निर्वाचित हुए। उक्त जानकारी देते हुए चुनाव अधिकारी विनय माहेश्वरी और कैलाश काबरा ने बताया कि इनके साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकिशन सेठिया, उपाध्यक्ष सौरभ सोमानी, वृषभ धुत, कोषाध्यक्ष मनोज चेचाणी, संगठन मंत्री पवन सोनी, वैभव गग्गड़, खेल मंत्री रोहित अजमेरा, संदीप कोठारी, स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश सोमानी, योगेश सोडाणी, सह मंत्री लोकेश सोमानी, ईश्वर अजमेरा, अभय तोषनीवाल, सांस्कृतिक मंत्री श्याम काबरा, निखिल डाड, महावीर काबरा, सूचना एवं प्रसारण मंत्री संजय सोमानी, अर्चित गग्गड़ सहित कार्यकारिणी सदस्यों का चयन हुआ।

आर्थिक सर्वेक्षण पर बैठक सम्पन्न

जयपुर। आर्थिक एवं सामाजिक सर्वेक्षण के नवीनीकरण पर चिंतन हेतु जयपुर जिला माहेश्वरी सभा ने एक अत्यावश्यक बैठक गत 21 फरवरी को जिला सभा कार्यालय में आहूत की। प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी, महासभा कार्यसमिति सदस्य कैलाश सोनी, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र बजाज, जिलामंत्री महेश (गोविन्द) परवाल ने दीप प्रज्वलित कर सभा को प्रारम्भ किया। बैठक में कार्यसमिति सदस्य कैलाश सोनी ने कहा कि जयपुर जिला के सर्वेक्षण के लगभग 5800 प्रपत्रों का प्रिंट निकलवाकर पुनः संशोधन किया जाय तथा जो परिवार प्रपत्र भरने से वंचित रह गये हैं, उनके नये फार्म भरवाये जाऐं। प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी ने कहा कि इस मद में होने वाले व्यय के लिये प्रदेशसभा बीस हजार रुपए जिलासभा को सहायतार्थ देगी। क्षेत्रीय/तहसील, जिला और प्रदेशसभा में सभी की उपस्थिति अनिवार्य कर प्रति वर्ष उपस्थिति का विवरण महासभा को भेजा जायेगा। अतः सभी की प्रत्येक सभा में अवश्य उपस्थिति हो। पुनर्सर्वेक्षण के समय कार्यकर्ता इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जिन परिवारों को जैसी आर्थिक सहायता चाहिये, वे महासभा के प्रेरित ट्रस्टों के फार्म भरकर जिला/प्रदेशसभा को प्रेषित करें।

काल्या का हुआ स्वागत

बूंदी। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अर्थ मंत्री एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा संगठन राजकुमार काल्या का बून्दी आगमन पर माहेश्वरी समाज के विभिन्न संगठनों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान श्री काल्या ने समाज के लोगों को जागरूकता का संदेश देते हुए कहा कि वर्ष 2030 तक समाज के पिछड़े लोगों को मुख्य धारा में लाने का ठोस प्रयास किया जाएगा। माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या कोटा जाते समय अल्प प्रवास पर बून्दी रूके, जहां माहेश्वरी समाजजनों ने ढोल बजाकर व दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य नवरत्न बिल्या, संदीप तोतला और युवा टीम ने श्री काल्या का माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम लाठी, जिला सभा अध्यक्ष चंद्रभानु लाठी, नगर अध्यक्ष भगवान बिरला, महिला मंडल अध्यक्ष संगीता मूंदड़ा, जिला युवा संगठन अध्यक्ष नितेश नुवाल, युवा शहर अध्यक्ष सुमित लखोटिया आदि समाज के कई प्रबुद्धजन मौजूद रहे। अन्त में प्रदेश मंत्री आशुतोष तोतला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुण्य स्मृति में लैंस प्रत्यारोपण

जैसलमेर। जनसेवा समिति एवं जिला अंधता निवारण समिति के संयुक्त तत्वावधान में संस्था द्वारा संचालित बिसानी नेत्र चिकित्सा केंद्र में समिति के 195 वें निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 425 नेत्र रोगियों ने अपनी आंखों की जांच करवाई जिसमें 232 नेत्र रोगियों में मोतियाबिंद पाया गया। ऑपरेशन पूर्व की सभी जांच के पश्चात् 230 नेत्र रोगियों के मोतियाबिंद के सफल लेंस प्रत्यारोपण के ऑपरेशन कर नव ज्योति प्रदान की गई। शिविर स्व. श्री बंशीधर कोठारी की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी रायकंवर कोठारी एवं उनके सुपुत्र समाजसेवी कैलाश कोठारी द्वारा प्रायोजित किया गया। रायकंवर कोठारी चैन्नई का अभिनंदन समिति की ओर से पुणे देवी एवं समाजसेवी कैलाश कोठारी का अभिनंदन अध्यक्ष डॉ. दाउलाल शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर किया। इनके परिवार की ब्रजलता चांडक एवं प्रेमलता घुरका का स्वागत समिति परिवार द्वारा शाल ओढ़ाकर किया गया।

मोतियाबिंद जांच व लेंस प्रत्यारोपण

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा स्व. श्री रामरतन उदयचंद पेड़ीवाल की स्मृति में उनके परिजनों के सहयोग से निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन में हुआ। शिविर में 180 मरीजों की मोतियाबिंद जांचकर 60 मरीजों का चयन नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। सभा ट्रस्ट के कैंप प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि मरीज को सभी प्रकार की व्यवस्थाएं पूर्णता निःशुल्क रहेगी। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने कैंप आयोजक पेड़ीवाल परिवार का नगर की ओर से आभार प्रकट करते हुए अतिथियों का सम्मान किया। राधेश्याम पारीक, माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल, जिला संयुक्त मंत्री सरिता चांडक व तहसील मंत्री जयश्री जाजू ने दीप प्रज्जवलन कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम सहित समाज के योगेश लड्ढा, रामकिशन चांडक, रामअवतार चांडक, दिनेश लाहोटी, महेश जाजू, प्रदीप लड्ढा, राकेश जाजू आदि ने भी अपनी सेवाएं दी।

श्री वैद्यकीय पंचांग का विमोचन

उज्जैन। ऋषि मुनि प्रकाशन उज्जैन द्वारा प्रकाशित नव संवत्सर 2081 के श्री वैद्यकीय पंचांग 2024 का विमोचन श्री राम जन्म भूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी श्रीगोविन्द देव गिरि जी महाराज, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतडा एवं माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति के वरिष्ठ सदस्य रामावतार जाजू के करकमलों से अयोध्या में हुआ। पंचांग के प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने बताया कि यह विगत 5 वर्षों से देश की प्रख्यात आयुर्वेद कंपनी धूतपापेश्वर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो रहा है। यह पंचांग देश के वरिष्ठ पंचांगकर्ताओं द्वारा गणनाओं के लिए प्रमाणित और अनुमोदित किया गया है और उत्तर भारत सहित अन्य कई प्रदेशों में बहुत लोकप्रिय है। यह ग्रह नक्षत्रों की गणना के साथ स्वास्थ्य से जुड़ी कई जानकारियों से परिपूर्ण है, साथ ही यह संग्रहणीय पंचांग है। इस विमोचन समारोह में समाज के वरिष्ठ रविन्द्र राठी, कमल चांडक, श्याम सारडा सहित देश के कई गणमान्यजन उपस्थित थे। प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने बताया है कि इस नए वर्ष के पंचांग में भगवान श्री रामलला के विग्रह स्थापना पर एक नया सम्वत 'श्री रामलला विग्रह स्थापना संवत 01' दर्शाया गया है। इस संवत को प्रारंभ करने का उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ी को रामलला की स्थापना वर्ष स्मरण रहे।

मनासा की बहू बेटियों ने संभाला स्वास्थ्य दायित्व

मनासा। छोटे से शहर की बेटियों ने प्रदेश के नामचीन अस्पतालों की चिकित्सा सेवाओं को संभाला हुआ है और यहां की बहुएं तो अब उस प्रदेश की सीमा के पार तक पहुंच कर देशभर के लिए स्वास्थ्य के बेहतर इंतजाम संभाल रही हैं। समाजसेवी स्वर्गीय श्री नाथूलाल मूंदड़ा के परिवार के वंशज बालकृष्ण मूंदड़ा की पुत्रवधू व डॉ. योगेश मूंदड़ा (एम एस) की धर्मपत्नी डॉ. आयुषी मुंगड़ मूंदड़ा अब चेन्नई के मेडिकल कॉलेज में

(डी एम कार्डियोलॉजी) के पद पर नियुक्ति पा चुकी हैं। मूलत इंदौर के मुंगड़ परिवार की इस बेटी ने मनासा स्थित अपने ससुराल में रहकर राष्ट्रीय स्तर की (नीट एस एस) परीक्षा को उत्तीर्ण कर कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उल्लेखनीय है कि मनासा शहर के बालकृष्ण मूंदड़ा की बेटी डॉक्टर प्राची मूंदड़ा वर्तमान में इंदौर शहर के एक नामचीन अस्पताल (अरविंदो) में नेत्र रोग विशेषज्ञ की हैसियत से सेवारत हैं।

अगर कोई आपको रोकता है, टोकता है, आपका वक्त मांगता है, आपकी केयर करता है, तो आप नसीब वाले हैं। क्योंकि किस्मत वालों को ही फिक्र करने वाले मिलते हैं इनकी कदर कीजिये, एक बार गुम हो जाएँ, तो दोबारा नहीं मिलते।

महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक

अमरावती। श्री महेश सेवा समिति द्वारा महेश भवन स्थित शिव हनुमान मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर रुद्राभिषेक किया गया। डॉक्टर सत्यनारायण कासट (प्रमुख यजमान) के हाथों पूजा अर्चना तथा शिवजी का अभिषेक हुआ। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष आर बी अटल, सचिव प्रवीण कुमार चांडक, कमल किशोर राठी, अजय राठी, अनिल सिकची, हरीश राठी, विजय राठी, डॉ. राजेश बूब, मनीष करवा, रमेश मुरके, श्याम दम्मानी, सपना चांडक, आदि उपस्थित थे। पंडित मोहित ने अभिषेक पूजा कराई। कन्हैया ने प्रसाद वितरण किया।

पैड वूमन बनी श्वेता जाजू

सूरत। मिशन IAS 100 की प्रवक्ता श्वेता जाजू 'सूरत की पैड वूमन' के नाम से पहचानी जाती हैं। गत 10 वर्षों में उन्होंने सूरत शहर के आस पास के 48 से अधिक गांव में 32000 से अधिक महिलाओं एवं स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं, ग्रामीण महिलाओं एवं जेल की कैदी महिलाओं को स्वास्थ्य व मासिक संबंधित विस्तृत जानकारी दी एवं 2 लाख से अधिक सैनिटरी पैड का अनेक संस्थाओं के सहयोग से वितरण करके एक इतिहास रचा है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली अनेक महिलाएं मात्र 10 रुपए में उपलब्ध सैनिटरी पैड भी खरीद नहीं सकती अथवा इसके आरोग्य विषयक महत्व से अनभिज्ञ है। यह महिलाएं कपोल कल्पित अवधारणाओं के कारण अपनी बालिकाओं को भी सेनेटरी पैड इस्तेमाल नहीं करने देती थी। श्वेता जाजू ने माहेश्वरी संगठन, आयुष्मति फाउंडेशन व टीम आशाएं के सहयोग से अथक प्रयास करते हुए ग्रामीण महिलाओं में सेनेटरी पैड का महत्व समझाते हुए 2 लाख से अधिक पैड का वितरण किया। सूरत शहर को स्वच्छता में नं.1 पर लाने में महानगरपालिका की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में भी आयुष्यमति फाउंडेशन एवं टीम आशाएं के सहयोग से अपने सहयोगियों के साथ मिलकर श्वेता जाजू ने महत्वपूर्ण भूमिका सक्रिय रुप से निभाई।

'अक्षरा' की काव्य पुस्तक का विमोचन

जयपुर। संस्था साहित्य मंडल द्वारा गुलाबी नगरी जयपुर की मधु भूतड़ा 'अक्षरा' की प्रथम काव्य पुस्तक 'एक पहल' का विमोचन हुआ। इसमें पाटोत्सव ब्रजभाषा समारोह' में देश भर से हिंदी एवं बृजभाषा काव्य मनीषियों व ख्यात शताधिक साहित्यकारों के मध्य साहित्य मंडल, नाथद्वारा द्वारा तिलक लगाकर, केसरिया दुपट्टा एवं श्री फल देकर भी अक्षरा को सुशोभित किया गया। साहित्य मंडल के प्रधानमंत्री श्याम देवपुरा ने बताया कि जयपुर की अक्षरा को इसी मंच पर पूर्व में 'काव्य कौस्तुभ मानद उपाधि' से भी अलंकृत किया जा चुका है। इस विमोचन में उनके प्रोत्साहन के लिए पति महेश भूतड़ा भी उपस्थित रहे।

झंवर बनी सहकारी समिति अध्यक्ष

मांडलगढ़। इफको की 15वीं सामान्य सभा के उदयपुर क्षेत्रीय आंचलिक सभा के प्रतिनिधियों के चुनाव चित्तौड़गढ़ में आयोजित हुए। इसमें मांडलगढ़ ग्राम सेवा सहकारी समिति की अध्यक्षा इंद्रा विनय झंवर विजय हुई। श्रीमती झंवर लगातार दूसरी बार विजयी होकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व दिल्ली में करेंगी।

क्षेत्रीय युवा संगठन अध्यक्ष का निर्वाचन

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी युवा संगठन अन्तर्गत भीलवाड़ा शहर के सभी 15 क्षेत्रीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष पद हेतु चुनाव सम्पन्न हुये। मुख्य चुनाव अधिकारी रतनलाल मण्डोवरा ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया प्रातः 10 बजे प्रारम्भ हो गई। अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद सचिव, नगर प्रतिनिध एवं जिला प्रतिनिधि का मनोनयन भी कर लिया गया। चुनाव अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद बिड़ला ने बताया कि सभी क्षेत्र के चुनाव अधिकारियों एवं प्रदेश पर्यवेक्षकों के सहयोग से युवा संगठन के सभी क्षेत्रों में अध्यक्ष निर्वाचित हुये। इनमें पुर-विजय पलोड़, बापूनगर-विनय लढ़ा, आजाद नगर-प्रदीप जागेटिया, बसन्त विहार-हर्ष राठी, चन्द्रशेखर आजाद नगर-अंकित सोमानी, काशीपुरी-पुनीत सोनी, सांगानेर-अरविन्द कोठारी, सुभाषनगर-राजेश सोमानी, संजय कॉलोनी-भरत सोडानी, विजयसिंह पथिकनगर-चिराग मण्डोवरा, आर.के.आर.सी. व्यास कॉलोनी -अनूप समदानी, तिलक नगर-सुधीर अजमेरा, भोपालगंज-अंकुर झंवर, पुराना शहर-शिव रतन तोषनीवाल, शास्त्रीनगर-आदित्य मालीवाल अध्यक्ष हेतु निर्विरोध निर्वाचित हुये।

सायक्लोथॉन का किया आयोजन

भोपाल। गत 03 मार्च को CYCLOTHON माहेश्वरी युवा संगठन दक्षिणाँचल भोपाल द्वारा आयोजित किया गया। इसके द्वारा स्वस्थ राष्ट्र के लिए एक सुंदर संदेश प्रेषित किया गया। इस कार्यक्रम में म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष उदित जावंधिया, सचिव डॉ. सुषेन माहेश्वरी एवं भोपाल समाज के वरिष्ठ समाजजन, महिला संगठन एवं युवा साथियों को मिलाकर 200 से अधिक लोग उपस्थित रहे। अध्यक्ष चिन्मय बजाज, सचिव केशव बांगड़ एवं संपूर्ण दक्षिणांचल युवा संगठन टीम जिसमे कुंवर बांगड़, स्वप्निल माहेश्वरी, हितेश झंवर, पुनीत भट्टर, कार्तिकेय बजाज, अंशुल बजाज, मृदुल पलोड, गिरिराज मोलासारिया आदि ने व्यवस्था सम्भाली। सभी प्रतिभागियों के लिए 1 दिन पहले टीशर्ट वितरण रखा था। अंत में स्वादिष्ट स्वल्पाहार का भी आयोजन हुआ।

आरोग्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

नांदेड़। केशरबाई गणेशलाल बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता स्व. श्री रामलाल बाहेती की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित आरोग्य जांच शिविर का द्वितीय चरण गत 3 मार्च 2024 को स्थानीय यशोसाई हॉस्पिटल में प्रारम्भ हुआ। इसके अंतर्गत मेट्रोपोलिस लैबोरेटरी की स्थानिक इकाई द्वारा रक्त एवं मूत्र की विस्तृत जांच तथा तोषनीवाल हॉस्पिटल में ई सी जी की प्रक्रिया का प्रथम चरण और 3 मार्च को विविध फिजिशियन एवं कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा उक्त रिपोर्ट्स के आधार पर प्रत्यक्ष जांच तथा वैद्यकीय परामर्श प्रक्रिया संपन्न हुई। इस प्रकल्प में सभी आयु वर्ग एवं विविध जाति धर्म के लगभग 170 स्त्री-पुरुषों ने अपनी आरोग्य जांच करवाई। कार्यक्रम में संस्थाध्यक्ष निखिल बाहेती, कार्याध्यक्ष गोपाललाल लोया, सेक्रेटरी प्रो. किशनप्रसाद दरक, कोषाध्यक्ष एड. अशोक भूतड़ा, संचालक सीए गोविंद मूंदड़ा, कैलाश बाहेती सहित सभी संचालकों के साथ ही ओमप्रकाश ईनाणी, शिवकुमार तोषनीवाल, कु. श्रुति लोया, अंकित मूंदड़ा, अश्विन धूत आदि ने अथक प्रयास किए।

संसार आपको तभी पहचान सकेगा जब आप संसार को अपनी क्षमताओं से परिचय करायेंगे।

श्री श्याम भजन रस गंगा का आयोजन

जयपुर। क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन ज़ोन 6 द्वारा 9 मार्च को पिंजरापोल गौशाला में खाटू श्याम बाबा के भजनों का एक भव्य आयोजन किया गया। संगठन अध्यक्षा सुलभा सारडा व सचिव अनिला मेघा झंवर ने बताया कि इसमें जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में दर्शकों ने झांकी के दर्शन किए व भजनों का आनंद लिया। संगठन पदाधिकारी डॉ. नूपुर मोदानी व शोभा बजाज ने बताया कि छप्पन भोग की झांकी भी सजाई गई। संगठन की कोषाध्यक्ष हेमलता सारडा ने बताया कि उमेश सोनी, सुमनलता दरगड सहित बहुत से दानदाताओं ने आयोजन के लिए अपना सहयोग प्रदान किया। संगठन की सांस्कृतिक मंत्री सुमन सामरिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश, जिला, माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी महिला मंडल व माहेश्वरी नवयुवक मंडल के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला प्रगति का आयोजन

सूरत। अंतरराष्ट्रीयय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सूरत जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्वयं सिद्धा एवं संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति के अंतर्गत 2 मार्च को ग्रीन वैली हाल में टेक्नोलॉजी की ओर कदम बढ़ाए जिला संगठन 'प्रगति' Learning Club Session -1 कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। भाजपा गुजरात महिला मोर्चा के उपाध्यक्ष रितु राठी, वार्ड अध्यक्ष रश्मि साबू, यशस्वी सिद्धार्थ लखोटिया कूडो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त का सम्मान किया गया। प्रिया सोमानी एवं नेहा साबू द्वारा जीपे व स्वीगी का तकनीकी ज्ञान सिखाया गया। इस सेमिनार को सफल बनाने में सरिता सोमानी, रंजीता कोठारी एवं अंजलि पुंगलिया समिति मेंबर्स का भरपूर सहयोग रहा। वंदना तोषनीवाल को राम कलाकृति के लिए पुरस्कृत किया गया। इनकी यह पेंटिंग अयोध्या में सिलेक्ट हुई है। स्वयं सिद्धा समिति के अंतर्गत एक माहेश्वरी महिला को नई टेक्नोलॉजी वाली सिलाई मशीन दी गई। कार्यक्रम में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की भूतपूर्व अध्यक्ष विमला साबू एवं निर्वत्तमान गुजरात प्रदेश अध्यक्ष उमा जाजू विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में 80 महिलाओं की उपस्थिति रही। स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। उक्त जानकारी अध्यक्ष वीणा तोषनीवाल तथा सचिव प्रतिभा मोलासरिया ने दी।

जनोपयोगी भवन 'आनन्दम' का भूमि पूजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा नवनिर्मित जनोपयोगी भवन 'आनन्दम' का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह गत 06 मार्च को पूर्ण विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। सुप्रसिद्ध 'उत्सव' भवन एवं 'अभिनन्दन' भवन की श्रृंखला में 'आनन्दम' नया जनोपयोगी भवन होगा। समाज अध्यक्ष केदारमल भाला ने बताया कि 'आनन्दम' भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर जल्द ही आमजन हेतु वैवाहिक व अन्य मांगलिक समारोहों के लिए बुकिंग प्रारम्भ कर दी जायेगी। भवन निर्माण समिति के चेयरमैन विष्णु लड्ढा (वैशाली नगर), चेयरमैन (वित्त) राधेश्याम काबरा, सचिव (निर्माण) हरीश मालू, सचिव (वित्त) हरीश भराड़िया एवं समन्वयक विकास मोहता (चित्रकूट) होंगे। महामंत्री मनोज मूंदडा ने बताया कि भूमि पूजन कमल कुमार काबरा-उमा काबरा के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेश-जयश्री काबरा एवं विशिष्ट अतिथि जगदीश प्रसाद–शकुन्तला देवी करनाणी थे। जमनादास मनिहार बैंक्वेट हॉल सहयोगी, प्रदीप कुमार भाला मुम्बई स्वागत कक्ष सहयोगी, राधाकृष्ण कोगटा डायनिंग हॉल सहयोगी एवं सिद्धार्थ मूंदड़ा ऑफिस ब्लॉक सहयोगी हैं। संयुक्त मंत्री बजृमोहन बाहेती ने बताया कि समाज के संरक्षकगण, पूर्व अध्यक्षगण, समाज कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण, मण्डल के युवा साथी व महिला परिषद की मातृशक्ति एवं समाज के अन्य गणमान्यजनों सहित लगभग 400 समाज बंधुओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खरी-खरी...

स्वार्थ के नाते यहाँ पर
स्वार्थ की ही प्रीत है

स्वार्थवश ही निभ रही बस
आज जग की रीत है

बात दिल को जीतने की
बस कहानी रह गयी।

द्वेष जब मन में भरे हों
कौन किसका मीत है

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

राधादेवी काकाणी का मना शताब्दी समारोह

जावरा। जावरा/आलोट क्षेत्र तथा मालवा के वरिष्ठ समाजसेवी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व. श्री मोहनलाल काकाणी की धर्मपत्नी श्रीमती राधादेवी काकाणी के 100वे वर्ष प्रवेश पर वात्सल्य शताब्दी समारोह काकाणी परिवार द्वारा गत 23 मार्च को जावरा स्थित करणावत होटल में भव्यता के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर काकाणी परिवार (लूणी) के सभी सदस्यगण एवं परिवार के स्नेहीजन उपस्थित थे। काकाणी परिवार के सभी सदस्यों ने श्रीमती राधा देवी काकाणी के 100वें वर्ष प्रवेश पर उनका अभिनंदन किया एवं आशीर्वाद प्राप्त कर उनके लिए मंगलकामनाएँ की। इस अवसर पर सुरेश काकाणी ने स्वरचित कविता का अपनी मातुश्री के सम्मान में वाचन कर उनका अभिनंदन किया। इनके साथ ही काकाणी परिवार से जुड़े एवं क्षेत्र के सभी स्नेहीजनों ने भी राधादेवी काकाणी का अभिनंदन किया एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए मंगलकामनाएँ की।

श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक होगा

गणगौर

की उत्कृष्ट फोटो आमंत्रित

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली आपकी पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा माहेश्वरी समाज के परम्परागत विशिष्ट पर्व **''गणगौर''** के सुअवसर पर आगामी अंक **''गणगौर''** पर्व को समर्पित होगा।

इस हेतु आयोजन से संबंधित फोटोग्राफ समाचार के साथ अवश्य प्रेषित करें। इस आयोजन के अवसर पर प्राप्त फोटोग्राफ में से **श्रेष्ठ फोटोग्राफ** को 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के आगामी अंक के कवर पर प्रकाशित कर सम्मानित करेगा। यह सम्मान वास्तव में उस आयोजन को गौरवान्वित करेगा।

-संपादक

★ केवल DSLR केमरे से खींचा हुआ फोटो ही मान्य होगा।
मोबाईल केमरे से खींचा हुआ फोटो मान्य नहीं होगा।
फोटो E-mail : smt4news@gmail.com पर भेजें।

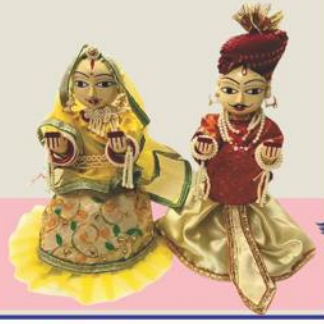

श्री माहेश्वरी टाईम्स

सम्पर्क - 0734-2526761, मो. - 094250-91161
कार्यालय – श्री माहेश्वरी टाईम्स, 90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा सत्र 2022-25 में आरंभ की गई 'महेश अन्न सेवा' का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में स्व. श्रीमती संतोष झंवर की पुण्य स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा गत 28 मार्च को जे. के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, संयोजक शंकरलाल लड्ढा, ओमप्रकाश झंवर, चेतन भंसाली, पंकज काबरा, सोनिया भंसाली, मंजु काबरा, कमल हुरकट, मंजु हुरकट एवं झंवर परिवार सहित समाज के कई गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन आईएएस में स्कॉलरशिप वितरण

भीलवाड़ा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की मिशन आइएएस 100 समिति और बद्रीलाल सोनी ट्रस्ट भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में सिविल सर्विसेस की तैयारी करने वाले 45 युवाओं को प्रति युवा रु. 25,000/- की स्कॉलरशिप प्रदान करने का कार्यक्रम जूम सभागार में ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा भामाशाह रामपाल सोनी के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री सोनी ने स्कॉलरशिप प्राप्त युवाओं को बधाई देते हुए आगामी प्रीलिम्स परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले समाज के सभी युवाओं को अतिरिक्त रु. 30,000/- प्रति युवा देने की घोषणा की। साथ ही मिशन आइएएस 100 से जुड़े सभी युवाओं को आश्वस्त किया कि धन की कमी के कारण किसी भी युवा को लक्ष्य से विचलित होने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही उन्होंने EWS श्रेणी में आ रहे सभी युवाओं जो CSE Prelims की परीक्षा दे रहें है, को तात्कालिक सहयोग राशी के तौर पर रु 11,000 प्रति युवा देने की घोषणा की तथा जरूरतमंद प्रज्ञावान युवाओं को रु. एक लाख तक आर्थिक सहयोग करने की घोषणा भी की। इस हेतु इच्छुक बद्रीलाल सोनी ट्रस्ट के सेक्रेटरी जगदीश प्रसाद कोगटा या मिशन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रो. किशनप्रसाद दरक से संपर्क कर सकते हैं। महासभा के सभापति संदीप काबरा ने सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले समाज के युवाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने हेतु रामपाल सोनी के मार्गदर्शन में रु. 50 करोड़ का विशेष न्यास बनाने का संकल्प दोहराया। मिशन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए श्रीकांत बाल्दी, किशन प्रसाद दरक, कृष्ण कुमारजी भट्टड़, श्वेता जाजू एवं मिशन के अन्य सदस्यों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए संपूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। युवा आईएएस अधिकारी सुश्री राधिका गुप्ता और आईआरएस अधिकारी शांतनु मालानी ने स्कॉलरशिप टेस्ट के आयोजन से संबधित अपने अनुभव साझा किए। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रो. किशनप्रसाद दरक ने मिशन द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उपलब्धि

मान्या को इंग्लिश ओलंपियाड में रैंक

जबलपुर। नेशनल ओलंपियाड फाउंडेशन लंदन के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय इंग्लिश ओलंपियाड में कक्षा 9 की मेधावी छात्रा कु. मान्या माहेश्वरी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 13वीं रैंक प्राप्त की है। इस ओलंपियाड के आयोजन में विश्व के 14 देशों के 4500 से अधिक स्कूलों में अध्ययनरत 1 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। मान्या नगर के समाज सदस्य पंकज माधवी माहेश्वरी की सुपुत्री हैं।

तृप्ति का एमपीपीएससी में चयन

बुलढाणा। जिले के शेगांव निवासी ओमप्रकाश टावरी की सुपुत्री और माहेश्वरी मंडल वाड़ी हिंगना रोड के सदस्य अशोक जाजू की बहू एवं गौरव जाजू की धर्मपत्नी तृप्ति जाजू (दत्तवाड़ी (वाड़ी) नागपुर निवासी) का एमपीसी परीक्षा में स्टेट टेक्स इंस्पेक्टर (रैंक 141) के पद हेतु चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर
ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है
आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता
आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।
smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

नहीं रहे महासभा के पूर्व चुनाव अधिकारी

श्री प्रकाश बाहेती

इंदौर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा में कई दायित्व संभाल चुके वरिष्ठ सेवाभावी व्यक्तित्व श्री प्रकाश बाहेती का गत दिनों इंदौर में दुःखद निधन हो गया। श्री बाहेती पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे। उनके निधन की खबर से पूरे देश के माहेश्वरी समाज में शोक की लहर छा गई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के रूप में आपके कार्य को सर्वत्र प्रशंसा मिली थी। विधान संशोधन समिति के वरिष्ठ सदस्य होने के नाते आपने महासभा के विधान में भी उसे सर्वग्राही बनाने के लिए कई सुझाव दिए और उन पर अमलीकरण भी करवाया। आप म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भी रहे।

महासभा के सभापति संदीप काबरा एवं महामंत्री अजय काबरा ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि समाज एवं महासभा की यह अपूरणीय क्षति है। वरिष्ठ मार्गदर्शक, सहज सरल व्यक्तित्व के धनी, कार्यसमिति सदस्य श्री बाहेती के निधन से समाज ने अपना एक रत्न खो दिया है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला, राजेंद्र ईनानी, रामेश्वरलाल काबरा, गोविंद दास मोदानी, महेश मूंगड़ के साथ ही अनेक प्रदेश सभा के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। महासभा कार्यसमिति सदस्य भरत तोतला, प्रदेश अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी, मानद मंत्री अजय झंवर, संपत मोदानी, महेश लड्ढा, पुष्कर बाहेती, डॉक्टर वासुदेव काबरा, पंकज डागा, सुनील गगरानी, मांगीलाल अजमेर, घनश्याम जाजू, रामस्वरूप बाहेती, शयाम भागड़िया, रूपेश भूतड़ा, विष्णु जेथलिया, नरेंद्र धीरन आदि सदस्यों ने भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित
रीति-रिवाजों के साथ ही
विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा
माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वों गणगौर, सातुड़ी तीज
तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध
~~Rs. 125/-~~
Rs. 100/-

ऋषिमुनि प्रकाशन
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161, 91799-28991
rishimuniprakashan@gmail.com

*महिला संगठनों के लिए विशेष छूट के साथ उपलब्ध

amazon पर उपलब्ध

श्री गोविंद किशोर माहेश्वरी

भरतपुर। माहेश्वरी मंडल समिति जिला भरतपुर के उपाध्यक्ष तथा धर्मार्थ होम्योपैथिक चिकित्सालय के व्यवस्थापक श्री गोविंदकिशोर माहेश्वरी का असामयिक निधन हो गया। माहेश्वरी मंडल समिति सहित समस्त स्नेहीजनों ने अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री सूरजमल तोषणीवाल

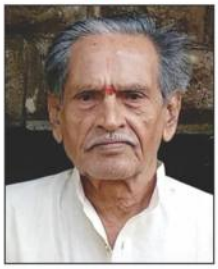

पुणे। समाज सदस्य सत्यनारायण नागोरी के बड़े भाई तथा विनोद एवं प्रमोद तोषणीवाल (नागोरी) के पिता श्री सुरजमल तोषणीवाल (नागोरी) का स्वर्गवास गत 25 फरवरी को हुआ हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री कन्हैयालाल बिन्नाणी

बीकानेर। बिन्नाणी पंचायती ट्रस्ट के भूतपूर्व ट्रस्टी बीकानेर निवासी कन्हैयालाल बिन्नाणी सुपुत्र स्वर्गीय श्री हडमानदास बिन्नाणी का आकस्मिक निधन गत 26 मार्च को बीकानेर में हो गया है। आप अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री ओमप्रकाश गुप्ता (बहेडिया)

कोटा। सूरत अड़ाजन घोड़दौड़ रोड़ माहेश्वरी सभा सूरत के अध्यक्ष, सूरत जिला माहेश्वरी सभा के मीडिया प्रभारी, श्री राम भक्त मंडल सूरत के संयोजक सुनील माहेश्वरी के पिता 87 वर्षीय श्री ओमप्रकाश गुप्ता (बहेडिया) (भूतपूर्व संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां राजस्थान) का गत 3 मार्च को कोटा (राजस्थान) में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे चार भाई, तीन बहिन, दो पुत्र एवं दो पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं।

राजस्थान के उद्गम के कारण माहेश्वरी समाज के लिये भी राजस्थानी पर्व गणगौर विशिष्ट पर्व है। इस पर्व पर शिव-पार्वती की ईशर-गौरी के रूप में पूजा कर उनसे अखंड सौभाग्य की कामना सुहागिनें करती हैं।

■ टीम SMT

सौभाग्य का कामना पर्व गणगौर

भारत में देवी शक्ति स्वरूपा सती, भगवती, पार्वती, उमा, अम्बिका, भवानी, जगदम्बे, गवरजा आदि आदि हैं। विभिन्न प्रांतों में गौरी स्वरूपों और पूजा में भी अंतर दृष्टव्य है। जैसे बंगाल में काली पूजा, महाराष्ट्र में गौरी पूजा, गुजरात में अम्बा, राजस्थान में गणगौर। पार्वती का गौरी रूप भारतीय पौराणिक कथाओं में सुहाग की कामना के लिए विशेष रूप से वर्णित है। जनक सुता सीताजी ने पुष्पवाटिका में गौरी की पूजा करके उनसे मनोनुकूल वर और सौभाग्य की याजना की थी। रूक्मणी ने विवाह पूर्व गौरी की पूजा कर प्रार्थी की कि अम्बिका, माता ऐसा आशीर्वाद दीजिए कि भगवान कृष्ण ही मेरे पति हों। शायद यही भाव रखते हुए गणगौर का पूजन सभी कुंवारी कन्याएं, नवविवाहित वधुएँ व सुहागिन स्त्रियाँ सामूहिक रूप से पूजन करती है। गणगौर का पूजन और व्रत कुंवारी कन्याएं सुयोग्य, मनवांछित पति, स्वस्थ सबल परिवार, उत्तम ससुराल और उज्ज्वल भविष्य पाने की कामना से करती है सौभाग्यवती स्त्रियाँ अपने सुहाग की अखंडता और समस्त श्रीवृद्धि की कामना से करती है।

क्यों है यह ''गणगौर-पर्व''

भारतवर्ष में अन्य तीज-त्यौहारों की भांति गणगौर तीज का भी बड़ा महत्व है। सदियों से राजस्थान वासियो द्वारा गणगौर त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मानाया जाता है। गणगौर 'गण' और 'गौर' शब्दों के मेल से बना है। ''गण'' का अर्थ ''शिव'' और ''गौर'' का अर्थ ''पार्वती'' से किया जाता है परंतु लोक जीवन में गणगौर का अर्थ पार्वती तक सीमित रह गया है। शिव के स्थान पर ईसर शब्द प्रचलित है। ऐसे गणगौर को और भी कई नाम गवरल, गवरजा, गौंरा, गौरादे, गवरी से भी जाना जाता हैं माना जाता है कि गणगौर पूर्वजन्म में सती और ईसर महादेव थे। सती 18 दिन की साधना के बाद गौरी रूप में पुनः जीवित हुई, इसलिए यह त्यौहार 18 दिनों तक पूजने का क्रम आज तक चला आ रहा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने अंततः पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अक्षय सौभाग्य का वरदान दिया और पार्वती ने अपनी सहज करूणा से इस विधि विशेष को संपूर्ण नारी जाति के लिए सौभाग्यशाली विधि के रूप में प्रचलित कर दिया तभी से यह त्यौहार चैत्र बदी प्रतिपदा से चैत्र सुदी तृतीया तक यानी 18 दिनों तक मनाया जाता है।

संस्कृति का भी दर्शन

'खेलण दो गणगौर' भंवर म्हाने पूजन दो गणगौर- इस प्रसिद्ध गीता में गवर का खेलना पूजने से पहले आता है इसीलिए होता है गवर पूजने की पद्धति धार्मिक क्रिया से ज्यादा खेलने जैसी है, बालिकाएँ गवरजा को माता नहीं, बहन मानती है और ईसरजी की साली बनकर उनसे हंसी ठिठोली करती हैं। इन लोग गीतों के माध्यम से कन्याओं में स्कूली शिक्षा के प्रति जागृति जागने जैसा हैं गवरजा बाई चले स्कूल, लगा के फूल, बगल में बस्त, यह गीत कुछ यही प्रेरणा देता है। इनके पूजन के समय गाये जाने वाले गीतों में संगीत का माधुर्य, स्त्री सौंदर्य, साथ ही सामाजिक गूढ़-अर्थ छिपे होते हैं। गवर पूजने के अधिकांश गीत 10-15 पंक्तियों के होते हैं जिन्हें लड़कियाँ पारिवारिक नाम लेकर बार-बार गाती है जो संगीत शिक्षा का वैज्ञानिक रूप ही है। कन्याओं में स्पर्धा होती है सर्वश्रेष्ठ हरे-भरे सुंदर जवारे उगाने की।

व्यवहारिक शिक्षा का समावेश

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह व्यवहारिक शिक्षा का सुंदर रूप है। आठवें दिन ईसर जी पधारते हैं और बालिकाएँ मेहमान-नवाजी की उत्तम शिक्षा प्राप्त करती है। लड़कियाँ स्वयं सजती और गणगौर का भी नखशिख श्रृंगार करती है। श्रृंगार के माध्यम से सांस्कृतिक स्त्री-सुलभ शिक्षा अनजाने में पा सकती है। घूड़ले से प्राप्त नगद राशि से गोठ करना पैसे का सदुपयोग सिखाता हैं साथ ही आपस में मेल-जोल का माध्यम होता है। चौक मांडना, फलड़े चूनना, गर बनाना, घूड़ले घुमाना इन सभी में व्यवहारिक शिक्षा का ही समावेश है। यह त्यौहार बालिकओं का 18 दिवसीय प्रशिक्षण शैक्षणिक शिविर है, जिसमें प्रतिवर्ष नन्हीं-नन्हीं बालिकाएँ सम्मिलित होती है व विवाह तक शिक्षित होकर सुघड़ गृहिणी का रूप ले लेती है। आज के बदलते परिवेश में स्पर्धा के युग में इसका स्वरूप बदलता जा रहा है। स्कूली शिक्षा के बोझ के कारण लड़कियाँ इस मौलिक शिक्षा से वंचित रह जाती है। सभी जागरुक माताओं को इस ओर ध्यान देना चाहिए व सुविधानुसार सांस्कृतिक मूल्यों को समझते हुए बालिकाओं को गणगौर पूजने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

नव विक्रम संवत 2081 का शुभारम्भ

गुड़ीपड़वा

विक्रम संवत् हमारी सनातन संस्कृति की कालगणना का एक उत्कृष्ट गौरवशाली आधार है। इसकी आगामी 09 अप्रैल को गुड़ी पड़वा पर हो रही है, सनातन नववर्ष विक्रम संवत 2081 की शुरुआत। तो आईये करें पूरे उत्साह व अपनी परम्परा के अनुसार इसका शुभारम्भ, पर्व गुड़ी पड़वा मनाकर ।

कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसी दिन से नया संवत्सर भी शुरू होता है। विक्रम संवत की शुरूआत 57 ईसवी पूर्व से हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा शकों पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में इस दिन आनंदोत्सव मनाया गया था। सम्राट विक्रमादित्य ने इस संवत्सर की शुरुआत की थी, इसीलिए उनके नाम से ही इस संवत का नामकरण हुआ है। इस नववर्ष के स्वागत उत्सव को भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है - जैसे कि महाराष्ट्र में 'गुड़ी-पड़वा, जम्मू कश्मीर में 'नवरेह', सिंधियों में 'चेटीचंद', केरल में 'विशु', असम में 'रोंगली बिहू', आंध्र, तेलंगाना तथा कर्नाटक में 'उगादी' और मणिपुर में 'साजिबू नोंग्मा पन्बा चैराओबा'। वर्तमान में उत्तर भारत में भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जा रहा है।

सर्वाधिक वैज्ञानिक है विक्रम संवत

हमारा विक्रम संवत् दुनियाभर की कालगणसना में सबसे अधिक वैज्ञानिक है। यही कारण है कि सूर्य व चंद्र ग्रहण आदि भी भारतीय कालगणना अनुसार होते हैं, न कि पाश्चात्य अथवा अन्य के अनुसार। इसका कारण इसका पूर्ण वैज्ञानिक आधार होना है। नव विक्रम संवत की शुरूआत गुड़ी पड़वा से होती है। खगोल विज्ञान के अनुसार सूर्य अपना भ्रमण या कहें पृथ्वी सूर्य के आसपास अपना पूर्ण भ्रमण इस दिन पूर्ण कर नवीन भ्रमण प्रारंभ कर देती है। अतः इसके अनुसार हर विक्रम संवत वास्तव में इनका पूर्ण भ्रमण ही है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य एक वर्ष में 30-30 अंश की कुल बारह राशियों का परिभ्रमण कर इस दिन पुनः अपनी प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है।

ऐसे करें नववर्ष का स्वागत

नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए- ''हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हो''। दुर्गाजी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को बंदनवार से सजाकर पूजा का मंगल कार्य करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोएं और अपने घर में पूजा स्थल में रखें। सामान्य तौर पर इस दिन हिंदू परिवारों में गुड़ी का पूजन कर इसे घर के द्वार पर लगाया जाता है और घर के दरवाजों पर आम के पत्तों से बना बंदनवार सजाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह बंदनवार घर में सुख-समृद्धि और खुशियां लाता है। गुड़ी पड़वा के दिन खास तौर से हिंदू परिवारों में पूरनपोली नामक मीठा व्यंजन बनाने की परंपरा है, जिसे घी और शक्कर के साथ खाया जाता है। मराठी परिवारों में इस दिन खास तौर से श्रीखंड बनाया जाता है और अन्य व्यंजनों व पूरी के साथ परोसा जाता है। आंध्र में इस दिन प्रत्येक घर में पच्चड़ी प्रसाद बनाकर बांटा जाता है। गुड़ी-पड़वा के दिन नीम की पत्तियां खाने का भी विधान है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नीम की कोपलें खाकर गुड़ खाया जाता है। इसे कड़वाहट को मिठास में बदलने का प्रतीक माना जाता है।

स्वस्थ जीवन का भी आधार

इस समय जलवायु और सौर प्रभावों का एक महत्वपूर्ण संगम होता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर में नए रक्त का निर्माण और संचार होता है। नवसंवत्सर के दिन नीम की कोमल पत्तियों और ऋतु काल के पुष्पों का मिश्रण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, मिश्री, जीरा और अजवाइन मिलाकर खाने से रक्त विकार, चर्मरोग आदि शारीरिक व्याधियां होने की आशंका नहीं रहती है तथा वर्ष भर हम स्वस्थ और रोग मुक्त रह सकते हैं। चैत्र ही एक ऐसा महिना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं फलते-फूलते हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन की मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। अतः इसे औषधियों व वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है और इसीलिए इस दिन को वर्षारंभ माना जाता है।

इतिहास के झरोखे में विक्रम संवत्

▸▸ हिन्दू पंचांग का आरंभ भी गुड़ी पड़वा से ही होता है। कहा जाता है कि महान गणितज्ञ-भास्कराचार्य द्वारा इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, मास और वर्ष की गणना कर पंचांग की रचना की गई थी।

गुड़ी पड़वा शब्द में गुड़ी का अर्थ होता है, विजय पताका और पड़वा प्रतिपदा को कहा जाता है। गुड़ी पड़वा को लेकर यह मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीराम ने दक्षिण के लोगों को बालि के अत्याचार और शासन से मुक्त किया था, जिसकी खुशी के रूप में हर घर में गुड़ी अर्थात विजय पताका फहराई गई। आज भी यह परम्परा महाराष्ट्र और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचलित हैं, जहां हर घर में गुड़ी पड़वा के दिन गुड़ी फहराई जाती है।

▸▸ मान्यता है कि इस दिन दुर्गाजी के आदेश पर ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गाजी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

▸▸ कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था। सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चंद्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि के प्रतीक सूर्य और चंद्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है।

▸▸ स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

▸▸ एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान श्रीराम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।

▸▸ एक अन्य मान्यता है, श्री विष्णु ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।

▸▸ यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर भी प्रारंभ हुआ।

▸▸ मराठी भाषियों की एक मान्यता यह भी है कि मराठा साम्राज्य के अधिपति छत्रपति शिवाजी महाराज ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हिंदू पदशाही का भगवा विजय ध्वज लगाकर हिंदवी साम्राज्य की नींव रखी।

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

आरंभ उत्तम तो कार्य सर्वोतम

अंक आपके पास पहुंचने तक चैत्र नवरात्र के आगमन की तैयारी में आप तन-मन से जुट चुके होंगे।

कैसी है आपकी तैयारी?
क्या है आपकी तैयारी?
क्यों होनी चाहिये ये तैयारी?

चैत्र नवरात्र से शुरू होता है विक्रम संवत का नया साल। महाप्रतापी राजा विक्रमादित्य द्वारा स्थापित पंचाग। नये साल का आरंभ।

1 जनवरी की पूर्व संध्या अब हम नाचते गाते झुमते खाते-खिलाते पुराने साल को बिदा करते हैं और रात के अंधेरे में नये साल का स्वागत करते हैं। सो कौल्ड रिजोल्यूशन पास करते हैं कि इस नये साल में ये करना है और ये नहीं करना है। ये अलग बात है कि चंदा की चांदनी की तरह चार दिन में ही ये प्रतिमाऐं दम तोड़ देती हैं अधिकांशतः। फिर साल भर वही ढाक के तीन पात।

भारतीय त्यौहार मात्र धार्मिक परंपराए नहीं हैं। ये एक जीवन शैली हैं। ऋतुओं, मौसम, कृषि प्रधान संस्कृति के अनुरूप शरीर और खाद्य की सहज सुलभ समागम पर आधारित सर्व अनुकरणीय और स्वास्थ्यप्रद जीवन यापन की सर्वमान्य शैला हैं। नवरात्रि इस शैली की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

राजा विक्रमादित्य उस महान उज्जयिनी राजा थे जो अपनी खगोलीय संरचना में विशिष्ट है। इस भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाने हेतु यहां पूर्व काल से 'जंतर मंतर' के रूप में ये खगोलीय ज्ञान का केंद्र रहा। यहां निर्मित दुआ विक्रम संवत का पंचाग। ऋतु चक्र, मौसम परिवर्तन की आधी-व्याधि को ध्यान में रखते हुए उनके कारगर उपचार।

नवरात्रि (साक का प्रारंभ) एक ऐसा जीवन शैली बनाने का तरीका है जो लोगों को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सक्षम बनता है। सर्वप्रथम ये शक्ति की उपासना है।

साल का प्रारंभ, वर्ष भर हेतु शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शक्ति को समाहित करने का उपक्रम काल चक्र, मौसम के बदलाव पर नौ दिन के उपवास (साल भर ना खाने पीने का झूण दम नहीं) पाचन शक्ति को शीतकाल के अनुरूप बना देते है। दूध, दही, फल का संतुलित आहार शीतकाल के अधिक उर्जावान भोजन के बाद ऋतु चक्र (गर्म मौसम) हेतु आमाशय को थोड़ा विश्राम देकर उर्जावान बना देता है।

घर मंदिर, आस पास की सफाई, धान कटाई के बाद और वर्षा आगमन के पूर्व वातावरण को जीवाणु मुक्त बना देता है।

ध्यान, योग करने से, उपवास व्रत से मन को शांति प्राप्त होती है उष्ण काल की उष्णता का ताप सहने हेतु मन तैयार हो जाता है।

भक्ति भाव, सतसंग और मां आदिशक्ति का पूजन, उनकी शौर्य से भरी कथाएं मन में सकारात्मकता भर देती हैं।

राह जिंदगी की और क्या माँगती है उत्तम स्वास्थ, मन में सकारात्मकता का प्रबल भाव, अपनों का साथ, सत्संग और नई उमंग। तो आइये नववर्ष के लिये नवरात्र का सफल अनुष्ठान करें और पूरे वर्ष हेतु जिंदगी की राह को सहज, सरल, सफल बनायें।

ऊर्जा का उपयोग तभी सही ढंग से हो सकता है, जब इसका प्रवाह सही तथा संतुलित हो। इस कार्य में सहयोग करती है योग की यह मुद्रा।

ऊर्जा प्रवाह को संतुलित करती

महात्रिक मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

क्या है महात्रिक मुद्रा

महात्रिक मुद्रा एक और नाम से भी मशहूर है निचली श्रोणि मुद्रा। यह मुद्रा हमारे पेट के निचले हिस्से से संबंधित स्थितियों के लिए बहुत उपयोगी है। श्रोणि एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र है और जब स्वास्थ्य की बात आती है तो हम अक्सर इस क्षेत्र को नजरअंदाज कर देते हैं। यह मुद्रा इसे स्वस्थ रखने में मदद करती है और इसके आसपास होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचने में मदद करती है।

कैसे करें

इस मुद्रा की दो विधि है। हाथों के अंगूठों और छोटी उंगलियों के अग्रभाग को आपस में मिला लें। अब दोनों हाथों की अनामिका उंगलियों के अग्रभाग को मिला लें। शेष दोनों उंगलियाँ खुली सीधी रखें। दूसरी विधि में अनामिका अंगुली और अंगूठे के शीर्ष भाग को मिला लें तथा छोटी उंगलियों के शीर्ष भी आपस में मिला लें। शेष दोनों उंगलियाँ सीधी खुली रखें। दोनों ही विधियों में केवल अंगूठों, छोटी उंगलियों और अनामिकाओं का प्रयोग होता है। तर्जनी व मध्यमा सीधी रहती है।

अवधिः दोनों मुद्राओं की 7 मिनट, दिन में तीन बार करें।

क्या हैं इसके लाभ

इस मुद्रा का त्रिक भाग (sacral region) पर चमत्कारी प्रभाव पड़ता है। इस भाग में महिलाओं के प्रजनन अंग, पुरुषों की पौरुष ग्रन्थि, मूत्राशय, और पेट का निचला भाग आता है। इसीलिए इसका सभी अंगों पर प्रभाव पड़ता है। इस मुद्रा को मूलबंध और उड्डियान बंध के साथ करने से विशेष लाभ होता है। महिलाओं के मासिक धर्म की समस्याएँ, तीव्र पीड़ा, ऐंठन आदि समाप्त हो जाते हैं। मोनोपॉज के रोग भी दूर होते हैं। आंतों की गतिशीलता बढ़ती है। कब्ज समाप्त होती है। आंतों की पीड़ा समाप्त होती है। मूत्ररोग ठीक होते हैं। पुरुषों की पौरुष ग्रन्थि (prostate gland) की समस्याएँ ठीक होती हैं। बवासीर ठीक होती है। हर्निया में भी लाभ होता है।

बसंती चांडक साहित्य पुरस्कार - वर्ष 2024

माहेश्वरी महिला साहित्यकार इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगी

पुरस्कार : गद्य के लिए रूपये एक लाख एवं पद्य के लिए रूपये पच्चीस हजार

माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जानेवाला प्रथम पुरस्कार है।

बसंती चांडक साहित्य पुरस्कार समिति

बसंती हॉस्पीटल, रामदास पेठ, अकोला - ४४४००५. मो. 8007720747

puraskarsamiti@gmail.com

आज की युवा पीढ़ी के लिये कुल की पहचान माना जाने वाला ''गौत्र'' शब्द अचरज का विषय बन गया है। जबकि कोई भी धार्मिक आयोजन हो उसमें पंडित पुरोहित अनुष्ठानकर्त्ता से उसकी गौत्र का उच्चारण अवश्य ही करवाते हैं। ऐसे में लोग अपने परिवार के वरिष्ठजनों के कहे अनुसार ''गौत्र'' का उच्चारण तो कर देते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते कि आखिर गौत्र है क्या?

आखिर क्या है हमारे गौत्र

जुगलकिशोर सोमाणी
जयपुर

हिन्दू समाज में गौत्र शब्द का अर्थ कुल से होता है। एक आम आदमी समाज द्वारा बनाई गई नीतियों और नियमों का पालन करके ही इस समाज में अपना और अपने परिवार का सम्मान बनाए रख सकता है। गौत्र भी प्राचीन मानव समाजों द्वारा बनाए गए रीति-रिवाजों का हिस्सा है जो यह निर्धारित करते हैं कि कोई व्यक्ति किस पूर्वज की संतान है। एक वंश के सभी वंशज मूल रूप से एक ही पूर्वज से संबंधित होते हैं। गौत्र का महत्व इतना अधिक है कि प्रत्येक पूजा या ऐसे धार्मिक अनुष्ठान में जहाँ संकल्प किया जाता है, पूजा कराने वाले पण्डित जी को यजमान का गौत्र अवश्य पूछना चाहिए। पुराने जमाने के लोग अक्सर उनके गौत्र को जानते थे। आज के लोगों से उनका गौत्र पूछो तो वे आसमान की ओर ताकने लगते हैं। गूगल-युग की यह पीढ़ी या तो धार्मिक कार्यों के प्रति उदासीन हो गई है या इसमें बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है।

पूर्वजों से सम्बंधित है गौत्र

गौत्र का इतिहास बहुत पुराना है। आमतौर पर यह माना जाता है कि गौत्र का संबंध गौमाता और ऋषि-मुनियों से है। इसमें कहा गया है कि जिन ऋषि के पूर्वज शिष्य थे, उनके नाम से कुल का गौत्र सदियों तक चला। जिन ऋषि के पास जिस नस्ल की गौमाता होती थी, उन्ही के नाम का गौत्र बना। जिनका गौत्र ज्ञात नहीं है उनके लिए ज्योतिषी कश्यप गौत्र बनाकर जाते हैं। गौत्र आपके वंश के बारे में बताता है। जो वंश जिस नस्ल की गौमाता का दुग्धपान करता था यानि जिन ऋषि मुनि के सान्निध्य में रहा-वही गौत्र बना। एक गौत्र के स्त्री-पुरुष आपस में विवाह नहीं कर सकते क्योंकि एक गौत्र में आने वाले सभी लोग भाई-बहन कहलाते हैं। मुख्य गौत्रों की बात करें तो 7 गौत्र हैं जो सात ऋषियों के नामों पर आधारित हैं, अत्री, भारद्वाज, भृगु, गौतम, कश्यप, वशिष्ठ, विश्वामित्र आदि। इसी तरह शिष्य परम्परा में गौत्र बनते-बढ़ते गये।

कैसे जानें अपनी गौत्र

किसी भी व्यक्ति का गौत्र उसके पूर्वजों से संबंधित होता है। आपके पूर्वज किस ऋषि से जुड़े हैं, उसी वंश परंपरा के तहत आपका गौत्र निकलेगा। ऐसे में आप अपनी वंशावली में अपना गौत्र देख सकते हैं। सबसे आसान तरीका है कि आप अपने घर के बड़ों से अपने गौत्र के बारे में पूछें। इसके बारे में अपने दादा - परदादा या अपने पिता से पूछें। तीर्थों के पुरोहितों की बहियों से जानें। अपने जागाओं (भाट) की बहियों से जानें। कुछ लोग इंटरनेट के माध्यम से गौत्र खोजने की कोशिश करते हैं। कई साइट्स भी इसे बताने का दावा करती हैं, लेकिन यह सब सही नहीं हो सकता। दूसरा कोई हो ही नहीं सकता जो आपको आपका गौत्र बता सके। बस इतना जान लीजिए कि आपके कुल का नाम इन्हीं आठ ऋषियों में से किसी एक के नाम पर पड़ा है या इनके शिष्यों की परम्परा से पड़ा है। अब ऐसी स्थिति में आपको बस इतना करना है कि किसी पण्डित या तीर्थ पुरोहित या जागा को अपनी वंशावली पुस्तिका दिखानी है, वहीं से आप इसके बारे में पता कर सकते हैं।

मनुर्भव

डॉ. विनोद सोमानी 'हंस'
अजमेर

संस्कारों की पाठशाला है हमारा परिवार। मनुर्भव-वेद में कहा गया। अर्थात मनुष्य बना भाषा भी संस्कारों की पहचान बनती है। भारत में देव वाणी विकसित किया गया। मनुष्य कौन? जो मनुष्यता के संस्थानों से युक्त हो। दूसरों के दुख को अपना समझने वाले, दूसरों के संकट में काम आने वाले मनुष्य ही संस्कारी कहलाते हैं। बोलना, चलना, उठना, बैठना, खाना-पीना, अतिथि सत्कार, आदर, अध्यात्म, श्रद्धा, परिश्रम, धर्म, विनम्रता, भाषा आदि सारे व्यवहार संस्कारों का निर्माण करते हैं। यह सब बालक परिवार से सीखता है। माता-पिता, गुरु, परिजन आदि ये सभी बालक को संस्कार प्रदान करते हैं।

भारत में सोलह संस्कारों का विधान है। इन संस्कारों के माध्यम से जीवन में पवित्रता और सजग चेतना का विकास किया जाता है। हमारे यहाँ संतान उत्पत्ति को जैविक आवश्यकता के आकर्षण की आकस्मिकता नहीं माना जाता है। यहाँ गर्भाधान भी एक संस्कार है। मां को प्रथम आचार्य कहा जाता है। वहीं श्रेष्ठ संस्कार देती है। जीवन जीने की कला सीखाती है। पिता व्यवहार कैसा हो, सिखाता है।

राम का राजतिलक होना था पर मिल गया बनवास पर अच्छे संस्कारों के कारण वे न तो क्रुद्ध हुए और न ही विरोध किया। आदेश पालन उनका संस्कार था। हनुमान में अनुपम साहस, शौर्य और सेवावृत की भावना माता ने ही जगाई थी। कबूतर के प्राण बचाने के लिए अपना मांस काटकर देने वाले शिवि भी हमारे बीच हो चुके हैं। एक बालक आपसे मिलते ही प्रणाम करता है। कुशलक्षेम पूछता है। आपकी सेवा में तत्पर रहता है, शालीनता बरतता है। निःसन्देह वह आपके आशीर्वाद का पात्र बन जाता है। संस्कारहीन बालक आपको आकर्षित नहीं कर पाता।

वर्तमान में बालकों में संस्कारहीनता बढ़ रही है। उसके अनेक कारण हो सकते हैं। आज बालक संस्कारों को 'आउट ऑफ डेट' समझने लगा है। अभिभावक, अध्यापक, समाज, टी. वी., सिनेमा, मैगजीन व विदेशी प्रभाव वाले लोक संस्कारहीनता में सहयोगी बन रहे हैं। पीढ़ियों में मतभेद व दरार उपजने लगी है।

आज हमें चिन्तन करना है। माता-पिता, समाज, मीडिया, सरकार एवं संस्कारवान लोगों को मिलकर बालकों को संस्कारी बनाना है। परिवार की पाठशाला को सशक्त बनाना है। नई पीढ़ी को संस्कार देना हमारा दायित्व है। हम स्वयं आदर्श प्रस्तुत करेंगे तभी बालक उसका अनुकरण करेंगे। यह सब हमें पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए आवश्यक है।

पहले एसिडिटी को उम्रदराज लोगों की समस्या माना जाता था लेकिन वर्तमान में बदलती जीवन शैली ने न सिर्फ युवा बल्कि बच्चों तक को इस समस्या से ग्रस्त कर दिया है। यह एक ऐसी समस्या है, जो कई रोगों का कारण बनती है।

वर्तमान दौर की विकट समस्या

एसिडिटी

हम जो खाना खाते हैं, उसका सही तरह से पचना बहुत ज़रूरी होता है। पाचन की प्रक्रिया में हमारा पेट एक ऐसे एसिड को स्रावित करता है, जो पाचन के लिए बहुत ही ज़रूरी होता है। पर कई बार यह एसिड आवश्यकता से अधिक मात्रा में निर्मित होता है, जिसके परिणामस्वरूप सीने में जलन और फैरिंक्स और पेट के बीच के पथ में पीड़ा और परेशानी का एहसास होता है। इसी हालत को एसिडिटी या एसिड पेप्टिक रोग के नाम से जाना जाता है। सामान्य शब्दों में कहें, तो शरीर में एसिड अर्थात् अम्ल की सामान्य से अधिक मात्रा को ही एसिडिटी कहते हैं। एसिड को बोलचाल की भाषा में कहें तो तेजाब होगा। सोच लें एसिड या तेजाब कितना खतरनाक होता है? जब पेट में इसकी अधिकता रहेगी तो यह आंतों की क्या स्थिति बनाऐगा?

एसिडिटी की सामान्य पहचान

आमतौर पर हर समस्या की तरह एसीडिटी के हमेशा एक जैसे सामान्य लक्षण नहीं होते। फिर भी कुछ निर्धारित लक्षण हैं, जिससे इसे पहचाना जा सकता है। पेट में जलन का एहसास, सीने में जलन, मतली का एहसास, डीस्पेपिसया, डकार आना, खाने-पीने में कम दिलचस्पी, पेट में जलन का एहसास आदि। ये ऐसे लक्षण हैं, जिनकी उपस्थिति एसिडिटी के खतरे की घंटी हो सकती है। ऐसे में किसी योग्य चिकित्सक से परामर्श ले लेना ही अधिक उचित है।

क्या खाऐं-क्या न खाऐं

विटामिन बी और ई युक्त सब्जियों का अधिक सेवन करें। व्यायाम और शारीरिक गतिविधियाँ करते रहें। खाना खाने के बाद किसी भी तरह के पेय का सेवन ना करें। बादाम का सेवन आपके सीने की जलन कम करने में मदद करता है। खीरा, ककड़ी और तरबूज का अधिक सेवन करें। पानी में नींबू मिलाकर पियें, इससे भी सीने की जलन कम होती है। नियमित रूप से पुदीने के रस का सेवन करें। तुलसी के पत्ते एसिडिटी और मतली से काफी हद तक राहत दिलाते हैं। नारियल पानी का सेवन अधिक करें। नींबू और शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से, पेट की जलन शांत होती है।

कुछ आसान उपचार

- **अश्वगंधाः** भूख की समस्या और पेट की जलन संबधित रोगों के उपचार में अश्वगंधा सहायक सिद्ध होती है।
- **बबूनाः** यह तनाव से संबधित पेट की जलन को कम करता है।
- **चन्दनः** एसिडिटी के उपचार के लिए चन्दन द्वारा चिकित्सा युगों से चली आ रही चिकित्सा प्रणाली है। चन्दन गैस से संबधित परेशानियों में ठंडक प्रदान करता है।
- **चिरायताः** चिरायता के प्रयोग से पेट की जलन और दस्त जैसी पेट की गड़बड़ियों को ठीक करने में सहायता मिलती है।
- **इलायचीः** सीने की जलन को ठीक करने के लिए इलायची का प्रयोग सहायक सिद्ध होता है।
- **हरड़ः** यह पेट की एसिडिटी और सीने की जलन को ठीक करता है।
- **लहसुनः** पेट की सभी बीमारियों के उपचार के लिए लहसुन रामबाण का काम करता है।
- **मेथीः** मेथी के पत्ते पेट की जलन डिस्पेप्सिया के उपचार में सहायक सिद्ध होते हैं।
- **सौंफः** सौंफ भी पेट की जलन को ठीक करने में सहायक सिद्ध होती है। यह एक तरह की सौम्य रेचक होती है। यह शिशुओं और बच्चों की पाचन व एसिडिटी से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए भी मदद करती है।

हमारा आयुवेद विश्व का ऐसा प्राचीनतम चिकित्सा शास्त्र है, जिसने हमें कई अचूक औषधियों का ज्ञान दिया है। इनमें से ही एक है, सर्प गंधा जो अपने अद्भूत गुणों के कारण पृथ्वी की दिव्य औषधि मानी जाती है।

पृथ्वी की दिव्य औषधि
सर्पगंधा

कैलाशचंद्र लड्ढा
जोधपुर

सर्पगंधा एक पौधा है, जिसकी जड़ों का रंग पीले या भूरे रंग का होता है। वहीं, इसकी पत्तियों का रंग चमकीला हरा होता है और ये हमेशा तीन-तीन के जोड़े में होती हैं। इसके फूल का रंग सफेद और वायलेट होता है। ऐसा माना जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से सांप नहीं आते हैं। साथ ही इसे सांप के काटने पर दवा की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका वैज्ञानिक नाम रावोल्फिया सर्पेंटिना (Rauvolfia serpentina) है। इसे इंडियन स्नेकरूट के नाम से भी जाना जाता है। सर्पगंधा की जड़ को पीसकर इसके पाउडर को खाने के लिए भी उपयोग किया जा सकता है।

कई रोगों में चमत्कारी

■ **अनिद्राः** सर्पगंधा का उपयोग अनिद्रा की समस्या से राहत पाने के लिए किया जा सकता है। एक शोध के अनुसार, सर्पगंधा में सेरोटोनिन (मूड को बेहतर करने वाला केमिकल) पाया जाता है, जिस कारण यह नींद की गुणवत्ता में सुधार करने का काम कर सकता है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि सर्पगंधा के उपयोग से इंसोमनिया (Insomnia) की अवस्था में राहत मिल सकती है।

■ **उच्च रक्तचापः** शरीर में रक्तचाप के बढ़ने से कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उच्च रक्तचाप की स्थिति में सर्पगंधा का सेवन इसे संतुलित करने का काम कर सकता है। इसके लिए इसमें पाए जाने वाले एल्कलॉइड रक्तचाप के स्तर को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

■ **पेट की समस्याः** पेट की समस्याओं को दूर करने के लिए सर्पगंधा का उपयोग किया जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले एल्कलॉइड के कारण यह पेट की समस्या में लाभ पहुंचाने में मदद कर सकता है।

■ **तनावः** तनाव या Depression के उपचार में सर्पगंधा की जड़ों का प्रयोग किया जाता है।

■ **अनिद्राः** भारतीय सर्पगंधा शरीर को आराम देने, शांत करने और नींद के लिए बहुत अच्छा है। यह अनिद्रा, बेचैनी या सामान्य थकान से पीड़ित लोगों को अपने नियमित कार्य करने की क्षमता प्रदान करता है। अगर आप अनिद्रा के रोगी हैं तो रात को सोने के समय एक चौथाई छोटा चम्मच सर्पगंधा चूर्ण घी के साथ मिलाकर खा लें।

■ **यौन रोगः** विभिन्न यौन समस्याओं में इस जड़ी का विशेष प्रभाव रहता है। इसको छोटी चंदन भी कहा जाता है। इस औषधि के प्रयोग से होने वाले लाभ स्थायी होते हैं और रोग का नाश होता है।

पृथ्वी की संजीवनी
गेंहू के ज्वारे

कभी आपने सोचा है, हमारी सनातन संस्कृति में शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्रि हो अथवा कोई भी धार्मिक अनुष्ठान उसमें गेहूँ के ज्वारे की विशेष रूप से पूजा क्यों होती है? इसके पीछे वैज्ञानिक कारण है। वास्तव में इन ज्वारे में वे महत्वपूर्ण पदार्थ होते हैं, जो इन्हें संजीवनी बूटी बना देते हैं।

गेहूँ के जवारे अर्थात गेहूँ के छोटे-छोटे पौधों की हरी-हरी पत्ती, जिसमें हैं शुद्ध रक्त बनाने की अद्भुत शक्ति, तभी तो इन ज्वारो के रस को 'ग्रीन ब्लड' कहा गया है। इसे ग्रीन ब्लड कहने का एक कारण यह भी है कि रासायनिक संरचना पर ध्यानाकर्षण किया जाए तो गेहूँ के ज्वारे के रस और मानव रुधिर दोनों का ही पी.एच. फैक्टर 7.4 ही है, जिसके कारण इसके रस का सेवन करने से इसका रक्त में अभिशोषण शीघ्र हो जाता है, जिस से रक्ताल्पता (एनीमिया) और पीलिया (जांडिस) रोगी के लिए यह ईश्वर प्रदत्त अमृत हो जाता है। गेहूँ के ज्वारे के रस का नियमित सेवन और नाड़ी शोधन प्रणायाम से मानव शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होकर मनुष्य समस्त प्रकार के रक्तविकारों से मुक्त हो जाता है। गेहूँ के ज्वारे में पर्याप्त मात्रा में क्लोरोफिल पाया जाता है जो तेजी से रक्त बनाता है इसीलिए तो इसे प्राकृतिक परमाणु की संज्ञा भी दी गयी है। गेहूँ की पत्तियों के रस में विटामिन बी,सी और ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

ऐसे है यह वरदान

अगर आप भयंकर बीमारी से ग्रस्त हैं, और आपको लगता हैं के ये बीमारिया आपकी जान लेकर ही छोड़ेंगी और आप दवा ले लेकर थक चुके हो। तो एक बार गेंहू के जवारे का रस जरूर आज़मायें। यह कैंसर किलर हैं, कैंसर के मरीजों को ये नियमित लेना चाहिए। यह मधुमेह के रोगियों के लिए भी वरदान है व खून की कमी को चमत्कारिक रूप से पूरा करता हैं। हृदय रोगियों गर्भिणी महिलाओं के लिए यह वरदान है। यह शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकलता हैं। अतः मोटापे के रोगियों के लिए वरदान हैं। यह शरीर की ऊर्जा को बढ़ा देता हैं, अतः खिलाड़ियों के लिए ये वरदान हैं।

इन रोगों में भी रामबाण

गेहूँ के जवारे का रस त्वचा सम्बंधित रोगो में वरदान हैं। यह शरीर की दुर्गन्ध को भी दूर करता हैं। बुढ़ापे को रोकता हैं व वीर्य की कमी को पूरा करता हैं। इसके सेवन से कोष्ठबद्धता, एसिडिटी, गठिया, भगंदर, मधुमेह, बवासीर, खांसी, दमा, नेत्ररोग, म्यूकस, उच्च रक्तचाप, वायु विकार इत्यादि में भी अप्रत्याशित लाभ होता है। इसके रस के सेवन से अपार शारीरिक शक्ति की वृद्धि होती है तथा मूत्राशय की पथरी के लिए तो यह रामबाण ही है।

काला नमक आमतौर पर हर कीचन में मौजूद वह सॉल्ट है, जो भोजन को स्वादिष्ट बनाता है। लेकिन इसका उपयोग यहीं तक सीमित नहीं है, क्योंकि इसमें मौजूद हैं, 84 ऐसे खनिज जो इसे बनाते हैं, कई रोगों की औषधि।

84 खनिजों का स्त्रोत

काला नमक

काला नमक एक विशेष प्रकार का रॉक साल्ट है, जिसका खनन कई स्थानों से किया जाता है। इसमें सोडियम क्लोराइड जैसे कई कंपाउंड होते हैं, जो इस नमक को रंग और सुगंध प्रदान करते हैं। इसे कई तरह से जाना जाता है, जैसे ब्लैक साल्ट, पिंक साल्ट व रॉक साल्ट आदि। हिमालय से प्राप्त किए जाने की वजह से इसे हिमालयन रॉक साल्ट भी कहा जाता है। ज्यादातर काला नमक का उपयोग दक्षिण एशिया में किया जाता है। आयरन और अन्य खनिजों की वजह से इसका रंग गुलाबी होता है। साथ ही यह कई तरह के स्वास्थ्य लाभ पहुंचा सकता है। काला नमक अपने आहार में शामिल करने से शरीर के कई रोग दूर होते हैं। रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें तो यह कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, हाई बीपी, डिप्रेशन और पेट की तमाम बीमारियों से मुक्ति दिलाता है।

कैसे तैयार करें काला नमक का पानी

एक गिलास हल्के गरम पानी में एक तिहाई छोटा चम्मच काला नमक मिलाकर गिलास को प्लास्टिक के ढक्कन से ढंक दें। गिलास को हिलाते हुए नमक मिलाइये और 24 घंटे के लिये छोड़ दें। 24 घंटे के बाद देखिये कि क्या काले नमक का टुकड़ा (क्रिस्टल) पानी में घुल चुका है।उसके बाद इसमें थोड़ा सा काला नमक और मिलाइये। जब आपको लगे कि पानी में नमक अब नहीं घुल रहा है तो समझिये कि आपका घोल पीने के लिये तैयार हो गया है।

काला नमक का पानी पिने के 13 अद्भुत फायदे

■ नमक वाला पानी मुंह में लार वाली ग्रंथी को सक्रिय करने में मदद करता है। पेट के अंदर प्राकृतिक नमक, हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करता है। इससे खाया गया भोजन टूट कर आराम से पच जाता है। जिससे कब्ज की समस्या से निजात मिलती है और सुबह-सुबह पेट खुल कर साफ होता हैं।

■ यह पाचन को दुरस्त कर के शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे मोटापा कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

■ मासपेशियों के दर्द और जोड़ों के दर्द से यह नमक आराम दिलाता है। आपको एक कपड़े में 1 कप काला नमक डाल कर उसे बांध कर पोटली बनानी है। इसके बाद उसे किसी पैन में गरम करें और उससे जोड़ों की सिकाई करें। इसे दुबारा गरम कर के फिर से दिन में दो बार सिकाई करें।

■ अगर गैस से छुटकारा पाना है, तो एक कॉपर का बरतन गैस पर चढाएं, फिर उसमें काला नमक डाल कर हल्का चलाएं और जब उसका रंग बदल जाए तब गैस बंद कर दें। फिर इसका आधा चम्मच ले कर एक गिलास पानी में मिक्स कर के पियें।

■ क्षारीय प्रकृति होने के नाते यह पेट में जा कर वहा बनने वाले एसिड को काटता है , और सीने की जलन तथा एसिडिटी को ठीक करता है।

■ काला नमक खाने से रक्त पतला होता है जिससे वह पूरे शरीर में आराम से पहुंचता है। ऐसे में आपका हाई कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर ठीक होता है। हाइ बीपी है तो साधारण नमक की जगह पर खाएं काला नमक।

■ काला नमक में पोटैशिमय होता है जो कि हमारी मासपेशियों को ठीक से काम करने में मदद करता है। इसलिये काले नमक को रोजाना खाने में शामिल करें जिससे मसल स्पैजम और क्रैंप ना हो।

■ रिसर्च मे पाया गया है कि काला नमक ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

■ काला नमक छोटे बच्चों के लिए सबसे अच्छा है। यह अपच और कफ की जमावट को सीने से हटाता है। अपने शिशु के भोजन में थोड़ा सा काला नमक रोजाना मिलाएं क्योंकि इससे उनका पेट भी ठीक रहेगा और कफ आदि से भी छुटकारा मिलेगा।

■ अपरिष्कृत नमक में मौजूदा खनिज तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। नमक, कोर्टिसोल और एड्रनलाईन, जैसे दो खतरनाक स्ट्रेस हार्मोन को कम करता है। इसलिये इससे रात को अच्छी नींद लाने में मदद मिलती है।

■ अगर आपको रूसी और बाल झड़ने की समस्या है तो काला नमक और टमाटर का जूस हफ्ते में एक दिन सिर में लगाएं। यह रूसी को दूर करेगा और बालों की ग्रोथ को भी बढ़ाएगा।

■ नमक में काफी खनिज होने की वजह से यह एंटीबैक्टीरियल का काम भी करता है। इसकी वजह से शरीर में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया का नाश होता है।

■ नमक में मौजूद क्रोमियम एक्ने से लड़ता है और सल्फर से त्वचा साफ और कोमल बनती है। इसके अलावा नमक वाला पानी पीने से एग्जिमा और रैश की समस्या दूर होती है।

ऐसे बनता है असली काला नमक

कुछ स्त्रोतों में काला नमक बनाने की विधियां बतायी गयी है। नमकीन पानी में हरड के बीज (गुठली) डाल उबाला जाता है, उबलने के बाद पानी भाप बन कर उड़ जाता है और काला क्रिस्टल नुमा नमक बच जाता है। काले रंग के कारण ही इसे काला नमक कहा जाता है। पीसने पर इसका रंग गुलाबी हो जाता है। रासायनिक रूप से काला नमक सोडियम सल्फाइड होता है। जिसमें खनिज लवण भी होते हैं। इसका उत्पादन सोडियम थायोसल्फेट बनाने के दौरान बाइप्रोडक्ट के रूप में भी होता है। काला नमक बनाने के लिये सेंधा नमक और साजीखार बराबर भाग में ले। साजीखार का उपयोग पापड बनाने में होता है और यह पंसारी की दुकान पर आसानी से मिलता है। इस मिश्रण को पानी मे घोलें। अब इसे धीमी आंच पर गर्म करे और पूरा पानी जला दें। अंत में जो बचेगा वह काला नमक है।

पिछले एक दशक से इवेंट मैनेजर यानि कार्यक्रम प्रबंधक रखने का चलन बढ़ता जा रहा है। शादी ब्याह के रीति रिवाज हो अथवा मुंडन संस्कार, गोद भराई हो अथवा जलवा, आज की स्थिति में तो तीज त्योहार भी इवेंट मैनेजर के बिना आयोजित नहीं किए जाते। आम मान्यता यह है कि इवेंट मैनेजर की नियुक्ति करने से मेजबान अपनी जिम्मेदारियों से काफी हद तक मुक्त हो जाते हैं। कार्यक्रम के आरंभ से अंत तक मेहमानों की तरह मेजबान भी मेहमान बनकर कार्यक्रम का लुत्फ उठा पाते हैं। वहीं दूसरे पक्ष की सोच है कि अनावश्यक रूप से इवेंट मैनेजर रख कार्यक्रम का आयोजन करना अपनी क्षमता को कम आंकना, अपनी जिम्मेदारियों से भागना तथा पैसे की बर्बादी है। यदि समर्थ हैं तो इवेन्ट मैनेजर रखने के स्थान पर पारिवारिक रूप से ही कार्यक्रम की जिम्मेदारी निभाते हुए ऐसे आयोजन किये जाऐं, तो इसमें पारिवारिक समरसता बढ़ती है और सभी को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। ऐसे में वर्तमान दौर में यह विषय कि कार्यक्रम प्रबंधक (इवेंट मैनेजर) रखा जाना उचित है अथवा अनुचित अत्यंत विचारणीय विषय बन गया है। आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

आयोजन में इवेंट मैनेजमेंट करवाना कितना उचित-अनुचित

कहीं जरूरत है तो कहीं दिखावा

आजकल कार्यक्रम सामाजिक हो अथवा पारिवारिक, कार्यक्रम प्रबंधक नियुक्त करने का चलन दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा ह। एकल परिवार में पारिवारिक सदस्यों की संख्या सीमित होने के कारण कार्यक्रम को इवेंट मैनेजर के सुपुर्द करना पड़ता है तो कहीं-कहीं परिवार के सदस्य अगर कार्यक्रम में काम करने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार न हों तो भी इवेंट मैनेजर को नियुक्त करना पड़ता है। धनाढ्य परिवारों में कार्यक्रम प्रबंधक नियुक्त करना एक स्टेट्स सिंबल की तरह भी देखा जाने लगा है। देखा गया है कि सामाजिक और पारिवारिक रीति रिवाजों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर जब आधुनिकता का जामा पहनाकर इवेंट मैनेजर उसको प्रस्तुत करता है तो नई पीढ़ी भी बड़े जोश के साथ उसमें प्रतिभाग करती है, अन्यथा नई पीढ़ी को पुराने रीति-रिवाज ढकोसले से लगते है। यह बात भी सच है कि इवेंट मैनेजर के अनुसार कार्यक्रम को आगे बढ़ाने से मध्यमवर्गीय मेजबान का आर्थिक खर्च बढ़ जाता है। व्यस्त दिनचर्या में किसी भी पारिवारिक सदस्य और दोस्तों को कामों में हाथ बंटाने का समय नहीं है ना ही कोई काम को करने की जिम्मेदारी लेना चाहता है, इसलिए भी कार्यक्रम प्रबंधक नियुक्त करना पड़ता है क्योंकि हर कोई आवभगत चाहता है। बहुत ही गिने चुने लोग ही काम करने के लिए, मेजबान का हाथ बंटाने के लिए, जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार होते हैं। मेजबान का सबकी आकांक्षाओं पर खरा उतरना एक चुनौती सा बन जाता है। सभी मेहमानों को अच्छी से अच्छी आवभगत और मेहमाननवाजी की उम्मीद रहती है, जो कि एक अकेले मेजबान परिवार से संभव नहीं हो पाता है। कार्यक्रम के पहले और बाद में भी अनगिनत हजारों कार्य मेजबान पर होते हैं। इवेंट मैनेजर रखकर मेजबान काफी हद तक कार्यक्रम की सफलता के प्रति निश्चिंत हो जाता है, इसलिए जरूरत और समय की मांग हो तो इवेंट मैनेजमेंट की तरफ रुख करना अनुचित नहीं पर अपनी आर्थिक स्थिति देखकर ही कदम बढ़ाएं।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव

इवेंट मैनेजमेंट सिर्फ मजबूरी

पहले के समय किसी के घर कार्यक्रम होते तो केवल एक परिवार की ही नहीं अपितु पूरे समाज, गांव और रिश्तेदारों की जिम्मेदारी होती थी उन्हें संपन्न करवाना। अधिकतर लोगों का अपना व्यवसाय होता था जिससे वह वर्किंग डे में भी दुकान बंद कर परिचित के कार्यक्रम संपन्न करवाते थे। अधिकतर सामान भी दूसरे के घर से लेकर ही कार्यक्रम होते थे। ना ज्यादा दिखावा ना ज्यादा खर्चा और कार्यक्रम संपन्न हो जाता था। मेहमान भी एक दूसरे के घर रुकते थे। ना आज की तरह गार्डन ना व्यवस्था। ऐसे में परिचय का दायरा बढ़ता था। शादी योग्य बच्चों के संबंध भी इन्हीं कार्यक्रमों में हो जाते थे। आज की शादियों की तरह पार्लर के भी चार-पांच घंटे नहीं लगते थे। घर में ही सभी महिलाएं तैयार हो जाती थी, जिससे कि वह कार्यक्रम के काम में ज्यादा समय दे देती थीं। गाना बजाना भी महिलाएं स्वयं ही करती थीं। अब सब कुछ बदल गया। मेजबान इवेंट मैनेजमेंट के हाथों में सब जिम्मेदारी सौंप कर फ्री हो जाते हैं। कारण कि अब अधिकतर लोग नौकरी वाले हो गए। परिवार के ही कई सदस्य मेट्रो सिटी में बाहर रहते हैं। छुट्टियों में घर का काम करे कि रिश्ते नाते के कार्यक्रम में हाथ बटाएं। अब शादियां पहले जैसे भी नहीं रही। होटल गार्डन में शादियां होती हैं। सभी को अलग-अलग रूम चाहिए। पास के रूम में कौन रिश्तेदार ठहरा है यह भी पता नहीं चलता। समय-समय पर कार्यक्रम अटेंड करते फिर रूम में पैक। मेजबान अकेला सारी व्यवस्था कैसे संभाले। पार्लर में चार-पांच घंटे का समय लग जाता है। थीम बेस कार्यक्रम होने लगे जिसे कई परिवार वाले नहीं कर पाते। व्यवस्था की कमी बताने में परिवार वाले ही प्रथम होते हैं। ऐसे में मजबूरी में इवेंट मैनेजमेंट को करना उचित है, अन्यथा यह पैसे की बर्बादी ही है और पारिवारिक सौहार्द भी खत्म करता है।

❐ **आशा मानधन्या**, इंदौर

वर्तमान दौर में अत्यंत आवश्यक

आज के दौर में इवेंट मैनेजमेंट रखना चाहिए या नहीं तो मेरी तो यही राय है कि यह आज की पारिवारिक, सामाजिक व्यवस्था में अत्यंत आवश्यक हो गया है। आज के दौर में जहां अधिकतर लोग एकल परिवार में रहते हैं और उस परिवार के बच्चे भी जॉब के कारण दूसरे शहर में रहते हैं। ऐसे में ज्यादा दिन की छुट्टी ना मिल पाने के कारण सिर्फ प्रोग्राम वाले दिन ही छुट्टी होती है। पति-पत्नी दोनों सर्विस करते हैं। अतः प्रोग्राम की तैयारी करना संभव ही नहीं होता। ऐसे में इवेंट मैनेजमेंट की मदद से किसी भी प्रोग्राम को कम समय में प्लान कर सकते हैं। समय और भाग दौड़ की बचत होती है। ऑनलाइन ऑर्डर के इस युग में हर कोई समय की बचत चाहता है और साथ ही कुछ नया भी चाहता है। ऐसे में इवेंट मैनेजमेंट की मदद से हम हमारे कार्यक्रम में नयापन ला सकते हैं। यह आज के युग की अनिवार्य आवश्यकता है दिखावा नहीं, क्योंकि शगुन के पल यादगार होते हैं। यदि हम हमारे ही दम पर कार्यक्रम करें तो सब जानते हैं कि घर के कार्यक्रम में नया पहनना, खाना सभी छूट जाते हैं और कार्यों के बोझ तले दबे इंसान अपने कार्यक्रम का आनंद कैसे ले सकते हैं? इवेंट मैनेजमेंट की मदद से हम हमारे घर आए मेहमानों का भी अच्छे से स्वागत कर सकते हैं। हम खुद भी अपने शगुन के पलों को यादगार बना सकते हैं।

❐ **श्रैया सनी सोड़ानी,** उज्जैन

अनुचित है इवेंट मैनेजमेंट

शादी-विवाह के रीति-रिवाज हों या मुण्डन संस्कार, गोद भराई हो अथवा जलवा, आज की तिथि में इन आयोजनों में इवेन्ट मैनेजमेन्ट करवाना उचित नही है। इवेन्ट मेनेजर नियुक्त करने से हम अपने मेहमानों से न तो प्रत्यक्ष रूप से मिल पाते है एवं न ही उनसे फोन पर बात कर पाते है, क्योंकि सारा काम इवेन्ट वाला करता है। इवेन्ट में लाखों रूपयों का खर्च होता है, जो कि फिजुलखर्ची है। इवेन्ट के द्वारा किये गए कार्यक्रमों से हम अपनों से दूर हो जाते हैं व आयोजन केवल एक शोपीस हो जाता है एवं आत्मीयता का अभाव रहता है। अतः मेरी नजर में किसी भी आयोजन में इवेन्ट मैनेजमेंट करवाना अनुचित है।

❐ **कृष्णकान्त बेड़िया,** आलीराजपुर (म.प्र.)

इससे अपनेपन का अभाव

पिछले एक दशक से रहन सहन के साथ साथ दिनचर्या, रीति रिवाजों, तीज त्योहार इत्यादि सभी का आधुनिकीकरण हो गया। इसके परिणामस्वरूप इवेंट मैनेजमेंट व्यवसाय का पिछले वर्ष लगभग 100 बिलियन से भी अधिक का टर्नओवर था। अच्छी बात है कि व्यवसाय के एक नए क्षेत्र में द्वार खुल गए हैं। किंतु इसके साथ ही रीति रिवाजों को निभाने की जगह उन्हें मनाने का प्रचलन बढ़ गया है। हम हर संस्कार में अपनी मौज मस्ती ही ढूंढने लगे। निःसंदेह सभी रीति रिवाज, त्यौहार अपनो के साथ मिलने का, आनंद का, खुशी का उत्सव होता है किन्तु इवेंट मैनेजमेंट के चलते आजकल डेस्टिनेशन नहीं डिस्टेंस त्यौहार, रस्में मनाई जाने लगीं है। जहां इवेंट वाले को तो हम लाखों रुपए सिर्फ नाच गाने, थीम डेकोरेशन, पूल पार्टी के लिए दे देते हैं। लेकिन अपने रिश्तेदारों को बुलाने में उतनी ही कंजूसी बरतने लगे हैं। हर रस्म में हंसी ठिठोली करते हैं, उसका भरपूर मनोरंजन लेना चाहते हैं। सब कुछ इवेंट वाले को देकर हम आने वाले मेहमानों, रिश्तेदारों को भी परायापन महसूस करवा ही देते हैं, क्योंकि आपसे थाली में मनुहार करने भी इवेंट वालों के कर्मचारी ही आते हैं, ना कि घराती। हर रस्म में नाच गाना, फोटो। बस सबका ध्यान इसी ओर होता है। हमारी संस्कृति, हमारे उत्सव, रस्मों की गरिमा कम होती जा रही है एवं उनके पीछे छिपे महत्व को हम भूलते जा रहे हैं। फिर देखा देखी में मध्यम वर्ग भी ऐसा करने पर मजबूर हो जाता है, जो कदाचित गलत है।

❐ **नेहा बिनानी 'शिल्पी'** मुंबई

अंदाज वही ट्रेंड नया

आज से कुछ समय पहले जैसे ही घर में किसी कार्यक्रम की तारीख तय होती थी तो भवन बुक करना है और रसोईया बुक करना है इन दो बातों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, लेकिन आज के इस दौर में इवेंट मैनेजर की हवाएं हर जगह लहराती हुई नजर आ रही है। यह माइंडसेट जिनके यहां शादी है उनका तो है ही लेकिन जो मेहमान बन कर आते हैं, उनका भी पूरी तरह हो चुका है। पहले रीति-रिवाज से काम चलते थे आज रीति-रिवाज को लेकर मौज मस्ती से काम चल रहे हैं। इवेंट ऑर्गेनाइज करना यह गलत नहीं है लेकिन हर इवेंट के लिए इवेंट मैनेजर अपॉइंट करना यह कुछ हद तक पैसों की फिजूलखर्ची है, ऐसा मेरा मत है। इवेंट ऑर्गेनाइज् जरूर कीजिए लेकिन उस इवेंट में अपनी-अपनी क्षमता अनुसार घर वाले ही आगे आकर इवेंट मैनेज करते हैं, तो अपनी कलाओं को विकसित करने का एक सुनहरा मौका मिलता है और काफी हद तक हम अपने धन को फिजूल खर्ची से बचा सकते हैं और अपनी प्रतिभाओं को भी उभार सकते हैं। आज का जो दौर है, वह ट्रेंड इस शब्द के आगे पीछे घूम रहा है। लेकिन कुछ हद तक हम सबकी यह जिम्मेदारी है कि इसी ट्रेंड को कुछ अपनी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु कुछ लोग आगे आकर इस तरह के प्रोग्राम शुरू करें ताकि यह भी एक ट्रेंड बन जाए और समाज में कुछ अच्छा और नया दौर शुरू हो।

❐ **पूनम नंदकिशोर जाजू** मुखेड़ (महा.)

वर्तमान दौर में तो उचित

अर्थशास्त्र में एक अवधारणा है- 'अवसर लागत' जिसका मतलब होता है, किसी चीज को करने के लिए कितने अवसरों का हमें त्याग करना होता है। आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में पैसे से ज्यादा मोल समय का है। आज वर्किंग डे पर छुट्टी लेना आसान नहीं, व्यवसाय को भी छोड़ना मुश्किल हो गया है। आज के समय में पति-पत्नी दोनों सर्विस करते हैं। परिवार में काम करने वाले सदस्य भी आजकल मेट्रो शहरों में रहते हैं। ऐसे में मेजबान कार्यक्रम का काम करें या सबसे मेल-मिलाप करें? इसी कारण मेरी राय में वर्तमान दौर में इवेंट मैनेजमेंट करना उचित है। मेरा मानना है कि हमें अपनी सोच को आज की समस्याओं और अपनी क्षमताओं को देखकर बदलना चाहिए। यह सच बात है कि दस साल पहले तक सामाजिक कार्यक्रम मेल मिलाप का जरिया थे और सभी लोग काम में हाथ बंटाते थे, पर अब जमाना बदल गया है। आज शहरी जीवन पद्धति का चलन है, अपने पड़ोस में कौन रह रहा है, इसका भी पता नहीं होता। एकल परिवार हो गए, ऐसी स्थिति में इवेंट्स मैनेजमेंट आवश्यक है। इससे अनावश्यक कामों से ध्यान हटाकर अपना समय आयोजनों के महत्वपूर्ण पलो में लगाकर कार्यक्रम का और अधिक आनंद लेंगे। समय के हिसाब से हमें अपने आयोजनों को करने के तरीकों में बदलाव करना आवश्यक है।

❐ **शाश्वत मानधन्या,** बैंगलोर

जरूरत अनुसार ही निर्णय उचित

इवेंट मैनेजमेंट का प्रचलन हाल के कुछ वर्षो में चरम सीमा तक पहुंच गया है। सभी एक दूसरे के देखा देखी में इसी चाल में चल रहे हैं। चाहे उनके घर परिवार में काम संभालने वाले लोग हों या ना हों। दिखावे के कारण छोटे से छोटे कार्यक्रम को भी इवेंट को दे दिया जाता है। जबकि बड़े से बड़ा कार्य भी तुरंत हो जाता है, जब अपने साथ हों। इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि इवेंट मैनेजमेंट वालों के लिए भी यह रोजगार है, उनका यह प्रोफेशन है। जिनके घर कोई हाथ बंटाने वाला ना हो या किसी को काम बोलने में संकोच आता हो, सामर्थ्यवान हो इन लोगों की जरुरत इवेंट वालों से पूरा करवाते है। लेकिन यह हमारी समझदारी होनी चाहिए कि जरूरत हो उसी में इवेंट मैनेजमेंट को देना चाहिए। कार्य को संभालने हेतु परिवार और घनिष्ट मित्र बंधु पड़ोसी को भी सहायता के लिए बोल सकते हैं। इससे प्रेम, सामंजस्य व व्यवहारिकता पनपती है, साथ ही अपनत्व भी बढ़ता है। अगर आप पहले से ही अच्छे से बारीकी से प्लानिंग कर लें तो कार्य बहुत सुचारू रूप से व्यवस्थित और सुंदर ढंग से होगा। फायदे भी अनेक होंगे। जैसे हमारे परिवार में एकता बढ़ेगी। इससे हमारे साथ रहने वालों का टैलेंट भी दिखता है। फिजूल खर्च होने वाले रूपये भी बचेंगे। जिससे हम दूसरी जरूरत पूरी कर सकें या किसी की मदद कर पाऐंगे।

❐ **नीरा मल्ल,** पुरूलिया (प.ब.)

समय की आवश्यकता

आज दुनिया इतनी तेजी से भाग रही है कि किसी को भी अपनी खुद की सेहत पर ख्याल देने तक की फुर्सत नहीं है, भले ही यह बात सभी को पता है कि ऐसा करना सही नहीं है। इस धका-धकी की जिंदगी की भागदौड़ में इंसान बहुत सारी बातें समझते हुये भी उनसे दूर भाग रहा है। आज पैसे की कोई कीमत नहीं रही और साथ मे सम्बधों की भी अनदेखी होती रही है। आज ना भाई-भाई के काम आ रहा है, ना बेटे-बेटी माँ-बाप को पूछ रहे है और यही वज़ह है कि हर इंसान चाहकर भी अपने छोटे-मोटे उत्सव या कार्यक्रम इवेंट मैनेजमेंट वालों को सौंपकर निश्चिंत हो रहा है। आज अगर कोई सोच भी ले कि मैं पहले ज़माने की तरह सब अपने घर पर ही करूँ तो ना उसे अपने घरवालों का साथ मिलता है ना परिवार के अन्य सदस्यों का और ना ही पड़ोसियों या मित्र वर्ग का। आज हर व्यक्ति इतना व्यस्त है कि प्रोग्राम भी अटेंड इसलिये करता है कि कल उसके यहाँ भी कोई आएगा। मतलब बहुत साफ है, आज किसी भी फंक्शन में पहले जैसी ना आत्मीयता रही ना एक-दूसरे से लगाव। आज तो किसी के यहां जाना सिर्फ एक औपचारिकता भर होकर रह गई है तो फिर हम कैसे अपेक्षा करें कि कोई अपने घर का छोटा-मोटा कार्यक्रम खुद मैनेज करें और अपनी फ़जीहत करे। आजकल इवेंट मैनेजमेंट वालों को पूरा खाका बनाकर दे देते हैं और घरवाले भी मेहमानों की तरह निश्चिंत होकर प्रोग्राम का आनंद लेते हैं। आज की परिस्थिति इतनी भयावह है कि शादी-ब्याह या शादी की सालगिरह हो चाहे जन्मदिन का फंक्शन सबको अपना स्टेटस बताना भी है और अपने रिश्तेदारों पर अपना रौब जमाना भी है। तब उसके पास इवेंट मैनेजमेंट के अलावा और कोई पर्याय नहीं बचता है क्योंकि रिश्ते-नाते वाले या मित्र लोग सभी समय पर आएंगे और चेहरा दिखाकर निकल जायेंगे तब फंक्शन की बाकी व्यवस्था कौन देखेगा?

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,** सुरेंद्रनगर

परिस्थिति अनुसार हो निर्णय

वर्तमान में सभी की दिनचर्या व्यस्त होती जा रही है। ऐसे में किसी आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए इवेंट मैनेजर रखे जाते हैं। इसमें कोई बुराई नही है। क्योंकि समय के अभाव में जब आयोजन में कोई कमी रह जाती है, तो लोग उस आयोजन की आलोचना करते हैं। इस प्रकार उसमें लगा हुआ धन लोगों में सराहना नहीं बल्कि आलोचना लाता है तो ये अधिक उचित है कि उस व्यक्ति को जिम्मेदारी दी जाए, जो व्यवस्थित रूप से आयोजन करवा सके। पहले सभी परिजन बड़े आयोजन में सहायता करते थे, इसलिए किसी बाहरी प्रबंधक की आवश्यकता नही होती थी। किंतु आजकल सभी व्यस्त हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि इवेंट मैनेजर रखना व्यर्थ का खर्च है, पर ऐसा हमेशा नही होता। आजकल बाजार बहुत बड़ा हो गया है, इसलिए हर व्यक्ति को हर वस्तु, भवन के मूल्य की जानकारी नही होती। जबकि इवेंट वाले खुद का शुल्क लेते हैं किंतु दूसरी चीजों में बचत करवा देते हैं। एक समस्या अवश्य है कि जब आयोजन प्रबंधक अपने द्वारा किए गए पुराने महंगे आयोजन की झलक दिखाता है, तब हम होड़ के चक्कर में अपना बजट बिगाड़ लेते हैं, इस प्रवृत्ति से बचना चाहिए। एक बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि परिजन और मित्रों को निमंत्रित करने का कार्य स्वयं ही करना चाहिए, क्योंकि जब हम स्वयं उनको निमंत्रित करते हैं तभी अपनापन दिखाई देता है। आयोजन में भोजन की शुद्धता आदि स्वयं जाँचनी चाहिए। कुछ बातों का ध्यान रखें तो उत्सव प्रबंधक रखने में कोई बुराई नही है।

❐ **नम्रता माहेश्वरी पाली,** राजस्थान

सर्वथा अनुचित नहीं है इवेंट मैनेजमेंट

सर्वथा अनुचित नहीं है इवेंट मैनेजमेंट। यह एक व्यवसाय है, मध्यमवर्गीय के लिए यह अनुचित और फिजूल खर्ची साबित हो सकता है। लेकिन इसमें बहुत से लोगों ने अपना कॅरियर चुना है। व्यक्ति कमाई के हिसाब से काम करता है। मैनेजमेंट चलन नहीं बल्कि समय की मांग है। मैनेजमेंट की वजह से मेजबान टेंशन फ्री होकर मेहमानों की मेहमाननवाजी कर सकता है। बड़ी-बड़ी संस्थाएं इस व्यवसाय में जुडी हैं। इसमें व्यवहार कुशलता एवं कम समय में ज्यादा पब्लिक समन्वय तथा संवर्धन का ज्ञान मिलता है। इसमें पैसा भी बहुत है। प्रोग्राम को आकर्षक बनाने के लिए पूर्ण प्लानिंग करने का काम मैनेजमेंट का होता है। यह एक टीम वर्क है। इसमें कम्युनिकेशन स्किल होता है। जरूरतमंदों को रोजगार मिलता है। किसी की गुलामी ना करके खुद का स्वतंत्र व्यवसाय कर सकते हैं। हमारे किसी भी प्रोग्राम में हम पर्सनली इंवॉल्व होते हैं तो मेहमान नवाजी में कमी आ जाती है और अगर यही काम किसी मैनेजमेंट को देते तो बिंदास एंजॉय कर सकते हैं। यहां बात सिर्फ शादी, सगाई, बर्थडे तक ही सीमित नहीं है। यह बिजनेस को भी सफल बनाने में मददगार साबित होते हैं। आजकल मेहमान हर प्रोग्राम में समय पर आते हैं और व्यवस्था न होने पर नाखुश होते हैं। ऐसे में यदि थोड़ा खर्चा कर मैनेजमेंट द्वारा प्रोग्राम करें तो इसमें बुराई नहीं है अपितु प्रोग्राम को सही दिशा में आगे बढ़ने के कारण उसका लुफ्त उठा सकते हैं। इसमे कोई बुराई नहीं है।

❐ **मीना कलंत्री,** मुंबई

परिस्थिति के अनुसार लें निर्णय

आयोजन में इवेंट मैनेजमेंट आज के समय की मांग है। जो कम समय में रीति-रिवाज के साथ कार्यक्रम को उमंग उत्साह से भर देते है। आजकल मेहमान भी नये-नये ईवेंट से आकर्षित होते हैं, जिससे मेजबान भी हर चेहरा मुस्कुराता देखकर प्रफुल्लित होता है। साथ ही अपने दोस्तों और रिश्तेदार के साथ समय बिताकर वो स्वयं भी कार्यक्रम का आनंद लेता है। इवेंट वाले कार्यक्रम को रंगारंग बनाकर सभी मेहमानों को मस्ती करवाते है। जिसे नाचना गाना नहीं आता उसे भी थिरकने पर मजबूर कर देते हैं। ये भी सच है कि इवेंट मैनेजमेंट से जो परिवार वालों के साथ की मस्ती थी वो लुप्त होती जा रही है। कार्यक्रम की जिम्मेदारियां निभाने से परिवार वाले भी समय की कमी की वजह से दुरियां बनाते हैं। उन्हें भी इवेंट मैनेजमेंट अच्छा लगता है। अगर पैसा देकर काम सुचारू रूप से हो रहा है तो इवेंट मैनेजमेंट बुरा नहीं है बस होड़ से पैसे की बर्बादी हो रही। इससे पैसे वालों पर असर नहीं होता है, लेकिन मिडिल क्लास वालों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों को अपनी सोच बदलनी होगी। बिना इवेंट मैनेजमेंट के भी शादी-ब्याह जैसे खुशियों भरे कार्यक्रम अच्छे हो सकते हैं। जहाँ परिवार का साथ है वहाँ परिवार वाले ही इवेंट मैनेजमेंट वाले होते है। इवेंट मैनेजमेंट करवाना परिस्थिति के अनुसार उचित-अनुचित दोनो हैं।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

मजबूरी है इवेंट मैनेजमेंट

पुराने जमाने में सगाई, शादी के गीत, गोद भराई, नामकरण वगैरह कार्यक्रम बिना किसी भी लाभ लगाव के सपाट होते थे। उसमें रीत-रिवाज के सब काम होते थे। धीरे-धीरे इसमें मनोरंजन का महत्व बढ़ गया। उसके बगैर कार्यक्रम करना तो बोरिंग जॉब हो गया। सब महिलाएं कार्यक्रम कैसे यथा तथा था, इस बात की चर्चा करती रहती हैं। इसलिए मुख्य कार्यक्रम मनोरंजन बन गया और रीत रिवाज सुविधानुसार पालन किये जाने लगे। इसके लिए शुरू में परिवार या समाज के परिचित व्यक्ति पर यह जिम्मेदारी सौंपी जाती थी। धीरे-धीरे लोग - विशेषतः महिलाएं ज्यादा व्यस्त हो गई। जॉब छोड़कर दूसरी बातें करना उनके लिए कठिन हो गया। किसी के लिए समय निकालकर मदद करना बंद हो गया। इसलिए फिर कार्यक्रम की जिम्मेदारी इवेंट मैनेजमेंट पर सौपी जाने लगी। व्यक्तिगत तथा घरेलू कार्यक्रम इनके द्वारा होने लगे; जिससे यजमान का काम का बोझ तथा मन का तनाव भी कम हो गया और कार्यक्रम भी निर्दोष, सुचारू रूप से संस्मरणीय होने लगे। इसमें मुख्य कार्यक्रम के बजाय मनोरंजन का महत्व बढ़ गया। शादी सादके गीतों के बजाय लोग मनोरंजन में ही खुश रहते हैं। फिर गीत गाना एक औपचारिकता बन जाती है। इच्छा हो ना हो इवेंट मैनेजमेंट का महत्व बढ़ गया है और यह व्यवसाय फूल फल रहा है।

❐ **डॉ. कमल अशोक काबरा,**
मलकापुर, जिला बुलढाणा

सही
जन्म कुण्डली
ही बता सकती है सही
भविष्य

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स
90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com

जन्म कुण्डली की सुक्ष्म गणनाओं के लिए विश्वसनीय नाम

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी

१२ ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान।

खुश रहें - खुश रखें

गलती की है तो सजा जरूर मिलेगी, लेकिन सच का साथ नहीं छोड़ेंगे तो सजा से तकलीफ कम होगी

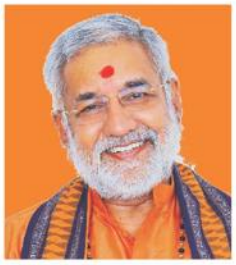

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - स्वामी विवेकानंद को बचपन से ही बातचीत करने का बहुत शौक था। जब वे विद्यार्थी थे, तब भी वे अपने साथियों को कहानी, किस्सा या कोई दार्शनिक बातें सुनाया करते थे। बचपन में उन्हें नरेंद्र के नाम से जाना जाता था।

एक दिन वे अपनी कक्षा में साथी विद्यार्थियों से बात कर रहे थे। वे बहुत तेज बोलते थे। अन्य विद्यार्थी उनसे कुछ प्रश्न पूछ रहे थे। उसी समय उनके शिक्षक ने कक्षा में प्रवेश किया। शिक्षक इस बात से नाराज हो गए कि कक्षा में इतना शोर क्यों हो रहा था और कौन जोर-जोर से बोल रहा था?

सभी विद्यार्थियों ने नरेंद्र की ओर इशारा कर दिया। इसके बाद शिक्षक ने सभी विद्यार्थियों से कहा- 'कक्षा पढ़ाई के लिए होती है, बातचीत के लिए नहीं। मैं कुछ प्रश्न पूछ रहा हूं। जो उत्तर नहीं दे पाएगा, उसे दंड मिलेगा।'

शिक्षक ने जब प्रश्न पूछे तो लगभग सभी विद्यार्थियों ने गलत उत्तर दिए। सिर्फ नरेंद्र ने सही उत्तर बताए थे। शिक्षक समझ गए कि ये एक बच्चा पढ़ाई में मन लगा रहा था, बाकी सभी शोर कर रहे थे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को खड़ा कर दिया। सारे विद्यार्थी बेंच पर खड़े हो गए तो शिक्षक ने देखा नरेंद्र भी बेंच पर खड़ा है।

शिक्षक ने कहा- 'नरेंद्र तुम्हें खड़ा नहीं होना है। तुम पढ़ने-लिखने वाले हो और तुमने उत्तर भी सही दिया है। तुम बैठ जाओ। दंड इनको मिलना चाहिए जो शोर कर रहे थे। पढ़ नहीं रहे हैं।'

नरेंद्र ने कहा- 'गुरुजी, सच तो ये है कि उस शोर में सबसे ऊंची आवाज मेरी ही थी। मैं ही इन लोगों से बात कर रहा था और कहानी सुना रहा था। अगर इस बात का दंड इन्हें मिल रहा है तो ये दंड मुझे भी मिलना चाहिए।' इस बात से शिक्षक बहुत प्रसन्न हुए।

सीख - जीवन में कभी भी झूठ का सहारा न लें। हमेशा सच का साथ दें। अगर कोई भूल हो जाए तो उसे स्वीकारें। दंड से घबराएं नहीं। जो लोग गलती होने पर उसे स्वीकार कर लेते हैं और सच्चाई को नहीं छोड़ते हैं, वे कठोर दंड भी आसानी से सहन कर लेते हैं।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

विविध मॉकटेल्स

ट्रॉपिकल स्ट्रोम

सामग्रीः ऑरेंज जूस, पाइनएप्पल जूस, और अमरूद का जूस प्रत्येक तीन-तीन बड़े चम्मच। आइसक्रीम का एक स्कूप

विधिः इन सबको पानी के साथ मिक्स करके ऊपर से वैनिला आइस क्रीम डालकर सर्व करें।

ऑरेंज मिंट

सामग्रीः खस सिरप 30 एम एल, ऑरेंज जूस 150 एम एल, आइस क्रश किया हुआ, जितना ग्लास भरना है उतना फेंटा या फिर मिरांडा। सजाने के लिए पुदीने के पत्ते।

विधिः खस सिरप, ऑरेंज जूस और क्रश आइस मिलकर गिलास में डालें ऊपर से मिरांडा या फेंटा डालकर पुदीने के पत्ते से सजाकर चिल्ड सर्व करें।

स्ट्रॉबेरी ऑन आइस

सामग्रीः स्ट्रॉबेरी क्रश 4 बड़े चम्मच, गिलास में भरने जीता स्प्राइट, दो-तीन बूंद नींबू का रस, क्रश किया हुआ आइस आधा गिलास।

विधिः गिलास के तले में स्ट्रॉबेरी क्रश डालना ऊपर से क्रश किया हुआ आइस डालकर नींबू का रस डालिए, ठंडा-ठंडा स्प्राइट उसमें डालना और सर्व करना।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

लुक बिफोर यू लीप

खम्मा घणी सा हुकुम... आजकल रे डिजिटल युग में, सोशल मीडिया आपारे जीवन रे हर क्षेत्र में एक छाप छोड़ दी है। इण दौर में, सोशल मीडिया पर औपचारिक प्रेम या 'डिजिटल प्यार' एक विवादास्पद विषय बण ग्यो है। इण विषय माथे गहराई सूं विचार करां कि सोशल मीडिया पर औपचारिक प्रेम कांई है..? इना प्रभाव, और दुष्परिणाम कांई हैं..?

सोशल मीडिया पर औपचारिक प्रेम रो अर्थ है वो प्रेम जो ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर हुवें, ज्यों कि फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यो प्रेम आमतौर पर चैटिंग, फोटोज, शेयर करने आगे बढ़े। हुकुम ईनो एक सकारात्मक पहलू है यों कि इणमें लोगों ने विश्वास, आत्मसमर्पण, और संबंधों में अधिक समर्पित करणो आ जावे।

सोशल मीडिया रे माध्यम सूं, लोग पार्टनर रे साथे बातचीत कर सके, प्रेम री भावना व्यक्त कर सके,और कई बार रिश्ता भी बण जावें। दूसरों, लोगों ने देश रे हर कोने-कोने सूं एकत्र कर देवे और जिणमें व्यक्ति रे विचारों और अनुभवों ने साझा करने रो अवसर मिल जावें।

लेकिन इने साथे ही, इना दुष्परिणाम भी हैं। अठे आत्मसम्मान, सामाजिक आवाज, और अन्य लोगों री भावनाओं रो हर आम व्यक्ति अनादर कर सके।

हुकुम लोग अक्सर सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल ने एक आदर्श जगह के रूप में दिखावें, जिणमें केवल प्रेम और समृद्धि की छवियाँ दिखाई जावें। जठे औपचारिक प्रेम ने सोशल मीडिया रे माध्यम सुं समर्थन भी मिळ जावें। लोग आपरे संबंधों ने यूँ दिखावें कि लागे रिश्तों में बहुत मजबूती हैं जबकि असल जीवन मे बोलचाल भी न रे बराबर हुवें और कई बार सामाजिक आत्महत्या के खतरे भी बढ़ा देवे।

हुकुम, सोशल मीडिया पर औपचारिक प्रेम रे साथे, आपाने यों समझणों चहिजे कि यों एक डिजिटल प्लेटफार्म है, जो केवल संबंध जोड़न रो एक छोटा हिस्सों है। आपाने वास्तविक जीवन में भी संबंधों ने महत्व देवणो चहिजे और ऑनलाइन प्रेम री तुलना में अधिक मौलिक संबंधों ने बणायों राखणो चहिजे। अठे औपचारिक प्रेम एक दोहरो तलवार री तरह है - एक और व्यावसायिक तरीके सूं जोड़ सके उठेई एक और अपणे संबंधों सूं दूर भी कर सके। आपाने संतुलन बणाने रखण री जरूरत है इने सही ढंग सूं उपयोग करने, आपा संबंधों ने मजबूत बणा सका और स्वस्थ्य और सकारात्मक संबंधों रो आनंद ले सका।

अंत में एक बात जरूर केवणी चाहूं कि सोशल मीडिया माथे फोटुवां भी कम उम्र री हूँ सके। व्यक्ति सूं प्रेम करण सूं पेली विने मिळो जरूर। हुकुम पेली पतो करों यों फूल असली है या प्लास्टिक रो। अति उत्साह में आप उलझ सकों। अठै अंग्रेजी रो सिद्धांत ***लुक बिफोर यू लीप*** यानी पेला जांच परख लो पछे आगे बढ़ों प्रासंगिक है। हुक्म अठे सावचेती जरूरी है अन्यथा सारा स्वप्न धूल धूसरित हूँ सके।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- कुछ फासले एहसासों के होते है दरमियां,
  सब साथ तो होते है पर साथ नही होते।
- दिल की बैचैनी को भीतर कहीं दबाया जाता है,
  बहते आंसू यूं ही बेआवाज नहीं होते।
- असलियत सबकी मुश्किलात में दिखती है,
  जब कई खासमखास तेरे आस पास नहीं होते।
- शिकवा नज़र का है, इसे नज़रों से समझ लो,
  मन के रागों के अल्फाजों में इज़हार नहीं होते।
- भरोसों की इमारतें हकीकत में दरकने लगती है,
  जब जिंदगी के मौसम खुशगवार नही होते।
- मौसम तो मौसम है, हौसलों से बदल ही जाते है,
  अब इन छोटी छोटी बातों के असरात नहीं होते।

कार्टून कौतुक

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह महीना मिश्रित प्रकार के फलों को लेकर आएगा। आपकी आय में वृद्धि होगी और खर्च भी बड़े हुए रहेंगे। स्वास्थ्य में कोई खटपट बनी रहेगी। जो जातक व्यापार करते हैं उन्हें अनुकूलता मिलेगी। नौकरी करने वाले जातकों को कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अनुकूल नहीं है अपनी विशेष केयर करें, कमर से संबंधित कोई समस्या व आंख सर्जरी के योग बन सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कृपया अपने जीवन साथी की बातों को सहानुभूति पूर्वक सुने। कुटुंबियों से वाद-विवाद संभावित है।

वृषभ

आर्थिक दृष्टि से वृषभ राशि के जातकों के लिए यह महीना अनुकूलता लिए हुए आ रहा है। लाभ की पर्याप्त संभावनाएं हैं। बहुत लंबे समय से जो चाह रहे हैं, उसे क्रियान्वित होने का समय आ रहा है। कार्यक्षेत्र की दृष्टि से समय अनुकूल है किंतु सहकर्मियों से वाद-विवाद एवं कहासुनी हो सकती है, इसके प्रति सजग रहें। कार्यक्षेत्र में विस्तार होगा एवं व्यापार बढ़ेगा। पाचन संस्थान से संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। पर्याप्त नींद निकालें एवं व्यायाम करें। दांपत्य जीवन की दृष्टि से यह महीना चुनौतीपूर्ण है। आपके पार्टनर से आपके वाद-विवाद हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। कुटुंबियों से मनमुटाव संभावित है।

मिथुन

आपके लिए यह महीना कर्म क्षेत्र की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण रहेगा। लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण आपका मनोबल कुछ गिरा हुआ रहेगा। आपके कार्यों को सराहना नहीं मिल पाएगी जिससे आप अवसाद में रहेंगे। वरिष्ठ मार्गदर्शकों एवं सहयोगियों के सहयोग से आप अपने आपको बरकरार रख पाएंगे। व्यापार कर रहे हैं, तो कम प्रयास में अधिक सफलता और उससे अधिक लाभ प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। एक दूसरे को ठीक से समझ पाएंगे।

कर्क

आपके लिए यह महीना कर्म की दृष्टि से बहुत सुंदर रहने वाला है। इस महीने आपकी कार्य शैली में एक विशेष सुंदरता देखने को मिलेगी। आप काफी परिपक्व ढंग से अपने कार्य को अंजाम देंगे, जिसके फलस्वरुप आपको अनेक सफलता मिलेगी और सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा धन लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे। जो जातक इस महीने धन निवेश करने की सोच रहे हैं, उनको बहुत सतर्क रहना होगा। निवेश की दृष्टि से अभी समय अनुकूल नहीं है। ब्लड प्रेशर से संबंधित समस्या एवं पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है, अपना ध्यान रखें। इस महीने आपको आपके जीवन साथी और ससुराल से संबंधित किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

सिंह

व्यापार करने वाले एवं नौकरी पैसा दोनो ही प्रकार के जातकों के लिए यह महीना चुनौतीपूर्ण रहेगा। नौकरी करने वाले जातकों के कार्य क्षेत्र में वाद-विवाद स्थान परिवर्तन इत्यादि संभावित हैं। वहीं दूसरी ओर व्यापार करने वाले जातकों के साझेदारों एवं सहयोगियों से मन मुटाव संभावित हैं। इस महीने व्यापारियों को अपने आपको बरकरार रखने के लिए बहुत मेहनत करना पड़ेगी। आपको धन निवेश करने से इस महीने बचना चाहिए। आकस्मिक रूप से घाटे की संभावना है। खर्च बढ़ा हुआ रहेगा, उस अनुपात में आय नहीं होगी। स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा। अपने आहार पर विशेष ध्यान रखें। पारिवारिक एवं दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

कन्या

कर्म की दृष्टि से यह महीना आपके लिये मिले जुले परिणाम वाला रहेगा। अतः सतर्कता बरतें। महीने के शुरुआत में भी कुछ समस्याएं आएंगी, किंतु महीने के अंत तक समस्या अपने आप दूर हो जावेगी। शत्रु सक्रिय हो सकते हैं। महीने के पहले सप्ताह में दांपत्य जीवन तनाव ग्रस्त रहेगा, शेष सप्ताह में दांपत्य में आई गलतफहमियां दूर हो जावेगी

तुला

इस राशि में जन्मे जातकों के लिए यह महीना शुरुआत में थोड़ा कमजोर है। तनाव बढ़ा हुआ रहेगा। साझेदारों से संबंध बिगड़े हुए रहेंगे। दांपत्य में मनमुटाव रहेगा। जो जातक नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अनुकूलता रहेगी। व्यापार करने वाले जातकों को व्यापार की वृद्धि के लिए यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। विदेश से संबंधित कार्य करने वाले जातकों को विदेश जाना पड़ सकता है। महीने की मध्य तक स्वास्थ्य संबंधी समस्या रहेगी। पर्याप्त व्यायाम पर भी ध्यान दें एवं योग प्राणायाम करें।

वृश्चिक

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना मध्यम रहेगा। नौकरी में बदलाव हो सकता है। नौकरी को खतरा भी हो सकता है, इसलिए सावधानी पूर्वक अपने कार्य क्षेत्र में लगे रहें। व्यापारी जातक जो कि विदेश से संबंधित व्यापार व्यवसाय करते हैं, उन्हें प्रचुर लाभ होगा। व्यापारियों के शासन संबंधी कार्य आसानी से हो जाएंगे। आय में वृद्धि होगी तथा घर-परिवार में शुभ मांगलिक कार्य होंगे। इन पर पर्याप्त धन व्यय होगा। कोई बड़ा निवेश करने से इस महीने बचना है।

धनु

धनु राशि के जातको के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। विशेष कर नौकरी पैसा जातकों को अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है। किंतु व्यापारियों के लिए चिंता का विषय नहीं है। व्यापारियों को इस महीने में आर्थिक लाभ की प्रचुर संभावनाएं बनेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। पार्टनरों से संबंध अच्छे रहेंगे। परिवार के किसी सदस्य से वाद-विवाद संभावित है। छात्रों को अध्ययन में रुचि जागृत होगी। आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी, खर्च भी बने रहेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से कंधे में जकड़न एवं कान में कोई समस्या हो सकती है।

मकर

कार्य क्षेत्र की दृष्टि में मकर राशि वाले जातकों के लिए यह महीना अनुकुल रहेगा। आप अपनी कार्य शैली को लोगो को दिखा देंगे एवं दुनिया आपका लोहा मानेगी। अपनी विशिष्ट कार्य शैली से इस महीने आप अनेक सफलताएं अर्जित कर सकते हैं। व्यापार में उन्नति होगी एवं लाभ होगा। उसकी दृष्टि से महीने के शुरुआत में नेत्र पीड़ा एवं महीने के अंत में कंधे एवं गले से संबंधित समस्याएं रह सकती हैं, अपना ध्यान रखें। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। आपके बोलने के कारण कुटुंब में कोई वाद-विवाद संभावित है, कृपया सजगता से बोलें एवं अनावश्यक ना बोले।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह महीना मध्यम रहने की संभावना है, विशेष कर कार्य क्षेत्र की दृष्टि से। स्वभाव पर चिड़चिड़ हावी रह सकता है। इस चिड़चिड़ेपन के कारण आप अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। अतः आवश्यक है कि आप बहुत संतुलित होकर वार्तालाप करें। नौकरी पैसा जातकों को उनके वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से नई चुनौतियां मिलेगी, जिन्हें आपको हल करना पड़ेगी। व्यापारी वर्ग को इस महीने कोई बड़ा निवेश करने से बचना चाहिए। आर्थिक दृष्टि से प्रसन्नता की बात यह है कि खर्चे पर आपका नियंत्रण रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से ब्लड प्रेशर, अनिद्रा, बेचैनी, चिड़चिड़ापन, पाचन संस्थान खराब होना जैसी समस्याएं रहेंगी, जिन्हें आप अपने आचरण से ठीक कर सकते हैं। दांपत्य जीवन में टकराहट की समस्या हो सकती है, अपने अहंकार के प्रति सजग रहें।

मीन

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से मीन राशि के जातकों को यह महीना मिले-जुले असर देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा होगी एवं आपको वरिष्ठों द्वारा नए उत्तरदायित्व दिए जाएंगे। आपकी कार्यशैली से आपके विरोधी परास्त महसूस करेंगे। व्यापारी वर्ग को इस महीने अनायास होने वाली घटनाएं चकित कर सकती है, वे लाभ भी दे सकती हैं एवं हानि भी कर सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से महीने की शुरुआत कमजोर रहेगी किंतु अंत तक आप रिकवर कर जाएंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना कमजोर रहेगा। आपको चाहिए कि नियमित आहार विहार का पालन करें। दांपत्य जीवन एवं पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

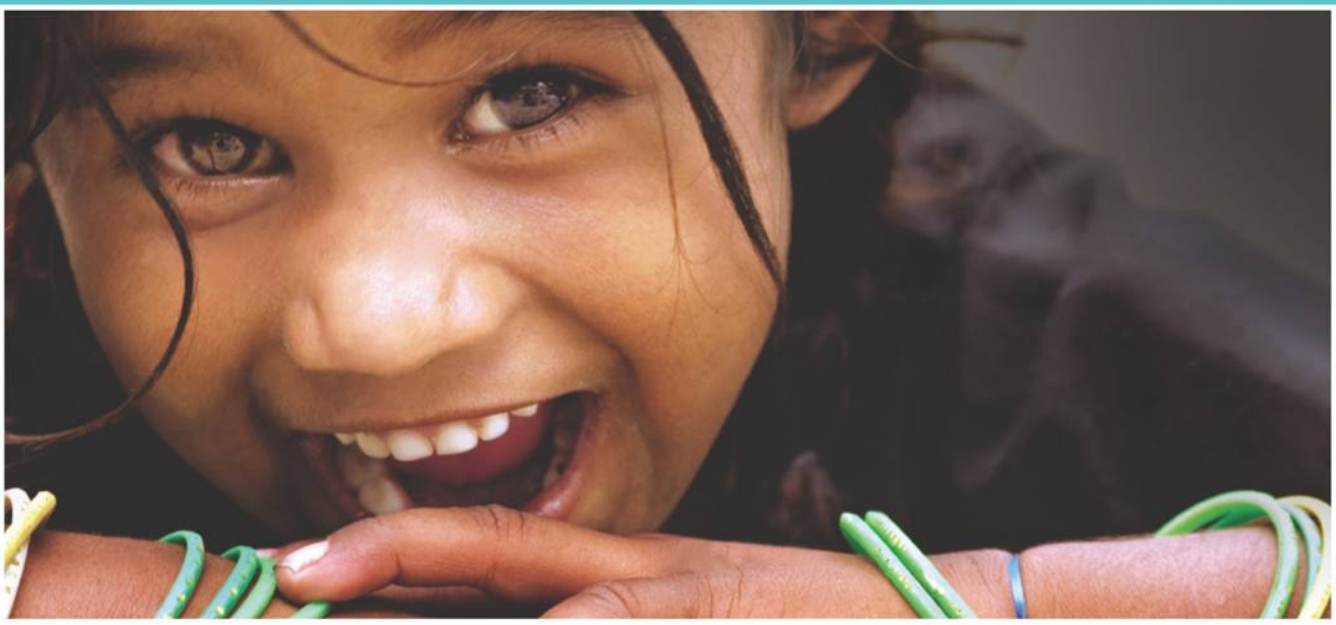

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 April, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com